राष्ट्रीय दैनिक

प्रात: किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

07 योगी सरकार ने बदली यूपी की....

रोहित शर्मा से लेकर मिचेल स्टार्क तक..... 11

वर्ष : 17 | अंक : 165 | नई दिल्ली, मंगलवार, 06 अक्टूबर, 2026 | विक्रम संवत 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 42.0°C

न्यूनतम तापमान 34.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,51,210
चांदी	2,53,000
सेंसेक्स	74,224.62
निफ्टी	24,362.62

संक्षिप्त खबरें

बारापुला फेज-3 पर भीषण जाम, तीन जगह बन रहे बॉटलनेक

नई दिल्ली। दिल्ली के बारापुला एलिवेटेड रोड फेज-3 पर लगातार लग रहे भीषण जाम से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है। मयूर विहार से दक्षिणी दिल्ली की ओर जाने वाले मार्ग पर करीब 2.5 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लगने के बाद यातायात व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। नए बारापुला फेज-3 के पुराने बारापुला फेज-1 से जुड़ने वाले स्थान पर सबसे बड़ा अवरोध सामने आ रहा है। यातायात पुलिस और लोक निर्माण विभाग के ड्रोन सर्वे में भी मार्ग की कुछ ढांचागत कमियां सामने आई हैं। जानकारी के अनुसार, बारापुला फेज-3 के खुलने के बाद बुधवार से शुक्रवार तक नए मार्ग पर लगातार जाम की स्थिति बनी रही। मयूर विहार से दक्षिणी दिल्ली की ओर जाने वाली दिशा में वाहनों की कतार करीब 2.5 किलोमीटर तक पहुंच गई। अगले दिन स्थिति और गंभीर हो गई और जाम पीछे मयूर विहार स्थित प्रवेश बिंदु तक पहुंच गया। इसके बाद यातायात पुलिस और लोक निर्माण विभाग ने मार्ग का हवाई सर्वेक्षण कराया, जिसमें यातायात के दबाव वाले कई स्थानों की पहचान की गई। पांच लेन का यातायात दो लेन में सिमट रहा यातायात विशेषज्ञों के अनुसार समस्या नए एलिवेटेड मार्ग की क्षमता से अधिक उसके पुराने बारापुला फेज-1 से जुड़ने की व्यवस्था में दिखाई दे रही है। नए मार्ग से आने वाला यातायात आगे बढ़ते हुए कम लेन में सिमट जाता है। अलग-अलग दिशाओं से आने वाले वाहनों के एक ही हिस्से में मिलने से कुछ दूरी के भीतर ही यातायात का दबाव तेजी से बढ़ जाता है। परिणामस्वरूप तेज आवाजाही के लिए तैयार किया गया नया मार्ग स्वयं वाहनों की लंबी कतार में बदल जाता है। 90 डिग्री का मोड़ बना पहला अवरोध पहला बड़ा अवरोध सन डायल के पास दिखाई देता है। बारापुला फेज-3 करीब 90 डिग्री के मोड़ पर पुराने बारापुला फेज-1 से जुड़ता है। यहां नए मार्ग की तीन लेन का यातायात पुराने दो लेन वाले एलिवेटेड मार्ग पर पहुंचता है। लेन की संख्या घटने के साथ ही वाहनों की गति कम हो जाती है और व्यस्त समय में देखते ही देखते लंबी कतार लग जाती है। सराय काले खां का लूप भी बढ़ा रहा दबाव पहले अवरोध से कुछ ही दूरी पर सराय काले खां की ओर से आने वाला दो लेन का लूप पुराने बारापुला फेज-1 में मिलता है। यहां अलग-अलग दिशाओं से आने वाला यातायात सीमित लेन में समाहित होता है।

स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति परमेलिन का राष्ट्रपति भवन में भव्य स्वागत, बोले- यह साझेदारी को गहरा करने का अहम कदम

प्रात: किरण, एजेंसी

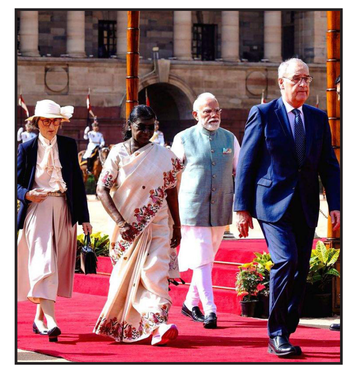

नई दिल्ली। स्विस परिसंघ के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन सोमवार को तीन दिन की राजकीय यात्रा पर भारत पहुंचे। इस दौरान उनके स्वागत में राष्ट्रपति भवन में समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहे। इस दौरान स्विस परिसंघ के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन के साथ उनकी पत्नी भी मौजूद रहीं। स्वागत समारोह के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए स्विस परिसंघ के राष्ट्रपति ने कहा कि यह दौरा इस बात पर जोर देने का एक बेहतरीन मौका है कि स्विट्जरलैंड और भारत दोनों इस रिश्ते को कितनी अहमियत देते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों देशों के रिश्ते लोकतांत्रिक मूल्यों, आपसी भरोसे और सम्मान पर टिके हुए हैं। उन्होंने कहा कि मेरा यह दौरा हमारी करीबी, व्यापक और लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को आगे बढ़ाने और गहरा करने तथा मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। राष्ट्रपति गाइ ने कहा कि मुझे खुशी और गर्व है कि हमें द्विपक्षीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचार साझा करने का मौका मिल रहा है। मुझे खास तौर पर इस बात की खुशी है कि भारत में मेरी मौजूदगी के दौरान हम भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के लागू होने की पहली वर्षगांठ भी मना सकेंगे। यह जश्न मनाने का सही समय है कि हमने मिलकर अब तक कितनी प्रगति की है लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है कि हम मिलकर अपने भविष्य को आकार दें। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, स्विस राष्ट्रपति परमेलिन की भारत यात्रा 5 से 7 अक्टूबर तक होगी। राष्ट्रपति परमेलिन के साथ वरिष्ठ अधिकारियों और कारोबारी नेताओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत पहुंचा है। यह उनकी पहली राजकीय भारत यात्रा है। वहीं, इस साल वह दूसरी बार भारत आ रहे हैं। इससे पहले वह फरवरी 2026 में नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति परमेलिन के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। इस दौरान दोनों नेता व्यापार और निवेश, विज्ञान, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन, मोबिलिटी, संस्कृति और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क समेत कई क्षेत्रों में अब तक हुए सहयोग की समीक्षा करेंगे। दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा करेंगे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत और स्विट्जरलैंड के बीच सहयोग को लेकर भी बातचीत होगी।

पीएम मोदी और स्विस राष्ट्रपति गाय परमेलिन के बीच हैदराबाद हाउस में अहम बैठक

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया और इसके बाद द्विपक्षीय वार्ता शुरू हुई। बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश से लेकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, मोबिलिटी और लोगों के बीच संपर्क तक विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति परमेलिन क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। दोनों नेता बहुपक्षीय मंचों पर भारत और स्विट्जरलैंड के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा करेंगे। राष्ट्रपति परमेलिन की भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) को लागू हुए एक वर्ष पूरा होने जा रहा है। स्विस राष्ट्रपति ने अपनी यात्रा को इस समझौते की पहली वर्षगांठ के संदर्भ में दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को आगे बढ़ाने का अवसर बताया है। राष्ट्रपति परमेलिन ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में उनके सम्मान में आयोजित औपचारिक स्वागत समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह यात्रा इस बात को रेखांकित करने का एक शानदार अवसर है कि स्विट्जरलैंड और भारत दोनों ही अपने संबंधों को कितना महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड के रिश्ते साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित हैं। परमेलिन ने कहा कि उनकी भारत यात्रा दोनों देशों की करीबी, व्यापक और लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्विस राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें खुशी है कि इस यात्रा के दौरान उन्हें द्विपक्षीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने खास तौर पर भारत-ईएफटीए टीईपीए के लागू होने की पहली वर्षगांठ का जिक्र किया। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी राष्ट्रपति परमेलिन से मुलाकात की। जयशंकर ने दोनों देशों के बीच साझेदारी को और गहरा करने की उनकी भावना की सराहना की और भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बैठक से विभिन्न क्षेत्रों में भारत-स्विट्जरलैंड सहयोग को और गति मिलेगी। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‟स्विस परिसंघ के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन से मुलाकात कर खुशी हुई, जो राजकीय यात्रा पर भारत आए हैं। भारत-ईएफटीए टीईपीए की संभावनाओं को आगे बढ़ाते हुए हमारी साझेदारी को गहरा करने के राष्ट्रपति पार्मेलिन के विचारों की गहराई से सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि राष्ट्रपति परमेलिन और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात से दोनों देशों के बीच व्यापक क्षेत्रों में सहयोग आगे बढ़ेगा। र

अयोध्या पहुंचे राजनाथ, राम लला के किए दर्शन

प्रात: किरण, एजेंसी

अयोध्या। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को अयोध्या पहुंचे। यहां महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सबसे पहले श्रीराम मंदिर पहुंचे और भगवान रामलला के दर्शन किए। उन्होंने श्री हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन कर हनुमान जी का भी आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद रक्षा मंत्री रानोपाली स्थित उदासीन ऋषि आश्रम पहुंचे हैं। यहां उन्होंने गुरु पर्व महामहोत्सव एवं संत सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम अयोध्या की पुण्यभूमि पर हैं। वर्षों का संघर्ष, एक भव्य रूप में आज हमारे सामने है। भगवान रामलला अपने घर में विराजमान हो चुके हैं। राजनाथ ने कहा कि अयोध्या को मैं सिर्फ एक भौगोलिक स्थान नहीं समझता। अयोध्या एक चेतना है, एक संस्कृति है, एक सभ्यता है।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में गतिरोध, व्यापार संतुलन फिलहाल भारत के पक्ष में: वित्त मंत्री सीतारमण

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता जारी है, लेकिन बातचीत एक ऐसे पड़ाव पर पहुंच गई है, जहां आगे बढ़ना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल दोनों देशों के बीच व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। राष्ट्रीय राजधानी में म्यूनिख लीडर्स मीटिंग 2026 में बोलते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बेहद कठिन और गहन बातचीत हुई है। उन्होंने कहा, ‟बातचीत अभी भी जारी है, हालांकि हम यह मानना चाहेंगे कि दोनों पक्ष एक ऐसे पड़ाव पर पहुंच गए हैं, जिसके आगे कुछ देना या लेना दोनों के लिए बहुत-बहुत मुश्किल हो सकता है। वित्त मंत्री ने कहा कि दोनों देश अब भी यह तलाश कर सकते हैं कि क्या आगे बातचीत की कोई गुंजाइश बाकी है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि फिलहाल व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है और अमेरिका अपने व्यापार घाटे को कम करना चाहता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की चिंता की वजह वर्षों से भारत के साथ होने वाले व्यापार में नुकसान होना है। यह बातचीत फरवरी 2026 में घोषित अंतरिम व्यापार समझौते के लिए तय रूपरेखा के तहत हो रही है। भारत और अमेरिका ने कहा था कि दोनों देश व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखते हुए अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम करेंगे। इसके अलावा, वित्त मंत्री ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए व्यापार समझौते को व्यापार समझौतों पर भारत के दृष्टिकोण के उदाहरण के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता करीब दो अरब लोगों और वैश्विक जीडीपी के लगभग एक-चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाली अर्थव्यवस्थाओं को कवर करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन द्वारा इस्तेमाल किए गए वाक्यांश का जिक्र करते हुए कहा कि इसे ‟सभी समझौतों की जननी‟ कहना उचित होगा। उन्होंने कहा कि समझौते के तहत भारत ने अपनी 92.5 प्रतिशत टैरिफ लाइनों और व्यापार मूल्य के करीब 97 प्रतिशत हिस्से को खोल दिया है, जबकि यूरोपीय संघ ने व्यापार मूल्य के करीब 99 प्रतिशत और लगभग 97 प्रतिशत टैरिफ लाइनों को खोला है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि बाजार पहुंच से जुड़ी प्रतिबद्धताओं का चयन दोनों अर्थव्यवस्थाओं की पूरकता और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता के आधार पर किया गया कि भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

पंजाब में कानून-व्यवस्था चरमराई और भ्रष्टाचार अपने चरम पर : संबित पात्रा

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां कानून-व्यवस्था चरमराई हुई है और भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया है। भाजपा सांसद ने भ्रष्टाचार और अपराध से जुड़ी घटनाओं का जिक्र भी किया। नई दिल्ली में प्रेस वार्ता करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि आज पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति किस कदर बिगड़ चुकी है, यह किसी से छिपा नहीं है। बीते महज 48 घंटों में पंजाब में हत्या की 4 घटनाएं सामने आई हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति कितनी चिंताजनक हो चुकी है। अमृतसर में एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या कर दी गई। लुधियाना में पूर्व सरपंच की हत्या हुई। मुल्लांपुर में एक युवक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया जबकि साहनेवाल में 35 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। इस तरह पंजाब में पुलिस से लेकर आम जनता की लगातार हत्याएं की जा रही हैं। आज पंजाब में ऐसा लग रहा है कि कोई सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि पंजाब की भगवंत मान सरकार से जुड़ा एक बड़ा न्यायिक घटनाक्रम सामने आया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की दो जजों की खंडपीठ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी और उनके करीबी अन्य लोगों के खिलाफ ईडी द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया है। यह मामला एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। कोर्ट ने सीबीआई को मामले की जांच कर दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन और उनके कुछ अन्य अधिकारियों पर आरोप लगाए गए हैं कि वे बिचौलियों की भूमिका निभाते हुए सरकार से मिलने वाले लाभों को रिश्वत के माध्यम से कुछ लोगों तक पहुंचाने का काम करते हैं।

महिला पत्रकारों की शिकायतों पर राहुल गांधी ने दिल्ली पुलिस को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जंतर-मंतर पर हालिया विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार और यौन उत्पीड़न की शिकायतों को लेकर दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सवाल पूछने वाली महिलाओं की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने साकेत थाने का पूरा सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने और शिकायतों में आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। तीन महिला पत्रकारों ने की शिकायत 3 अक्टूबर को नई दिल्ली क्षेत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर कथित मारपीट और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। दिल्ली पुलिस ने शिकायतें मिलने की पुष्टि करते हुए उन्हें आगे की जांच के लिए अपराध शाखा को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतों के संबंध में चिकित्सकीय जांच भी कराई गई है। एक महिला पत्रकार ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान जब वह पुलिस कार्रवाई का दृश्य दर्ज कर रही थीं, तब एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें कथित रूप से गलत तरीके से छुआ और धक्का देकर पीछे किया। मामले की जांच फिलहाल जारी है और आरोपों की सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। राहुल गांधी ने उठाए कई सवाल राहुल गांधी ने सामाजिक माध्यम पर जारी संदेश में आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया और महिला प्रदर्शनकारियों ने पुरुष पुलिसकर्मियों पर दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। उन्होंने यह भी कहा कि महिला पत्रकारों के कैमरे छीने गए और उन्हें कथित रूप से घसीटा गया। राहुल गांधी ने साकेत थाने में हुई कथित घटनाओं का उल्लेख करते हुए वहां का पूरा सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी जिन लोगों पर है, उन्हीं पर महिलाओं के लिए खतरा बनने के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने कथित रूप से दोषी पुलिसकर्मियों पर तत्काल कार्रवाई और पीड़ितों को न्याय देने की मांग भी की।दिल्ली पुलिस ने शिकायतें अपराध शाखा को सौंपीं दिल्ली पुलिस ने कहा है कि 3 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों पर कथित यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। नई दिल्ली जिला पुलिस को उनकी शिकायतें मिलीं और निष्पक्ष जांच के लिए उन्हें कमला मार्केट स्थित अपराध शाखा को सौंप दिया गया।

सरकारी आश्रम स्कूल में 82 स्टूडेंट्स का आधा सिर मुंडवाया

मुंबई। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक सरकारी आश्रम स्कूल के 82 छात्रों को आधा गंजा कर देने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यह घटना शनिवार को चिमूरा तालुका के जंभुलघाट स्थित सरकारी सेकेंडरी आश्रम स्कूल में हुई है।आश्रम से मिली जानकारी के मुताबिक, आश्रम में शनिवार सुबह को बच्चों के बाल काटे जा रहे थे। इसी दौरान कुछ बच्चे खेल रहे थे। बच्चों के इसी व्यवहार से सुपरिटेंडेंट प्रशांत मेश्राम नाराज हो गए। उन्होंने गुस्से में 82 बच्चों के आधे बाल कटवा दिए। रविवार के मामले का खुलासा हुआ तो अभिभाववक भड़क उठे। स्कूल के प्रिंसिपल प्रशांत गिरी ने इस घटना को लेकर सुपरिटेंडेंट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मामला सामने आने पर रात को फिर करवाई कटिंग मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छात्रों के बाल काटने के लिए ट्रिमर का इस्तेमाल किया गया, जिससे उनके बाल टेढ़े-मेढ़े कट गए थे। छात्रों की अजीब और आधे-अधूरे तरीके से कटे बालों की तस्वीर शाम को वायरल हो गई थी। जिसके बाद अभिभावकों में गुस्सा फैल गया था। तस्वीरें सामने आने के बाद उच्च अधिकारियों ने स्कूल से संपर्क किया। इसके बाद देर रात फिर से बच्चों के बाल काटे गए। खबरों के मुताबिक, यह प्रक्रिया रात करीब 11 बजे शुरू हुई और रविवार सुबह करीब 4 बजे तक चली। सुपरिटेंडेंट बोले- गलत इरादा नहीं था स्कूल के प्रिंसिपल प्रशांत गिरी ने इस घटना को लेकर सुपरिटेंडेंट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। स्कूल के सुपरिटेंडेंट प्रशांत मेश्राम ने अपना बचाव करते हुए कहा कि फैसला स्टूडेंट्स के हित में लिया गया था और इसके पीछे कोई गलत इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कि बारिश के चलते छात्र कुछ समय से नियमित रूप से बाल नहीं कटवा पा रहे थे। इसीलिए बच्चों के बाल छोटे किए गए हैं। वहीं, अभिभावकों ने दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व सीजेआई गावई बोले-विचारधारा पर रोक के खिलाफ बयान

पूर्व । सीजेआई बीआर गवई और दिल्ली हाईकोर्ट के दो जजों ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जल भुवई की टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि एसआईआर केस सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। पूर्व न्यायाधीश गवई ने सोमवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट के किसी भी फास्टैग मामले में जनरल जज को सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। यह धार्मिक प्रतिबंध के विरुद्ध है। न्यायमूर्ति बीएचएल ने रविवार को नालसर विश्वविद्यालय में कहा कि लाखों भारतीय नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वोट देने की कोई भी प्रक्रिया मूल रूप से सहायक नहीं है। यह कथन सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम न्यायाधीश की सीमा से काफी आगे है। इस मामले पर सार्वजनिक कार्यक्रम में ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। ऐसा बयान देने से पहले हजारों बार रुकना चाहिए था। जस्टिस बीएच जारी करने के लिए पूरे तथ्य पता नहीं थे। अनहोनी होने पर चुनाव आयुक्त खुद बोल सकते हैं। वे देश के टॉप रेटेड हैं, वे अपनी बात खुद कह सकते हैं। उनकी ओर से किसी और के फोन की जरूरत नहीं है. दिल्ली उच्च न्यायालय जज जस्टिस रेज सोढ़ी आपके पास वोट है या नहीं, यह कानून अनुमोदित है। यदि आप कानून के कार्यालय में आते हैं, तो अपना वोट अवश्य दें। यदि आप कानून के कार्यालय में नहीं आते हैं, तो आपके पास वोट नहीं है। यदि किसी व्यक्ति का नाम गलत तरीके से मतदाता सूची में शामिल है या वह कानूनी प्रतिबंध पूरी तरह से पूरा नहीं करता है, तो नाम हटाने के लिए कानून का पालन करना चाहिए। पात्र होने पर व्यक्तिगत नाम अपना नाम जुड़वाने की मांग कर सकते हैं।

इससे भारत के कृषि, दवा, कपड़ा एवं इंजीनियरिंग उत्पादों के स्विट्जरलैंड में निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

भारत ने स्विट्जरलैंड में निर्यात व निवेश को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये: मोदी

प्रात: किरण, एजेंसी

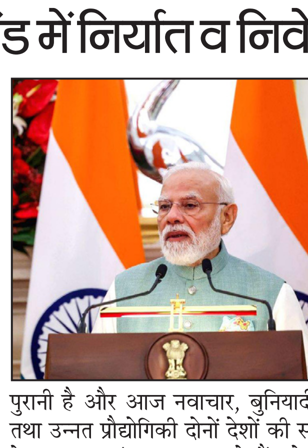

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत ने स्विट्जरलैंड में अपने निर्यात के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। इससे भारत के कृषि, दवा, कपड़ा एवं इंजीनियरिंग उत्पादों के स्विट्जरलैंड में निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, जैव प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, बैंकिंग, बीमा, खाद्य प्रसंस्करण और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में स्विस निवेश आकर्षित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन के बीच आज दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड की दोस्ती पुरानी है और आज नवाचार, बुनियादी ढांचा तथा उन्नत प्रौद्योगिकी दोनों देशों की साझेदारी के मजबूत स्तंभ बनकर उभरे हैं। दोनों देशों ने सैन्य आदान-प्रदान तथा रक्षा उत्पादन एवं सहयोग की नई संभावनाओं की पहचान की है और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने पर भी सहमति बनी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी दोनों देशों का सहयोग मजबूत हो रहा है। स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में नए संयुक्त शोध परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने भारतीय विज्ञान स्टार्टअप की क्षमता बढ़ाने के लिए ज्यूरिख विश्वविद्यालय के साथ हुए समझौते का स्वागत किया और योग एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की बात कही। मोदी ने कहा कि प्रवासन एवं गतिशीलता भागीदारी समझौते तथा युवा पेशेवर समझौते से भारतीय छात्रों, शोधकताओं, पेशेवरों और युवाओं के लिए स्विट्जरलैंड में नए अवसर खुलेंगे। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं और वैश्विक शांति एवं स्थिरता के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष अक्टूबर में उनके समर्थन से भारत और ईएफटीए देशों के बीच यह ऐतिहासिक समझौता लागू हुआ। यूरोप के किसी आर्थिक समूह के साथ यह भारत का पहला मुक्त व्यापार समझौता है। उन्होंने बताया कि सात अक्टूबर को उनकी मौजूदगी में 'भारत-ईएफटीए बिजनेस लीडर्स प्रॉस्पेरिटी समिट' आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन व्यापार एवं निवेश साझेदारी की संभावनाओं को ठोस परिणामों में बदलने के लिए महत्वपूर्ण मंच बनेगा। मोदी ने अगले वर्ष जिनेवा में होने वाले एआई शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए भी स्विट्जरलैंड को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) भारत में व्यापार एवं आर्थिक भागीदारी समझौते के तहत अगले 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर का निवेश करेगा।

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली जल बोर्ड के 50 हजार से अधिक पेंशनरों और फैमिली पेंशनरों के लिए कैशलेस मेडिकल सुविधा का शुभारंभ किया

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को दिल्ली जल बोर्ड के 50 हजार से अधिक पेंशनरों व फैमिली पेंशनरों के लिए मुख्यमंत्री ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा का शुभारंभ किया। इसके शुरू होने से दिल्ली जल बोर्ड के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके परिवारों को उपचार के दौरान होने वाली आर्थिक एवं प्रक्रियात्मक परेशानियों से बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय सहित बोर्ड के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के पेंशनरों और फैमिली पेंशनरों ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा दिल्ली की सेवा में समर्पित किया है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि जीवन के इस पड़ाव पर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सहज और सम्मानजनक तरीके से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि अभी तक उपचार की आवश्यकता होने पर पेंशनरों को अस्पताल में इलाज का खर्च पहले अपनी जेब से वहन करना पड़ता था। इसके बाद प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन करने और लंबी प्रक्रिया पूरी करने की आवश्यकता होती थी, जो विशेष रूप से बुजुर्ग पेंशनरों के लिए कठिन और परेशानी भरी थी। सरकार ने उनकी इस समस्या को समझते हुए इस सुविधा को शुरू करने की दिशा में काम किया। इस व्यवस्था को लागू करने में मौजूद अड़चनों को दूर करते हुए दिल्ली सरकार ने आज यह सुविधा पेंशनरों को समर्पित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसी व्यवस्थाएं तैयार करना है जिनसे लोगों का जीवन आसान हो। इस अवसर पर जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के कर्मचारियों और पेंशनरों ने अपना जीवन दिल्ली की सेवा में समर्पित किया है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 06 अक्टूबर, 2026

सीएम का आंगन मिलनः नन्हे-मुन्ने बच्चों से किया संवाद अपने हाथों से परोसा भोजन; बोले- कोई बच्चा न रहे कुपोषित

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को आंगनबाड़ी केंद्र गोसीकुआं भुडाई में आयोजित आंगन मिलन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने बच्चों को दुलार कर संवाद किया, अपने हाथों से भोजन परोसा और उनके साथ समय बिताया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार कोआंगनबाड़ी केंद्र गोसीकुआं भुडाई में आयोजित आंगन मिलन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में नन्हे-मुन्ने बच्चों को दुलार कर संवाद किया और उनके मन की बात जानी। उन्हें अपने हाथों से भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर समय बिताया।

कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री का स्थानीय जनता और महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास के निदेशक बंशीलाल राणा ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने गोदभराई रस्म में प्रतिभाग कर गर्भवती महिलाओं को आशीर्वाद दिया और उन्हें 10 पौष्टिक आहार सामग्री की किट वितरित की। इसके बाद 10 लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने पांच नन्हे बच्चों का अपने हाथों से अन्नप्राशन संस्कार भी कराया। उन्होंने नौ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व दो आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का विकल्परहित संकल्प है कि कोई भी बच्चा कुपोषित न रहे। आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों को पोषण देने के केंद्र नहीं हैं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ भविष्य, संस्कार और सर्वांगीण विकास की नींव तैयार करने वाले महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि वे बच्चों की देखभाल के साथ-साथ सरकार की विभिन्न योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके स्वयं के बच्चे भी नगला तराई स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य एवं पोषण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। वहां पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, दायित्वधारी मोहिनी पोखरिया, गंभीर धामी, किशन सिंह किन्ना, डॉ. विनीता सक्सेना, सतीश भट्ट, रंदीप पोखरिया, किशोर जोशी,जीवन धामी, लक्ष्मण राणा, शोभा देवी, विजेंद्र राणा, संगीता राणा, प्रेम सिंह राणा आदि थे।

मुख्यमंत्री धमी ने कहा कि महालक्ष्मी किट योजना, पोषण योजनाओं और मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना सहित अनेक योजनाओं के माध्यम से माताओं एवं बच्चों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बर्थ वेटिंग होम की व्यवस्था की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर गर्भवती महिलाओं के लिए हेली एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती माताओं एवं नवजात शिशुओं का पालन-पोषण करने वाली महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, ताकि उन्हें आवश्यक पोषण मिल सके।उन्होंने कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है।

देवभूमि माटी गौरव सम्मान से सम्मानित हुईं डॉ. ममता कुंवर

डोईवाला, एजेंसी। संस्कृति जागरण मंच उत्तराखंड की ओर से संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित देवभूमि माटी गौरव सम्मान समारोह में डोईवाला के विस्थापित क्षेत्र निवासी डॉ. ममता कुंवर को लोक संस्कृति और गढ़वाली कविताओं के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में साहित्य, संस्कृति, लोकगायन, संगीत, अभिनय, स्वास्थ्य सेवा, महिला उद्यमिता, पत्रकारिता, खेल और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 24 लोगों को सम्मानित किया गया। पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने प्रतिभाओं को सम्मान प्रदान किया। डॉ. कुंवर लंबे समय से लोकभाषा, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ी हैं तथा अपनी रचनाओं और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से पहाड़ की संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं।सम्मान मिलने पर डॉ. ममता कुंवर ने कहा कि अपनी माटी, भाषा और संस्कृति के लिए काम करना गौरव के साथ जिम्मेदारी भी है। उन्हें सम्मान मिलने पर डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी, पूर्व प्रधान पुरुषोत्तम डोभाल, समाजसेवी राजन गोयल, रणजीत गुसाईं, संजय चमोली और राजेश कुंवर ने शुभकामनाएं दीं।

सौरभ व भूमिका को मिला साईं सृजन एनएसएस पुरस्कार

डोईवाला, एजेंसी। शहीद दुर्गामल्ल पीजी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी सौरभ और भूमिका बिष्ट को गांधी-शास्त्री जयंती के अवसर पर साईं सृजन एनएसएस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एनएसएस कैडेट के रूप में उनके कार्यों और सक्रियता को लेकर दोनों को पुरस्कृत किया गया है। शुक्रवार को डोईवाला महाविद्यालय परिसर में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. जानकी पंवार ने दोनों स्वयंसेवियों को सम्मान चिह्न, प्रशस्तिपत्र और 1100-1100 रुपये देकर सम्मानित किया। डोईवाला महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. देवेश प्रसाद भट्ट ने कहा कि ऐसे सम्मान विद्यार्थी को समाजसेवा और रचनात्मक गतिविधियों में बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते है। डॉ केएल तलवाड़ ने बताया कि पुरस्कार की शुरुआत एक साल पहले से की गई है। इसका मकसद एनएसएस कैडेटों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए उनका उत्साहवर्धन करना है। कार्यक्रम में डॉ राकेश जोशी, डॉ संगीता बहुगुणा, डॉ नवीन कुमार नैथानी, डॉ चंद्रावती टम्टा आदि मौजूद रहे।

पीएसी के मेले में जुआ खिलाने का वीडियो वायरल

रुद्रपुर, एजेंसी। 31वीं वाहिनी पीएसी परिसर में आयोजित तीन दिवसीय स्थापना दिवस मेले में जुआ खिलाने का मामला सामने आया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वायरल वीडियो में एक काउंटर पर कुछ लोग रुपये लगाकर खेलते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दिख रहे युवक ने मुरादाबाद से आने और मेले में काम करने की बात कही है। मामले का पीएसी सेनानायक आईपीएस देवेंद्र पिंचा ने संज्ञान लिया। उनके निर्देश पर पीएसी और पुलिस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर गतिविधि बंद कराई। हालांकि पीएसी परिसर में लगाए गए मेले में इस तरह का काउंटर किसकी अनुमति से लगाया गया था इसका पता नहीं चल सका है। सेनानायक आईपीएस देवेंद्र पिंचा ने बताया कि युवक को हिरासत में लेकर पंतनगर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस ने चालानी कार्रवाई के बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया है।

डिग्री कॉलेज के 600 विद्यार्थियों पर सेमेस्टर परीक्षा से बाहर होने का खतरा

रुद्रपुर, एजेंसी। एसबीएस डिग्री कॉलेज में करीब 600 विद्यार्थियों ने प्रवेश लेने के बाद भी अब तक फीस जमा नहीं की है। एक महीने बाद कॉलेज में सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। ऐसे में फीस जमा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के सामने परीक्षा से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। वर्तमान में कॉलेज में आठ हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद विद्यार्थियों को निर्धारित समय में शुल्क जमा करना था, लेकिन कई विद्यार्थी अभी तक फीस जमा नहीं कर पाए हैं। इनमें कुछ विद्यार्थियों के प्रवेश को एक सप्ताह हुआ है जबकि कई विद्यार्थियों के प्रवेश को करीब एक महीने से अधिक समय हो चुका है। परीक्षा की तैयारियों से पहले कॉलेज प्रशासन सभी विद्यार्थियों का शुल्क संबंधी रिकॉर्ड दुरुस्त करने में जुटा है। फीस जमा नहीं होने की स्थिति में परीक्षा आवेदन और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं में दिक्कत आ सकती है। ऐसे में कॉलेज प्रशासन की ओर से संबंधित विद्यार्थियों को जल्द शुल्क जमा करने के लिए कहा जा रहा है। प्राचार्य प्रो. अवधेश नारायण सिंह ने बताया कि सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारियां शुरू होनी है। इससे पहले सभी विद्यार्थियों की फीस जमा होना जरूरी है। फीस लंबित रही तो परीक्षा संबंधी प्रक्रिया भी प्रभावित होंगी। इससे विद्यार्थियों की परीक्षा पर भी असर पड़ सकता है।

फर्जी दस्तावेज पर नौकरी कर रहे 10 शिक्षकों की सेवा समाप्त, शिक्षा विभाग में खलबली

बागेश्वर, एजेंसी। बागेश्वर जिले के प्राथमिक विद्यालयों में फर्जी दस्तावेज के सहारे लंबे समय से नौकरी कर रहे 10 शिक्षकों की सेवा समाप्त कर दी गई। शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई से महकमे में खलबली मच गई। बागेश्वर जिले के प्राथमिक विद्यालयों में फर्जी दस्तावेज के सहारे लंबे समय से नौकरी हथियाए 10 शिक्षकों की सेवा समाप्त कर दी गई है। शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई से महकमे में खलबली मच गई है। साथ ही विभागीय जांच प्रणाली और अधिकारियों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर नियुक्ति के समय दस्तावेज का सत्यापन सही से क्यों नहीं किया गया। मामला राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में तैनात शिक्षकों के फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों से जुड़ा है। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर की ओर से कराए गए दस्तावेज के सत्यापन में दस शिक्षकों के प्रमाणपत्र फर्जी और कूट रचित पाए गए, जिसके बाद विभाग ने तत्काल प्रभाव से इनकी सेवा समाप्त कर दी है।लंबे समय तक फर्जी शिक्षकों के पढ़ाए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के पठन-पाठन को भारी नुकसान पहुंचा है। अभिभावकों का कहना है कि सिर्फ सेवा समाप्त कर देना काफी नहीं है, बल्कि इनसे वेतन की वसूली के साथ कठोर कानूनी कार्रवाई और तत्कालीन जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

कमान अधिकारी ने किया वार्षिक एनसीसी निरीक्षण

रुड़की, एजेंसी। 84 यूके बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल जगदीश अलमिया ने हरिद्वार यूनिवर्सिटी का वार्षिक एनसीसी निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय पहुंचने पर एएनओ लेफ्टिनेंट सुमित चौहान और एनसीसी इंस्ट्रक्टर अनूप सैनी ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान कर्नल अलमिया ने एनसीसी से जुड़े अभिलेखों, प्रशिक्षण गतिविधियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा सीनियर डिवीजन और सीनियर विंग के कैडेट्स से संवाद किया।

जनता के बीच पहुंचे सीएम धामीः झनकट में रुकवाया काफिला, लोगों की मांगों को सुना; अधिकारियों को दिए निर्देश

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। सीएम ने सोमवार सुबह नानकमत्ता जाते समय झनकट क्षेत्र में स्थानीय लोगों को देखकर अपना काफिला रुकवाया और उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने लोगों की ओर से दिए गए प्रार्थना-पत्र स्वयं देखे और उनकी समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुना। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार सुबह नानकमत्ता को जाते समय झनकट क्षेत्र में स्थानीय लोगों को देखकर अपना काफिला रुकवाया और उनसे मुलाकात की । मुख्यमंत्री ने लोगों की ओर से दिए गए प्रार्थना-पत्रों को स्वयं देखा और उनकी समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुना। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को जनता की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए । झनकट में मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद जनता से आत्मीय संवाद करते हुए संबंधित विषयों पर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने सड़क किनारे काफिला रोककर आमजन से सीधे संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। जनसेवा के लिए सरकार सदैव आमजन के साथ खड़ी है।

16 दिन से लिफ्ट खराब, हांफते हुए 33 सीढ़ियां चढ़ने की मजबूरी

रुद्रपुर, एजेंसी। मेडिकल कॉलेज के अधीन संचालित जिला अस्पताल में सिस्टम की लापरवाही का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। अस्पताल की इकलौती लिफ्ट 16 दिनों से खराब पड़ी है। अस्पताल में रोज 500 से ज्यादा मरीज इलाज के लिए आते हैं। बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों के लिए लिफ्ट ही एकमात्र सहारा है। मरीजों को दूसरी और तीसरी मंजिल तक जाने के लिए सीढ़ियां चढ़नी पड़ रही है। तीसरी मंजिल पर बने जनरल वार्ड में पहुंचने के लिए 33 सीढ़ियां पार करनी पड़ती हैं। दूसरी मंजिल पर महिला रोग विशेषज्ञ, डायलिसिस, आईसीयू के लिए भी 20 से अधिक सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। मरीजों के साथ-साथ गर्भवतियों और बुजुर्गों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शनिवार की दोपहर करीब एक बजे अस्पताल पहुंचे बाजपुर निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग मरीज मुन्ना मियां ने बताया कि लिफ्ट बंद होने के कारण ऊपर जाने में दिक्कत हो रही है। हर पांच सीढ़ी चढ़ने के बाद विश्राम करना पड़ रहा है। उनकी परिजन कमर जहां ने बताया कि डॉक्टर ने इन्हें डायलिसिस वार्ड में भेजा है।

बहन ने पढ़ाई के लिए डांटा तो 11वीं की छात्रा ने कर ली आत्महत्या, एक्सीडेंट करने वाले युवक ने होमगार्ड का अंगूठा काटा

हरिद्वार, एजेंसी। नगर कोतवाली क्षेत्र में एक 17 वर्षीय नाबालिग छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया. गंभीर हालत में छात्रा को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया. वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया. पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया. पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया.बहन ने पढ़ने को कहा तो 11वीं की छात्रा ने कर ली आत्महत्याः बताया जा रहा है कि छात्रा कक्षा 11 में पढ़ती थी. वह पांच बहनों में दूसरे नंबर की थी और परिवार में अपनी मां के साथ रहती थी. उसके पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है. बताया जा रहा है कि बीते शनिवार रात को बड़ी बहन ने छात्रा को पढ़ाई को लेकर डांट दिया था. इसके बाद छात्रा घर से बाहर चली गई. कुछ देर बाद उसके फ्लाईओवर से छलांग लगाने की जानकारी सामने आई.छात्रा के परिवार में मातमः छात्रा के फ्लाईओवर से गिरने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल छात्रा को उपचार के लिए एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया गया. अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने के बाद परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंचे. छात्रा की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई. पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया. इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया. पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने छात्रा का अंतिम संस्कार कर दिया.कार में टक्कर मारकर भाग रहे युवक ने होमगार्ड की गर्दन पर किया वारः इधर ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के हरिलोक तिराहे पर सड़क दुर्घटना हो गई. पीछे से कार में टक्कर मारकर भाग रहे युवक ने बहादराबाद में हाईवे पर ख्याति ढाबे के पास पीछा कर रहे होमगार्ड पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. युवक ने होमगार्ड की गर्दन पर वार किया. बचाव में होमगार्ड ने हाथ आगे कर दिया, जिससे उसके दाहिने हाथ का अंगूठा कट गया. घायल होमगार्ड को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां अंगूठे में पांच टांके लगाए गए. आरोपी कार छोड़कर पास के गन्ने के खेत में घुसकर फरार हो गया. पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. कुछ लोगों ने आरोपी का वीडियो भी बना लिया जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.बचाव में होमगार्ड के हाथ का अंगूठा कटाः पुलिस के अनुसार, बीते रविवार को हरिद्वार से रुड़की की ओर जा रही एक कार ने ज्वालापुर के हरिलोक तिराहे पर दूसरी कार में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. हादसे के बाद कार चालक मौके से भागने लगा. तिराहे पर ड्यूटी कर रहे होमगार्ड संजीव कुमार और कृष्णपाल ने कार का पीछा शुरू कर दिया. सूचना 112 के माध्यम से पुलिस को भी दी गई थी. होमगार्ड के पीछा करने के दौरान बहादराबाद क्षेत्र में हाईवे पर ख्याति ढाबे के पास कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई. हादसे में कार के अगले दोनों पहिए फट गए. इसके बाद युवक कार से बाहर निकलकर भागने लगा.गन्ने के खेत में घुसकर भाग गया आरोपीः होमगार्ड संजीव कुमार ने उसे पकड़ने का प्रयास किया. आरोप है कि युवक ने कार से धारदार हथियार निकाला और संजीव कुमार की गर्दन पर वार कर दिया. अचानक हुए हमले से बचने के लिए होमगार्ड ने हाथ आगे कर दिया। धारदार हथियार लगने से उसके दाहिने हाथ का अंगूठा कट गया.

घर के आंगन से 10 साल के मासूम को उठाकर ले गया गुलदार, जंगल में मिला शव

पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ से बड़ी खबर सामने आई है. गंगोलीहाट तहसील मुख्यालय से करीब से 8 किलोमीटर दूर ग्राम भंडारीगांव व खेतीगांव के बीच शनिवार को दर्दनाक घटना हुई. शनिवार शाम को करीब पांच बजे घर के आंगन में अपनी दादी के सामने खेल रहे दस वर्षीय बालक रियांशु (पुत्र भगवान राम) को गुलदार उठाकर ले गया.

घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की. कुछ ही समय में मासूम का शव घर से लगभग 200 मीटर और मुख्य सड़क से 250 मीटर दूर झाड़ियों से बरामद हुआ. रियांशु के पिता भगवान राम मजदूरी करते हैं. 10 साल के मासूम रियांशु की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा है. घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम वन दरोगा देवेंद्र सिंह महरा के नेतृत्व में मौके पर पहुंची. टीम में अजय पल्याल, मनीषा, लक्ष्मी लुंठी और दीवान सिंह शामिल रहे. कोतवाली पुलिस दल भी घटनास्थल पर पहुंचा. कोतवाल कैलाश जोशी ने बताया कि आकिल सिद्दीकी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर घटना के तुरंत बाद पहुंची, जिसमें एसआई आकिल सिद्दकी हेड कांस्टेबल सुभाष, राजपाल, दिवाकर सिंह और वीरेंद्र गैंडा शामिल रहे. ग्रामीणों में घटना को लेकर भारी आक्रोश है. ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लंबे समय से गुलदार की सक्रियता बनी हुई थी. करीब एक सप्ताह पूर्व ग्राम प्रधान ने गांव में गुलदार के आतंक की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग भी की थी. इसके बावजूद गुलदार को पकड़ने के लिए कोई कार्रवाई नहीं हुई. ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने व क्षेत्र में सुरक्षा के प्रभावी इंतजाम करने की मांग की है. साथ ही पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है. मृत बालक का पीएम रविवार को गंगोलीहाट सीएचसी में होगा. शव को वन विभाग की टीम व पुलिस गंगोलीहाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ला गई.

बहेड़ी से पहाड़ तक सप्लाई हो रही थी स्मैकः पुलभट्टा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, छह तस्कर गिरफ्तार

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। बहेड़ी से सस्ते दाम पर खरीदी जा रही स्मैक और नशीले इंजेक्शन पहाड़ के शहरों तक पहुंचाए जा रहे थे। पुलभट्टा पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े छह लोगों को अल्मोड़ा, हल्द्वानी और पिथौरागढ़ से गिरफ्तार किया है। बहेड़ी से सस्ते दाम पर खरीदी जा रही स्मैक और नशीले इंजेक्शन पहाड़ के शहरों तक पहुंचाए जा रहे थे। पुलभट्टा पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े छह लोगों को अल्मोड़ा, हल्द्वानी और पिथौरागढ़ से गिरफ्तार किया है। कार्रवाई की कड़ी 30 सितंबर को बहेड़ी सीमा पर पकड़े गए सद्दाम हुसैन से जुड़ी है।पुलिस के अनुसार सद्दाम के पास से 150 प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन, दो मोबाइल और 3500 रुपये मिले थे। उसके मोबाइल की व्हाट्सएप चैट और कॉल डिटेल खंगालने पर पहाड़ में सक्रिय लोगों के संपर्क सामने आए। इसके बाद अक्षय, सौरभ, पीयूष, भूपेंद्र सिंह मेहता, यशोदा टम्टा और रवि थापा को पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी बहेड़ी से स्मैक लाकर अल्मोड़ा, हल्द्वानी और पिथौरागढ़ में छोटी-छोटी मात्रा में बेचते थे। इनमें कई पहले भी नशा तस्करी के मामलों में जेल जा चुके हैं। अब पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

एसआईआर के बाद लक्सर सीट पर बदला जाएगा चुनावी गणित, विधानसभा चुनाव के मुकाबले 11,676 मतदाता हुए कम

रुड़की, एजेंसी। विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद लक्सर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में बड़ा बदलाव सामने आया है। 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई है।विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद लक्सर विधानसभा सीट पर चुनावी गणित में बड़ा बदलाव आया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में लक्सर सीट पर मतदाताओं की संख्या 1,03,680 थी। अब यह घटकर 90,944 रह गई है।मैपिंग के बाद हुई प्री - एसआईआर की बात करें तो मतदाता सूची में 2,679 मतदाता कम हुए हैं।

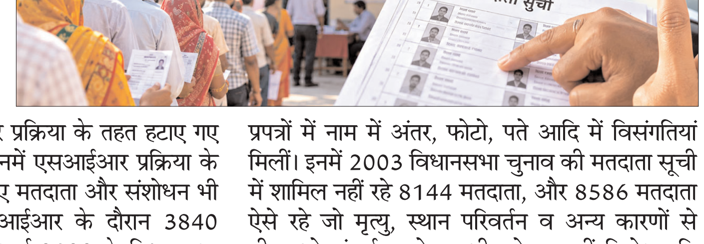

हालांकि इसे पूरी एसआईआर प्रक्रिया के तहत हटाए गए नाम नहीं माना जा रहा है। इनमें एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सूची में शामिल हुए नए मतदाता और संशोधन भी शामिल हैं। लक्सर में एसआईआर के दौरान 3840 आपत्तियां स्वीकार की गई हैं।वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के बीच जीत - हार का अंतर 10,440 वोट का था। बसपा प्रत्याशी शहजाद को 34,899 और दूसरे स्थान पर रहे भाजपा प्रत्याशी संजय गुप्ता को 24,459 वोट मिले थे। मतदाता सूची में हुए जीत - हार के अंतर से अधिक के बदलाव का असर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में दिखाई दे सकता है। विशेषकर उन बूथ और गांवों में जहां मतदाता सूची में अधिक बदलाव हुए हैं। राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों को यहां अब नए गणित के अनुसार समीकरण बनाने होंगे।एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मैपिंग और गणना प्रपत्र के वितरण व संकलन के दौरान 37726 गणना प्रपत्रों में नाम में अंतर, फोटो, पते आदि में विसंगतियां मिलीं। इनमें 2003 विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची में शामिल नहीं रहे 8144 मतदाता, और 8586 मतदाता ऐसे रहे जो मृत्यु, स्थान परिवर्तन व अन्य कारणों से बीएलओ संपर्क करने पर भी पते पर नहीं मिले। यानि उन्हें प्रपत्रों का वितरण ही नहीं हो सका। नगर क्षेत्र में 2 हजार से अधिक मतदाता नाम परिवर्तन, मृत और दो स्थानों पर सूची में शामिल मिले।

धान खरीद शुरू न होने पर किसानों का आक्रोश गल्ला मंडी में जुटे, हाईवे जाम करने की दी चेतावनी

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। धान खरीद शुरू नहीं होने से नाराज किसान सोमवार को पुरानी गल्ला मंडी रुद्रपुर में एकत्र हो गए। किसानों ने अधिकारियों के वार्ता के लिए न पहुंचने पर नाराजगी जताते हुए दोपहर एक बजे से हाईवे जाम करने की चेतावनी दी।

धान खरीद शुरू नहीं होने से नाराज किसान सोमवार को पुरानी गल्ला मंडी रुद्रपुर में एकत्र हो गए। किसानों ने अधिकारियों के वार्ता के लिए नहीं पहुंचने पर नाराजगी जताते हुए दोपहर एक बजे से हाईवे जाम करने की चेतावनी दी। किसानों का कहना है कि सरकारी स्तर पर खरीद शुरू नहीं होने से उन्हें अपनी उपज कम दाम पर बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। प्रशासन ने किसान यूनियन के आंदोलन के दौरान एक अक्तूबर से धान खरीद शुरू कराने और इससे पहले किसानों का पंजीकरण कराने का आश्वासन दिया था। इसके बाद खाद्य विभाग ने धान खरीद के लिए कांटे खोल दिए और मंडी में बैनर भी लगा दिए। हालांकि, पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू नहीं होने के कारण पांच दिन बाद भी सरकारी केंद्रों पर धान खरीद शुरू नहीं हो सकी।खरीद शुरू नहीं होने से परेशान किसान सोमवार को पुरानी गल्ला मंडी पहुंचे। यहां किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने वार्ता के लिए किसी जिम्मेदार अधिकारी के नहीं पहुंचने पर रोष जताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से तय समय पर खरीद शुरू कराने का भरोसा दिया गया था, लेकिन अब तक व्यवस्था पटरी पर नहीं आई है।-किसानों ने कहा कि धान की फसल तैयार होने के बाद भी सरकारी खरीद शुरू नहीं होने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। मजबूरी में किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचनी पड़ रही है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो दोपहर एक बजे से हाईवे जाम कर आंदोलन किया जाएगा।

10 अक्टूबर के आंदोलन को लेकर आप ने तैयार की बैक-अप लीडरशीप: सौरभ भारद्वाज

● आंदोलन से घबराई सरकार झूठे केस में विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करने की योजना बना रही: सौरभ भारद्वाज

● सरकार कितनी भी गिरफ्तारियां कर ले, लेकिन देशवासियों का यह आंदोलन रुकना नहीं चाहिए: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने आगामी 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को होने वाले विशाल आंदोलन को सफल बनाने के लिए कमर कस लिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को दिल्ली के सभी विधायकों, पार्षदों, जिलाध्यक्षों, विधानसभा अध्यक्षों और वॉर्ड ऑब्जवर्स के साथ मैराथन बैठक की। बैठक में आंदोलन को सफल बनाने के लिए बैक-अप लीडरशिप तैयार की गई, ताकि पहली पंक्ति के नेताओं को भाजपा सरकार की पुलिस गिरफ्तार भी कर ले तो आंदोलन का नेतृत्व दूसरी और तीसरी पंक्ति की लीडरशिप कर सके। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सूत्रों के अनुसार, जंतर-मंतर 2.0 का समर्थन करने वाले संगठनों के नेताओं को जल्द ही झूठे मुकदमों में गिरफ्तार किया जाएगा। इन गिरफ्तारियों के बावजूद शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहना चाहिए। इसके लिए नेताओं और संगठनों को एक बैकअप नेतृत्व तैयार करना चाहिए। संवाद के लिए भी एक प्लान बी होना चाहिए। यह आंदोलन किसी भी व्यक्ति, संगठन या राजनीतिक दल से बहुत बड़ा है। सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर जो बड़ा आंदोलन हो रहा है, जिसमें देश के कोने-कोने से लोग चुनाव आयोग के खिलाफ आवाज उठाने आएंगे, उस आंदोलन के नाम से ही सरकार घबराई हुई है। सरकार चलाने वाले लोग रात को सो नहीं रहे हैं कि 10 अक्टूबर को क्या होगा और उसके लिए सरकार ने कुछ योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि हमें बार-बार कुछ लोगों के संदेश आ रहे हैं कि अलग-अलग संस्थाओं के जो भी लोग इस पूरे आंदोलन से जुड़े हुए हैं, उन पर पुलिस बहुत जल्द गंभीर कार्यवाही करने वाली है और उनको अलग-अलग झूठे मुकदमों में गिरफ्तार किया जाएगा। मगर यह आंदोलन उन नेताओं से बड़ा है। यह आंदोलन किसी भी राजनीतिक पार्टी या संस्था से बड़ा है। यह आंदोलन 140 करोड़ देशवासियों का आंदोलन है, इसलिए गिरफ्तारी चाहे किसी की भी हो जाए, यह आंदोलन रुकना नहीं चाहिए। सौरभ भारद्वाज ने सभी नेताओं और संस्थाओं से कहा कि सभी अपना बैकअप प्लान तैयार करें। मान लीजिए कि 6 अक्टूबर को सभी की पहली पंक्ति के नेता कई महीनों के लिए गिरफ्तार हो जाते हैं, तो दूसरी पंक्ति के नेता कौन होंगे। अगर दूसरी पंक्ति के नेता भी गिरफ्तार होते हैं, तो तीसरी पंक्ति के नेता कौन होंगे। बात सिर्फ शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी की नहीं है, सभी के मध्यम और निचले स्तर के नेताओं को भी गिरफ्तार किया जा सकता है। 10 अक्टूबर के प्रदर्शन से एक दिन पहले यानी 9 अक्टूबर को हो सकता है कि सभी के जिला और विधानसभा स्तर के नेताओं को हिरासत में ले लिया जाए। ऐसे में संचार कैसे होगा, संदेश कैसे पहुंचेगा और उन लोगों के लिए संदेश कौन लेकर जाएगा, इस सबकी तैयारी तमाम संस्थाओं को करनी चाहिए। सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि दूसरी और सबसे जरूरी बात यह है कि जब कोई नेता किसी प्रदर्शन में मौजूद होता है, तो वह पुलिस और प्रशासन के साथ बात करता है और प्रदर्शन को शांतिपूर्ण रखता है। बिना नेता के प्रदर्शन को शांतिपूर्ण रखना मुश्किल हो जाता है और यह दुस्साहस यह सरकार करने जा रही है। इसके बावजूद कोशिश यह रहनी चाहिए कि यह प्रदर्शन पूरी तरह से लोकतांत्रिक, संवैधानिक, कानूनी और शांतिपूर्ण रहे। इसलिए एक नेतृत्व के बाद दूसरा नेतृत्व मौजूद होना चाहिए जो इस पूरे प्रदर्शन की कमान भी संभाले और इसे शांतिपूर्ण भी रखे। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सभी के व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम अकाउंट भी ब्लॉक हो सकते हैं। ऐसे में सभी की बातचीत का माध्यम क्या होगा, व्हाट्सएप की जगह सिग्नल का इस्तेमाल होगा या टेलीग्राम का, इस पर भी सभी को सोचना पड़ेगा। यह वक्त हर चीज का बैकअप प्लान तैयार रखने का है। सभी लोग प्लान बी और प्लान सी तैयार रखें। यह सबसे बड़ा आंदोलन है और इसी आंदोलन से इस देश को, इसकी राजनीति को, इसके प्रजातंत्र को और इसके संविधान को बचाया जा सकता है।

गिरफ्तारी की आशंका के बीच अभिजीत दीपके बोले- हर चुनौती झेलेंगे, आंदोलन नहीं रुकेगा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में 10 अक्टूबर को प्रस्तावित कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन से पहले संगठन के नेताओं ने संभावित गिरफ्तारी को लेकर आशंका जताई है। संगठन के सह-संयोजक सौरभ दास और आशुतोष रांका ने दावा किया है कि उन्हें तथा संयोजक अभिजीत दीपके को प्रदर्शन से पहले हिरासत में लिया जा सकता है। वहीं अभिजीत दीपके ने कहा है कि वह जेल जाने समेत हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं, लेकिन लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। सौरभ दास ने रविवार देर रात सामाजिक माध्यम पर एक संदेश जारी कर दावा किया कि सरकार उन्हें, अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और संगठन के अन्य नेताओं को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार यह मानती है कि गिरफ्तारी के माध्यम से आंदोलन को दबाया जा सकता है तो यह उसकी भूल होगी। दास ने युवाओं से अपील की कि नेताओं की गिरफ्तारी की स्थिति में भी आंदोलन जारी रखा जाए। एनएसए के तहत गिरफ्तारी की आशंका का दावा कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने सोमवार को सौरभ दास की आशंका को आगे बढ़ाते हुए दावा किया कि उन्हें सूत्रों से जानकारी मिली है कि अभिजीत दीपके, सौरभ दास और उन्हें 10 अक्टूबर से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा कानून अथवा इसी प्रकार के किसी प्रावधान के तहत गिरफ्तार किया जा सकता है। रांका ने कहा कि वे जेल जाने से नहीं डरते और लंबे समय तक हिरासत में रखे जाने की स्थिति का सामना करने के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने सरकार पर आंदोलन को दबाने के लिए कठोर कार्रवाई का सहारा लेने का आरोप लगाया। रांका ने कहा कि वे बेहतर और अधिक जवाबदेह भारत की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि गिरफ्तारी, मारपीट या अन्य कार्रवाई भी उन्हें अपने आंदोलन से पीछे नहीं हटा सकती। हालांकि, गिरफ्तारी की तैयारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत संभावित कार्रवाई को लेकर नेताओं की ओर से किए गए इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अभिजीत दीपके ने कहा- हर परिस्थिति का सामना करेंगे सौरभ दास और आशुतोष रांका की ओर से गिरफ्तारी की आशंका जताए जाने के बाद अभिजीत दीपके ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर को बड़ी संख्या में लोग सामने आएंगे और केवल कुछ नेताओं को गिरफ्तार करके आंदोलन को समाप्त नहीं किया जा सकता। दीपके ने कहा कि यदि सरकार यह मानती है कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून, गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून या जेल की कार्रवाई से उन्हें डराया जा सकता है तो ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वे महीनों तक जेल में रहने के लिए तैयार हैं, लेकिन लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने अपने आंदोलन को शांतिपूर्ण और अहिंसक बताते हुए कहा कि वे महात्मा गांधी के बताए रास्ते पर चलते हुए विरोध जारी रखेंगे। दीपके के अनुसार, सरकारी दबाव और डराने की कोशिशों के बावजूद आंदोलन जारी रहेगा। 10 अक्टूबर के प्रदर्शन को लेकर बढ़ी राजनीतिक हलचल कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर दिल्ली में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। संगठन के नेता मुख्य चुनाव आयुक्त से जुड़े विभिन्न मुद्दों और चुनाव सुधारों को लेकर सरकार तथा चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाते रहे हैं। संगठन के नेताओं का कहना है कि प्रस्तावित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। इसी बीच नेताओं की संभावित गिरफ्तारी को लेकर उनके बयानों ने प्रदर्शन से पहले राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया है।

अपराधियों में डर पैदा करने की जरूरत, दिल्ली में रेप की घटनाओं पर सख्त सुप्रीम कोर्ट, पुलिस को दिए निर्देश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में रेप की हालिया घटनाओं पर सख्ती दिखाते हुए दिल्ली पुलिस को अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि आपको अपराध करने की सोच रखने वाले व्यक्ति के मन में डर पैदा करना होगा। दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते रेप और दुष्कर्म के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। सोमवार को इसी ह्वसुओ मोटोह्ल मामले में जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि जरूरत पड़ने पर वे सख्त रुख अपनाएं। कोर्ट ने टिप्पणी की कि ऐसे लोग भी होंगे जो आर्टिकल 21 की बात करेंगे, यानी वे मानवाधिकार समूह जो अपराधियों के साथ बुरे बर्ताव का विरोध करते हैं। कोर्ट ने कहा कि अधिकारी ऐसे समूहों की परवाह किए बिना, रेप जैसे घिनौने अपराध करने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकते हैं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि जब तक आप अपराधियों के मन में यह डर पैदा नहीं करते कि ह्यअगर हमने ऐसा कुछ किया तो मारे जाएंगे, तब तक आप ऐसे अपराधों को रोक नहीं पाएंगे। आपको ऐसे अपराध करने की सोच रखने वाले व्यक्ति के मन में डर पैदा करने की जरूरत है। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा, ह्लदुर्गा पूजा और दिवाली जैसी छुट्टियों के दौरान, ये बदमाश और गुंडे अधिक सक्रिय हो जाते हैं। आपको उनके मन में डर पैदा करना होगा। उन्हें पकड़कर जेल में डालना ही एकमात्र समाधान नहीं है। अफसरों, हालात के मुताबिक अपनी जिम्मेदारी निभाएं। हमें निराश न करें। छेड़छाड़ या रेप का शिकार होने वाली हर महिला और लड़की हमारी बहन और मां के समान है। अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इसे एक चुनौती के तौर पर लें। ऐसी घटनाओं को न होने दें।ह्व सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से एनसीआर क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए एक एफिडेविट फाइल करने को कहा। मामले में 16 नवंबर को अगली सुनवाई होगी।

135 साल पुरानी लाइब्रेरी को हटाने पर केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली में 135 साल पुरानी केंद्रीय सचिवालय लाइब्रेरी को दूसरी जगह स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। शास्त्री भवन में स्थित इस लाइब्रेरी में 8.5 लाख से अधिक किताबें हैं और सेंट्रल विस्टा प्लान के तहत इस भवन को गिराने का प्रस्ताव है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ ने सरकार से इस लाइब्रेरी के लिए तय की जाने वाली जगह का असली लेआउट प्लान सहित अन्य जानकारी पेश करने का निर्देश दिया है। पीठ ने इस लाइब्रेरी को कहीं अन्य स्थानांतरित करने की खबरों पर संज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब मांगा है। खबरों के मुबातिक नए सेंट्रल विस्टा प्लान में इसके लिए कोई जगह नहीं दी गई है। पीठ ने स्वतः संज्ञान लेकर 135 साल पुरानी लाइब्रेरी, 8.5 लाख किताबें-और नए सेंट्रल विस्टा प्लान में कोई जगह नहींह्ल शीर्षक से मामले की सुनवाई शुरू की है।पीठ ने केंद्र सरकार की ओर पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से पूछा कि आप इस लाइब्रेरी के लिए अब कौन सी जगह देने की योजना बना रहे हैं? भाटी ने कहा लाइब्रेरी के पास अभी 4,144 वर्ग मीटर जगह है और अब इसे लगभग 5,200 वर्ग मीटर जगह दी जाएगी। जस्टिस कुमार ने कहा कि आप कर्तव्य भवन में दो कमरे दे रहे हैं, बस इतना ही? इस पर सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भाटी ने कहा कि मामला सामने आने के बाद उन्होंने इस मुद्दे पर निर्देश लिए और सेंट्रल विस्टा के डायरेक्टर भी कोर्ट में मौजूद हैं। पीठ ने कहा कि सिर्फ निर्देशों से काम नहीं चलेगा। बेहतर होगा कि आप एक सही हलफनामा दाखिल करें। पीठ ने कहा कि ह्यमौजूदा लाइब्रेरी के पास लगभग 5,000 वर्ग मीटर जगह है। अब आप कितनी जगह देने की योजना बना रहे हैं? इसमें आर के पुरम में रखी दो लाख किताबों को शामिल नहीं किया गया है। पीठ ने कहा कि ह्यहलफनामा दाखिल किया जाए, हमें हमें पूरी योजना के बारे में पता होना चाहिए।ह्ल अब मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता हरिप्रिया पद्मनाभन को मामले में न्याय मित्र के तौर पर अदालत की मदद करने का आग्रह किया है।

दिल्ली में रानी झांसी फ्लाईओवर पर व्यापारी से 19.50 लाख लूटने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। रानी झांसी फ्लाईओवर पर 30 सितंबर को 2 अलग-अलग बाइक पर सवार बदमाशों ने एक बाइक पर जा रहे दो लोगो से करीब 19.50 लाख रुपए कैश की लूटपाट की थी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लूटे हुए 9 लाख रुपये और लूट के पैसों से खरीदा गया एक आईफोन बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित चांदनी चौक में एक व्यापारी के काम करते थे और कैश लेकर चांदनी चौक से निकले थे। चांदनी चौक में ही काम करने वाले एक शख्स ने इनकी रेकी की और गाजियाबाद के अपने 4 साथियों के साथ लूट की प्लानिंग की। पहले कश्मीरी गेट पर पीड़ित की बाइक रोककर उनके साथ मारपीट करके लूटपाट करने की कोशिश की लेकिन पब्लिक की मदद से ये बच गए। इसके बावजूद पीसीआर को कॉल नहीं की। इसके बाद आगे रानी झांसी फ्लाईओवर पर इनके साथ फिर मारपीट की गई और लूटपाट को अंजाम दिया गया। नॉर्थ दिल्ली की डीसीपी निहारिका भट्ट की अगुवाई वाली पुलिस टीम ने जांच और टेक्निकल सर्विलांस के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 9 लाख रुपये से अधिक नकद और लूटे गए पैसों से खरीदा गया एक आईफोन बरामद किया है। लूट में शामिल अन्य साथियों को गिरफ्तार करने और बाकी लूटी गई नकदी बरामद करने की कोशिशें जारी हैं। वहीं, उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला की स्पेशल स्टाफ की टीम ने उस्मानपुर यमुना खादर में देर रात मुठभेड़ के दौरान 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया। इस मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी हैं, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान वसीम और कैफ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों अपराधियों ने 2 अक्टूबर को भजनपुरा क्षेत्र में एक व्यापारी से रंगदारी मांगी थी। साथ ही, उन्होंने हवाई फायरिंग की थी। इसके बाद दोनों अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। यह दोनों आरोपी लॉरेंस बिश्नोई और रसीद केवल गैंग से ताल्लुक रखते हैं।

बांसुरी स्वराज ने दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज और नेता दर्शना जरदोश ने ह्यसेवा संकल्पह्ल अभियान के तहत सोमवार को दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर एक मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ह्यसेवा संकल्पह्ल अभियान के तहत आज दिल्ली प्रदेश भाजपा ने दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर, यह सेवा कैंप लगाया है। बांसुरी स्वराज ने सभी से यहां आकर इस हेल्थ चेक-अप कैंप का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी विकास नीतियों के जरिए एक विकसित भारत के साथ-साथ एक स्वस्थ भारत का भी सपना देखा है और इसलिए स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कई नीतियां लेकर आए चाहे वह जन औषधि केंद्र खोलना हो या आयुष्मान भारत जैसी हेल्थ एश्योरेंस स्कीम लाना हो जो दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम है और जिसके तहत लाभार्थियों को पांच लाख रुपये तक का मुफ़्त इलाज मिलता है, चाहे गर्भवती माताओं और बहनों का ध्यान रखने वाली मातृ वंदना योजना हो, या भारत में मैटरनिटी लीव को 12 हफ्ते से बढ़ाकर 26 हफ्ते करना हो ये सभी नीतियां लेकर आए। बांसुरी स्वराज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे लंबे समय तक जन प्रतिनिधि के तौर पर ह्यमां भारतीह्ल की सेवा की है।

दिल्ली के रंजीत नगर में एसआईआर को लेकर विशेष कैंप बीएलओ और अधिकारी कर रहे समस्याओं का समाधान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के रंजीत नगर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विशेष कैंप लगाया गया है। कैंप में मतदाता सूची और एसआईआर से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। यहां पहुंचने वाले लोगों के दस्तावेजों की जांच बीएलओ और संबंधित कर्मचारियों की ओर से की जा रही है। मतदाता सूची में नाम, पता या अन्य जानकारी में सुधार से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोगों को मौके पर ही जरूरी जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। कैंप में लोगों को एसआईआर की प्रक्रिया, फॉर्म भरने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा, बीएलओ से एसआईआर की प्रक्रिया, लोगों की प्रमुख समस्याओं और उनके समाधान को लेकर बातचीत भी की जा रही है। प्रशासन की ओर से लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए सहायता दी जा रही है कि प्रक्रिया के दौरान पात्र मतदाताओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। एआरओ शिवकुमार शर्मा ने बताया कि एसआईआर को लेकर पहले से ही तैयारी की गई थी। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त से 30 सितंबर तक फॉर्म 6 और 7 भरने की प्रक्रिया निर्धारित थी, लेकिन लोगों की सुविधा को देखते हुए इसकी समय सीमा बढ़ा दी गई है। अब लोग 30 अक्टूबर तक अपना फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद 30 नवंबर तक संबंधित प्रक्रिया पूरी की जाएगी और 4 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाना है, उन्हें फॉर्म 6 दिया जाता है। बीएलओ और कर्मचारी फॉर्म भरने में भी लोगों की मदद कर रहे हैं। वहीं, फॉर्म 7 का इस्तेमाल मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है या कोई मतदाता किसी दूसरी जगह चला गया है, तो ऐसे मामलों में भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म 7 का इस्तेमाल किया जाता है। शिवकुमार शर्मा ने बताया कि फॉर्म 8 का इस्तेमाल मतदाता सूची में पहले से दर्ज जानकारी में संशोधन के लिए किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपना नाम एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कराना चाहता है या उसके नाम, पते अथवा अन्य जानकारी में बदलाव की आवश्यकता है, तो फॉर्म 8 के माध्यम से यह प्रक्रिया पूरी की जाती है। इसके लिए संबंधित जानकारी का प्रमाण भी देना होता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल कैंप में आने वाले लोगों को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है और प्राप्त होने वाले सभी फॉर्म पर नियमानुसार काम किया जा रहा है। प्रशासन की कोशिश है कि लोगों को एसआईआर की प्रक्रिया को समझने और उसे पूरा करने में हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। अधिकारियों के मुताबिक, एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान घर-घर जाकर भी मतदाताओं के सत्यापन और फॉर्म से जुड़ी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जिन लोगों को घर पर प्रक्रिया पूरी करने में किसी तरह की समस्या आ रही है या जिन्हें एसआईआर से जुड़ी जानकारी समझने में कठिनाई हो रही है, उनकी सहायता के लिए विशेष कैंप लगाया गया है। लोग कैंप में पहुंचकर अपनी समस्या बता सकते हैं और संबंधित कर्मचारियों से जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जरूरत पड़ने पर लोगों को फोन के माध्यम से भी जानकारी दी जा रही है और उनकी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि किसी मतदाता की मृत्यु हो चुकी है या कोई व्यक्ति किसी अन्य स्थान पर चला गया है, तो ऐसे मामलों के लिए भी निर्धारित प्रावधान के तहत कार्रवाई की जा रही है। फॉर्म में दी गई जानकारी और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर ऐसे मामलों को भी एसआईआर की प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। कैंप में पहुंचे राहुल ने बताया कि दस्तावेजों से जुड़ी कुछ समस्याएं थीं, जिसके कारण उन्हें कैंप में आना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से लोगों की सुविधा के लिए जो व्यवस्था की गई है, वह अच्छी है। उन्हें एसआईआर को लेकर कुछ जानकारी चाहिए थी और कुछ दस्तावेजों से संबंधित परेशानियां भी थीं। कैंप में आने के बाद कर्मचारियों ने उनकी बात सुनी और पूरी प्रक्रिया समझाई, जिससे अब उन्हें काफी आसानी हो गई है। वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि एसआईआर को लेकर उन्हें कुछ समस्याएं थीं लेकिन कैंप में आने के बाद उनका समाधान हो गया।

दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई और रसीद केवल गैंग से जुड़े दो अपराधियों को मुठभेड़ के बाद किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला की स्पेशल स्टाफ की टीम ने उस्मानपुर यमुना खादर में देर रात मुठभेड़ के दौरान 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया। इस मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी हैं, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के बारे में उत्तर पूर्वी दिल्ली की स्पेशल स्टाफ की टीम को जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत उस्मानपुर यमुना खादर में जाल बिछाया। इन दोनों को आते हुए देखा, तो रुकने का इशारा किया गया। हालांकि, आरोपियों ने भागने की कोशिश करते हुए पुलिस पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की। इसमें दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगीं। इसके बाद पुलिस ने दोनों अपराधियों को अपनी हिरासत में ले लिया और घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान वसीम और कैफ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों अपराधियों ने 2 अक्टूबर को भजनपुरा क्षेत्र में एक व्यापारी से रंगदारी मांगी थी। साथ ही, उन्होंने हवाई फायरिंग की थी। इसके बाद दोनों अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

Notice

I, Army No: 9926781A, Hav. Tashi Tundup S/o Tsering Nurbu R/o Khasar, Zanskar, Ladakh UT, Unit 2 Ladakh Scouts C/o 56 APO do hereby inform that my mother's name has been wrongly recorded in my Service Record as Yangchan Dolma instead of Yangchan Putit. That my mother's actual and correct name is Yangchan Putit. Now, I am applying for said correction in my Service Record. Objection, if any, conveyed within seven days of this publication.

दिल्ली हाईकोर्ट ने भड़काऊ भाषण मामले में परवेश वर्मा, कपिल मिश्रा और अन्य के खिलाफ दाखिल याचिका की खारिज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2019 जामिया हिंसा और 2020 दिल्ली दंगों के दौरान कथित भड़काऊ भाषण से जुड़े मामले में दिल्ली सरकार में मंत्री परवेश वर्मा और कपिल मिश्रा को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और मनोज जैन की खंडपीठ ने सोमवार को यह फैसला दिया। याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर परवेश वर्मा, कपिल मिश्रा और अन्य लोगों के खिलाफ कथित भड़काऊ भाषण के लिए एफआईआर की मांग की थी। शेख मुजतबा फारूक ने भाजपा नेताओं कपिल मिश्रा, अनुराग ठाकुर, प्रवेश वर्मा और अभय वर्मा के भाषणों को लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई थी। आरोप है कि इन भाषणों ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगे भड़काए, जिनमें 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। अन्य याचिकाओं में, जिनमें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) की नेता वृंदा करात और जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिकाएं शामिल हैं, दंगों में दिल्ली पुलिस की भूमिका की अदालत की निगरानी में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से जांच की मांग की गई थी। पुलिस पर दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ मार्च के दौरान जामिया मिलिया इस्लामिया में कथित ज्यादती के आरोप लगाए गए थे। जामिया मामलों में छात्रों ने आरोप लगाया था कि विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उनके साथ मारपीट की थी। एक याचिकाकर्ता ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का भी रुख किया था। याचिकाओं में स्वतंत्र जांच और कुछ मामलों में जांच को दिल्ली पुलिस से किसी बाहरी एजेंसी को सौंपने की मांग की गई थी। उधर, ह्यलॉयर्स वॉइसह्ल की ओर से दायर एक अन्य याचिका में राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मनीष सिसोदिया, असदुद्दीन ओवैसी सहित कई विपक्षी नेताओं और साथ ही एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई थी।

मुख्यमंत्री ने लोक नायक अस्पताल में सखी वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को लोक नायक अस्पताल में सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर सुविधाओं, सेवाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सहायता के लिए आने वाली प्रत्येक पीड़ित महिला की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यहां हिंसा से पीड़ित महिलाओं और बच्चियों को एक ही स्थान पर पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा, सामाजिक एवं कानूनी परामर्श और अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में दिल्ली की हर बेटी के साथ सरकार पूरी संवेदनशीलता और शक्ति के साथ खड़ी है।

Notice

I, Army No: 9926781A, Hav. Tashi Tundup S/o Tsering Nurbu R/o Khasar, Zanskar, Ladakh UT, Unit 2 Ladakh Scouts C/o 56 APO do hereby inform that my mother's name has been wrongly recorded in my Service Record as Yangchan Dolma instead of Yangchan Putit. That my mother's actual and correct name is Yangchan Putit. Now, I am applying for said correction in my Service Record. Objection, if any, conveyed within seven days of this publication.

Notice

I, Army No: 9926807K, Hav. Skalzang Dorjai S/o Punchok Angchok R/o Basgo, Leh-Ladakh UT, Unit 2 Ladakh Scouts C/o 56 APO do hereby inform that my mother's name has been wrongly recorded in my Service Record as Ponchok Dolma instead of Punchok Dolma. That my mother's actual and correct name is Punchok Dolma. Now, I am applying for said correction in my Service Record. Objection, if any, conveyed within seven days of this publication.

Notice

I, Army No: 9926795A, Hav. Kuncok Yontan of Unit 2 Ladakh Scouts C/o 56 APO do hereby inform that my father's name and D.O.B has been wrongly recorded in my Service Record as Regzin Namgial, D.O.B: 30-10-1952 instead of Regzin Namgyail D.O.B: 02-10-1960. That my father's actual and correct name is Regzin Namgyail and his correct D.O.B is 02-10-2026. Now, I am applying for said corrections in my Service Record. Objection, if any, conveyed within seven days of this publication.

राष्ट्रीय दैनिक प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, मंगलवार, 06 अक्टूबर, 2026

संक्षिप्त खबरें

हर्ष मल्होत्रा ने गुरु नानक देव और रानी दुर्गावती को किया नमन

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के ज्योति-जोत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव ने मानव समानता, प्रेम, करुणा और निःस्वार्थ सेवा का संदेश देकर समाज को नई दिशा प्रदान की। मल्होत्रा ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा कि गुरु नानक देव की पावन वाणी और जीवन-दर्शन आज भी पूरी मानवता को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। एक अन्य पोस्ट में मल्होत्रा ने महान वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए रानी दुर्गावती ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका सर्वोच्च त्याग, शौर्य और स्वाभिमान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

गया के लिए चलेगी विशेष रेलगाड़ी

नई दिल्ली। यात्रियों की सुविधा के लिए आनंद विहार टर्मिनल से गया जंक्शन के बीच विशेष रेलगाड़ी का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 02397 गया जंक्शन से प्रत्येक रविवार (29 नवंबर तक) को दोपहर 2.15 बजे चलकर अगली सुबह 11.40 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 02398 आनंद विहार से प्रत्येक सोमवार (30 नवंबर तक) को दोपहर 1.30 बजे चलकर अगली सुबह 11.15 बजे गया पहुंचेगी।

मंकी कैप पहने हमलावर ने महिला को घर में घुसकर मारी गोली

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुर डबास इलाके में सोमवार सुबह 32 वर्षीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मनीषा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मंकी कैप पहने हमलावर ने पहले महिला पर गोली चलाई। जान बचाने के लिए मनीषा पड़ोसी के घर में घुस गई, लेकिन हमलावर पीछा करते हुए वहां पहुंच गया और उन्हें गोली मार दी। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 9:15 बजे गोली चलने की सूचना मिली थी। गंभीर रूप से घायल मनीषा को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी स्कूटी से फरार हो गया। चेहरा ढका होने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने के साथ आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी के कई प्रतिष्ठित स्कूलों को सोमवार सुबह एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। धमकी की सूचना मिलते ही स्कूल प्रबंधकों ने तुरंत बच्चों को बाहर निकाला और पुलिस व फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस, बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और दमकल की गाड़ियां स्कूलों में पहुंचीं और सघन जांच शुरू की। हालांकि, शुरूआती जांच में अब तक कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। सोमवार तड़के भेजे गए थे ईमेलपुलिस सूत्रों के मुताबिक लुटियंस दिल्ली और दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के कई स्कूलों को सोमवार तड़के ही धमकी भरे मेल भेज दिए गए थे, लेकिन स्कूल प्रशासनों ने इन्हें सुबह 11 से 12 बजे के बीच देखा। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, उनके कंट्रोल रूम में दोपहर करीब 12:30 बजे वसंत विहार से एक कॉल मिली, जिसके तुरंत बाद दमकल की गाड़ियों और जवानों को मौके पर रवाना किया गया। धमकी पाने वाले स्कूलों में लोधी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय और वसंत विहार स्थित चिन्मय विद्यालय समेत लुटियंस दिल्ली के कई अन्य नामचीन स्कूल शामिल हैं।

प्रदर्शन की अनुमति संबंधी याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें दिल्ली पुलिस को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अनुमति देने का आदेश देने की मांग की है। दिल्ली पुलिस ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों के मुद्दे पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख करते हुए याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि दिल्ली पुलिस दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन की अनुमति नहीं दे रही है, जिसमें छात्रों, नागरिकों, राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और संसद सदस्यों के विरोध-प्रदर्शन शामिल हैं।

छात्र छात्राओं की सुरक्षा पर एलजी की सख्ती विश्वविद्यालयों कुलपति सहित सभी एजेंसियों की बैठक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। छात्राओं की सुरक्षा को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार टीएस संधू ने सोमवार को दिल्ली सरकार के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में दिल्ली पुलिस, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), नगर निगम, शिक्षा और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। उपराज्यपाल ने कहा कि कैंपस की सुरक्षा विश्वविद्यालय के गेट तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि छात्रों के आने-जाने के रास्तों, सार्वजनिक परिवहन के स्थानों और उनके नियमित इस्तेमाल वाली अन्य जगहों तक होनी चाहिए। बैठक में विश्वविद्यालयों से उनके आसपास छात्रों की सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं बताने को कहा गया। इसमें शाम के समय अंधेरे और सुनसान रास्ते, खराब सीसीटीवी कैमरे, अपर्याप्त स्ट्रीट लाइट, मेट्रो संपर्क की समस्या, यातायात जाम, पार्किंग, सुरक्षा कर्मचारियों की कमी, कैंपस के पास शराब की दुकानें, ई-रिक्शा, खुले मूत्रालय, डीडीए पार्क और खाली भूखंडों में बढ़ी वनस्पति, टूटी चारदीवारी और कैंपस में अलग पिंक बूथ की जरूरत जैसे मुद्दे सामने आए। इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उपराज्यपाल ने सुरक्षित और भयमुक्त शैक्षणिक माहौल बनाने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के बीच लगातार और बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने कहा कि छात्रों की सुरक्षा केवल विश्वविद्यालय परिसर तक सीमित नहीं रह सकती। उपराज्यपाल ने पुलिस को पैदल, मोटरसाइकिल और पीसीआर की नियमित गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। संवेदनशील रास्तों, सुनसान गलियों, पार्कों और कम रोशनी वाले स्थानों की पहचान कर वहां महिला पुलिसकर्मियों की स्पष्ट मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सुरक्षा उपायों को सुलभ बनाया जाना विश्वविद्यालयों और छात्रावास प्रभारियों के साथ डीसीपी, एसीपी, थाना प्रभारी और बीट अधिकारियों को नियमित संपर्क रखने को कहा गया। पीछा करने, उत्पीड़न, छेड़छाड़ और संदिग्ध लोगों से जुड़ी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मेट्रो स्टेशन, बस स्टॉप, ई-रिक्शा और ऑटो स्टैंड तथा छात्रों के इस्तेमाल वाले कैब पिकअप स्थानों पर भी सुरक्षा मजबूत करने को कहा गया। एक्शन बॉडी का गठन विश्वविद्यालयों और संस्थानों को डीन, शिक्षक, छात्र और छात्रावास वार्डन को शामिल कर ह्यएक्शन बॉडीह्ब बनाने के निर्देश दिए गए। इसका उद्देश्य छात्रों की शिकायतों की समय पर जानकारी लेने, उन्हें दर्ज करने और समाधान करने के लिए भरोसेमंद व्यवस्था तैयार करना है। छात्रों को घटनाओं की तत्काल जानकारी देने, जरूरत पड़ने पर फोटो या वीडियो उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा गया। विश्वविद्यालयों को छात्रों से नियमित रूप से फीडबैक लेने के निर्देश भी दिए गए। छात्रों के लिए अंतिम छोर तक परिवहन सुविधा मजबूत करने के लिए यू-स्पेशल और लेडीज स्पेशल बसों की संख्या और फेरे बढ़ाने के निर्देश दिए गए। मेट्रो स्टेशनों से आने-जाने वाली बसों की सेवा खासकर सुबह आठ से 11 बजे और शाम पांच से आठ बजे के बीच बढ़ाने को कहा गया। बैटरी रिक्शा और ऑटो को नियंत्रित करने तथा मेट्रो सारथी, वन दिल्ली ऐप और दुर्गा योजना के बारे में छात्रों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। पीजी सत्यापन की आवश्यकता विश्वविद्यालय परिसरों में पर्याप्त छात्रावास उपलब्ध नहीं होने के कारण पीजी की जरूरत को देखते हुए उपराज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को पीजी के रूप में इस्तेमाल हो रहे इलाकों और मकानों का पंजीकरण कराने को कहा। इनका दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर सत्यापन किया जाएगा। बैठक में साइबर स्टॉकिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न, फर्जी प्रोफाइल और वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने तथा छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कराने के निर्देश दिए गए। हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार और आपातकालीन कॉल पर कार्रवाई की स्पष्ट व्यवस्था बनाने को भी कहा गया।

महिला पत्रकारों की शिकायतों पर राहुल गांधी ने दिल्ली पुलिस को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जंतर-मंतर पर हालिया विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार और यौन उत्पीड़न की शिकायतों को लेकर दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सवाल पूछने वाली महिलाओं की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने साकेत थाने का पूरा सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने और शिकायतों में आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। तीन महिला पत्रकारों ने की शिकायत 3 अक्टूबर को नई दिल्ली क्षेत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर कथित मारपीट और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। दिल्ली पुलिस ने शिकायतें मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि उन्हें आगे की जांच के लिए अपराध शाखा को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतों के संबंध में चिकित्सकीय जांच भी कराई गई है। एक महिला पत्रकार ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान जब वह पुलिस कार्रवाई का दृश्य दर्ज कर रही थीं, तब एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें कथित रूप से गलत तरीके से छुआ और धक्का देकर पीछे किया। मामले की जांच फिलहाल जारी है और आरोपों की सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। राहुल गांधी ने उठाए कई सवाल राहुल गांधी ने सामाजिक माध्यम पर जारी संदेश में आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया और महिला प्रदर्शनकारियों ने पुरुष पुलिसकर्मियों पर दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। उन्होंने यह भी कहा कि महिला पत्रकारों के कैमरे छीने गए और उन्हें कथित रूप से घसीटा गया। राहुल गांधी ने साकेत थाने में हुई कथित घटनाओं का उल्लेख करते हुए वहां का पूरा सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी जिन लोगों पर है, उन्हीं पर महिलाओं के लिए खतरा बनने के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने दोषी पुलिसकर्मियों पर तत्काल कार्रवाई और पीड़ितों को न्याय देने की मांग भी की। दिल्ली पुलिस ने शिकायतें अपराध शाखा को सौंपीं दिल्ली पुलिस ने कहा है कि 3 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों पर कथित यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। नई दिल्ली जिला पुलिस को उनकी शिकायतें मिलीं और निष्पक्ष जांच के लिए उन्हें कमला मार्केट स्थित अपराध शाखा को सौंप दिया गया।

भजनपुरा में हत्या के प्रयास और फायरिंग मामले का खुलासा

नई दिल्ली। भजनपुरा इलाके में हत्या के प्रयास और फायरिंग के मामले को पुलिस ने सुलझाते हुए दो आरोपितों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान वेलकम निवासी जासिम उर्फ आलू (23) और कैफ उर्फ डीजे (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से तीन सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, 18 कारतूस और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान आरोपितों ने पुलिस टीम पर 12 गोलियां चलाईं। इनमें से दो गोलियां पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगीं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने 16 राउंड चलाए, जिसमें दोनों आरोपितों के पैर में गोली लगी और उन्हें दबोच लिया गया। पुलिस ने बताया कि दो अक्टूबर की रात करीब 2:43 बजे भजनपुरा थाना क्षेत्र के सुभाष विहार, उत्तर घोंडा की गली नंबर-16 में फायरिंग की सूचना मिली थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह बालकनी में आया तो दो युवक स्कूटी पर दिखाई दिए। दोनों के हाथ में पिस्टल थी और उन्होंने उसकी ओर और हवा में गोलियां चला दीं। गोलियां मकान की कांच की रेलिंग और बाहरी दीवार में लगीं। गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ। मामले में भजनपुरा थाने में हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष स्टाफ को आरोपितों की गिरफ्तारी की जिम्मेदारी दी गई। निरीक्षक अरविंद कुमार के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि फायरिंग में शामिल आरोपित नानकसर से तीसरे पुश्ता रोड, उस्मानपुर की ओर मोटरसाइकिल से आने वाले हैं। पुलिस ने वहां घेराबंदी की। रात करीब 2:45 बजे बिना नंबर की बाइक पर दो युवक आते दिखे। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। गिरफ्तार जासिम उर्फ आलू पर विशेष प्रकोष्ठ में आर्म्स एक्ट का एक मामला दर्ज है, जबकि कैफ का पूर्व आपराधिक रिकार्ड नहीं मिला है। पूछताछ में दोनों ने शिकायतकर्ता के घर पर फायरिंग करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने यह भी बताया कि राशिद उर्फ केबलवाला के कहने पर वारदात को अंजाम दिया था।

6 लाख छात्रों के लिए सुरक्षित पीजी सुनिश्चित करेगी नई पॉलिसी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में पीजी को सुरक्षित करने के लिए बनाई जा रही नई पॉलिसी को लेकर सोमवार को शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने विभिन्न पीजी मालिकों एवं मैनेजरों से मुलाकात की। इस बैठक में शिक्षा मंत्री ने पीजी संचालकों से छात्र सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की और उनका पक्ष जाना। उन्होंने कहा कि हर वर्ष देश के विभिन्न हिस्सों से छह लाख से अधिक छात्र दिल्ली आते हैं। इनमें से बड़ी संख्या पीजी आवासों में रहती है। उन्हें सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। इससे पहले आशीष सूद छात्रों से संवाद कर उनकी समस्या को लेकर जानकारी ले चुके हैं। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि राजधानी में छात्रों के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और सुव्यवस्थित आवास व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध है। पीजी आवासों के लिए व्यापक नियामक नीति तैयार करने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत उन्होंने सोमवार को पीजी मालिकों, संचालकों और प्रबंधकों के साथ परामर्श बैठक की। इसमें पीजी संचालन से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं, विभिन्न चुनौतियों तथा छात्रों की सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। आशीष सूद ने कहा की दिल्ली के सत्य निकेतन में हाल ही में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पीजी को विनियमित करने और उनके लिए नए कानून बनाने की प्रक्रिया जारी है। इसके लिए कुछ दिन पहले मैंने पीजी में रहने वाले छात्रों और निवासियों से संवाद कर उनकी चिंताओं को समझने का प्रयास किया था। वहीं सोमवार को मैंने पीजी संचालकों, मालिकों और प्रबंधकों से मुलाकात कर उनके दृष्टिकोण और समस्याओं को समझा। किसी भी नए कानून का मसौदा तैयार करने से पहले हमारी सरकार सभी संबंधित पक्षों के साथ संवाद और परामर्श कर रही है। हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली में लोगों, विशेषकर छात्रों को सुरक्षित, विश्वसनीय और उचित दरों पर पीजी आवास उपलब्ध हों। आशीष सूद ने कहा कि उन्होंने बीते 8 सितंबर को दिल्ली के विभिन्न विश्वविद्यालय क्षेत्रों में पीजी आवासों में रहने वाले छात्रों से सीधे संवाद किया था। इस दौरान छात्रों ने मनमाने बिजली शुल्क, अधिक किराया, सुरक्षा की कमी तथा बिना सत्यापन वाले मकान मालिकों सहित कई प्रमुख समस्याएं सामने रखीं। वहीं 15 सितंबर को उच्चस्तरीय समिति की बैठक में मानकीकृत किराया अनुबंध, पीजी पंजीकरण के लिए पोर्टल, भवन एवं अग्नि सुरक्षा ऑडिट तथा उचित किराया निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण उपायों पर चर्चा हो चुकी है।

जंतर-मंतर पर बिना नेमप्लेट ड्यूटी, सुरक्षा का हवाला देकर पुलिस ने बताई वजह

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर हालिया विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के कई कनिष्ठ पुलिसकर्मी बिना नाम-पट्टिका के ड्यूटी करते नजर आए। अधिकारियों के अनुसार, इसके पीछे पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता थी। आशंका जताई गई कि पहचान सार्वजनिक होने के बाद जवानों को सामाजिक माध्यमों पर निशाना बनाया जा सकता है और विवाद का असर उनके परिवार के सदस्यों तक भी पहुंच सकता है। हालांकि, नाम-पट्टिका नहीं होने को लेकर पुलिस की जवाबदेही और पहचान स्पष्ट रखने के सवाल भी उठे हैं। 20 जुलाई की घटना के बाद बदला तरीका अधिकारियों के अनुसार, 20 जुलाई को हुए एक प्रदर्शन के बाद भीड़ नियंत्रण में तैनात कुछ पुलिसकर्मियों की पहचान सामाजिक माध्यमों पर सामने आई थी। इसके बाद कथित तौर पर कुछ जवानों को निशाना बनाया गया। पुलिस अधिकारियों की चिंता थी कि किसी कनिष्ठ पुलिसकर्मी की पहचान सार्वजनिक होने पर उसके परिवार के सदस्यों को भी विवाद और ऑनलाइन उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता है। इसी पृष्ठभूमि में जंतर-मंतर पर तैनात कुछ कनिष्ठ पुलिसकर्मियों को बिना दिखाई देने वाली नाम-पट्टिका के ड्यूटी करने की अनुमति दी गई। हालांकि, इस संबंध में सामने आई खबरों में पुलिस अधिकारियों के बीच निर्देशों को लेकर अलग-अलग जानकारी भी सामने आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने कहा कि नाम-पट्टिका नहीं लगाने का कोई आदेश नहीं दिया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों ने पहनी नाम-पट्टिका जंतर-मंतर पर तैनाती के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों की स्थिति अलग रही। कई वरिष्ठ अधिकारी नाम-पट्टिका लगाए हुए दिखाई दिए। पुलिस के अनुसार, कुछ जवान विशेष जांच या खुफिया प्रकृति की जिम्मेदारियों से जुड़े होते हैं और उनकी ड्यूटी की प्रकृति अलग हो सकती है। पुलिस की वर्दी संबंधी व्यवस्था में नाम-पट्टिका का प्रावधान दिल्ली पुलिस के स्थायी आदेश संख्या 51 में वर्दी संबंधी नियम निर्धारित हैं। आदेश में वर्दी के हिस्से के रूप में हिंदी और अंग्रेजी में सफेद अक्षरों वाली काली पृष्ठभूमि की प्लास्टिक नाम-पट्टिका का उल्लेख किया गया है। दिल्ली पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर स्थायी आदेश संख्या 51 उपलब्ध है।

बहादुरगढ़ में प्रो. हंसराज सुमन का भव्य सम्मान समारोह, बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बुद्धम शरणम गच्छामि एजुकेशन सोसायटी (रजि.) के तत्वावधान में ओमेक्स सिटी, बहादुरगढ़ में प्रसिद्ध शिक्षाविद, बहुजन चिंतक, मीडिया विश्लेषक एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर फेडरेशन फॉर सोशल जस्टिस (रजि.) के अध्यक्ष प्रो. हंसराज सुमन के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब सहित विभिन्न राज्यों से सामाजिक कार्यकताओं, शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं एवं अम्बेडकरवादी विचारधारा से जुड़े लोगों ने भाग लिया। समारोह की तैयारियों में कैप्टन अभिषेक, निदेशक, फौजी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड का विशेष योगदान रहा। सोसायटी के चेयरमैन चौधरी रणधीर सिंह एवं अध्यक्ष डॉ. फौजी इंडिया ने प्रो. हंसराज सुमन को 21 हजार रुपये की माला, पटका एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इसके पश्चात उपस्थित लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। समारोह स्थल ह्लजय भीम, जय फुले और तथागत भगवान बुद्धह्व के जयघोष से गूंज उठा। शिक्षाविद् श्याम सुंदर वर्मा एवं सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता बलराज मलिक का भी स्वागत कार्यक्रम में त्रिवेणी पब्लिक स्कूल, बहादुरगढ़ के श्याम सुंदर वर्मा अपनी धर्मपत्नी के साथ पहुंचे। डॉ. फौजी इंडिया ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसी अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री बलराज मलिक के कार्यक्रम में पहुंचने पर भी डॉ. फौजी इंडिया ने उनका जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए प्रो. हंसराज सुमन ने कहा कि तथागत भगवान बुद्ध, संत कबीर साहेब, महात्मा ज्योतिबा फुले और संविधान निमार्ता डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के लिए कार्य करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उनका प्रमुख उद्देश्य डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज में सामाजिक समरसता, समानता और बंधुत्व की भावना को मजबूत करना है। फेडरेशन समाज के अंतिम व्यक्ति तक अपनी आवाज पहुंचाने और उसकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेगा। प्रो. सुमन ने कहा कि हरियाणा एवं दिल्ली-एनसीआर में शिक्षा, रोजगार और आरक्षण से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा। विभिन्न सरकारी विभागों एवं संस्थानों में लंबे समय से खाली पड़े आरक्षित श्रेणी के पदों को भरवाना, बैकलॉग पदों को भरना तथा आरक्षण नीति का प्रभावी पालन सुनिश्चित करवाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग, स्कूल एवं कॉलेज छोड़ चुके विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की व्यवस्था तथा विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रिक्त आरक्षित श्रेणी के शिक्षक, प्रोफेसर एवं प्राचार्य पदों को विशेष भर्ती अभियान के माध्यम से भरवाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। प्रो. हंसराज सुमन ने बहादुरगढ़ में डॉ. भीमराव अम्बेडकर भवन के निर्माण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि बहादुरगढ़ एवं आसपास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में अम्बेडकरवादी लोग रहते हैं, इसलिए यहां अम्बेडकर भवन का निर्माण होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस विषय को लेकर वे जल्द ही हरियाणा के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल से मुलाकात कर क्षेत्र की स्थिति से अवगत कराएंगे। उन्होंने हरियाणा में दलितों पर होने वाले अत्याचारों को रोकने, पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने तथा आवश्यकतानुसार विशेष न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और समान अवसर सुनिश्चित किए बिना बहुजन समाज का समग्र विकास संभव नहीं है।

कफन ओढ़कर सड़कों पर उतरे एनएसयूआई कार्यकर्ता, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस के छात्र संगठन नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकताओं ने सोमवार को रायसीना रोड स्थित संगठन के मुख्यालय के बाहर अनूठे ढंग से विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने कफन ओढ़कर और गले में फूलों की माला डालकर सांकेतिक प्रदर्शन किया तथा सड़क पर लेटकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सरकार तथा चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में विभिन्न पोस्टर और बैनर थे, जिनमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई। कार्यकर्ताओं ने ह्यवोट की चोरी नहीं चलेगी, जनता की आवाज नहीं दबेगीह्व जैसे नारे लगाते हुए चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। कफन ओढ़कर जताया विरोधएनएसयूआई कार्यकताओं ने कफन और फूलों की माला के साथ सड़क पर लेटकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह प्रतीकात्मक प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकारों और मताधिकार की रक्षा की मांग को सामने रखने के लिए किया गया है। प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की भारी तैनाती रही और सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। एनएसयूआई का आरोप है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं और चुनाव आयोग को इन पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। संगठन ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने तथा मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। कई कार्यकर्ता हिरासत में प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने एनएसयूआई के कई कार्यकताओं को हिरासत में लिया। इसके बाद एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जनता के मत की आवाज उठाने पर पुलिस ने कार्यकताओं को रोका और हिरासत में लिया, लेकिन इससे उनका आंदोलन नहीं रुकेगा। विनोद जाखड़ ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई गिरफ्तारी या दमन से समाप्त नहीं होगी और मताधिकार की रक्षा तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। ज्ञानेश कुमार पर लगाए गंभीर आरोप प्रदर्शन के दौरान विनोद जाखड़ ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखे आरोप लगाए। उन्होंने उन्हें ह्यदेशद्रोहीह्व तक करार दिया और चुनाव प्रक्रिया में कथित ह्यवोट चोरीह्व का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग दोहराई। जाखड़ ने कहा कि यदि लोकतंत्र और मताधिकार को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने चुनाव आयोग से प्रदर्शनकारियों के सवालों का जवाब देने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। हालांकि, ये आरोप प्रदर्शनकारियों और एनएसयूआई नेताओं की ओर से लगाए गए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस रिपोर्ट में नहीं हुई है।

दिल्ली में महिलाओं के लिए पिंक कार्ड अनिवार्य, बिना कार्ड देना होगा किराया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली परिवहन निगम और समूह बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा को लेकर नियम स्पष्ट कर दिए हैं। अब दिल्ली की रहने वाली महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा का लाभ लेने के लिए पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल करना अनिवार्य होगा। यह नियम वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित दोनों प्रकार की बसों पर लागू होगा। जिन महिलाओं के पास पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड नहीं होगा, उन्हें सामान्य यात्रियों की तरह किराया देकर टिकट लेना पड़ेगा। यह सुविधा ट्रांसजेंडर यात्रियों पर भी लागू है। मार्च में शुरू हुआ था पिंक सहेली कार्ड पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड इसी वर्ष मार्च में शुरू किया गया था। राष्ट्रीय साझा गतिशीलता कार्ड पर आधारित इस व्यवस्था ने मुफ्त बस यात्रा के लिए इस्तेमाल होने वाले कागजी गुलाबी टिकटों का स्थान लिया है। परिवहन विभाग के अनुसार, महिलाओं को पहले ही सूचित किया गया था कि 30 सितंबर के बाद मुफ्त यात्रा के लिए स्मार्ट कार्ड अनिवार्य हो जाएगा। सरकार की ओर से अब भी महिलाओं को कार्ड की अनिवार्यता के बारे में जागरूक करने के लिए बसों और डिपो में घोषणाएं कराई जाएंगी। इसके साथ ही सामाजिक माध्यमों और समाचार पत्रों के जरिए भी जानकारी दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, अब तक करीब 19 लाख महिलाएं पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड बनवा चुकी हैं। जिन महिलाओं ने अभी तक कार्ड नहीं बनवाया है, वे इसे बनवा सकती हैं। मुफ्त यात्रा की व्यवस्था को आसान बनाने का दावा अधिकारियों का कहना है कि पिंक सहेली कार्ड को अनिवार्य करने से बसों में मुफ्त यात्रा की व्यवस्था अधिक आसान और पारदर्शी होगी। इससे यात्रा प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के साथ यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा भी बढ़ेगी। हालांकि, 30 सितंबर की समयसीमा बीतने के बाद भी कई महिलाओं में कार्ड को लेकर पूरी स्पष्टता नहीं है। कई बसों में बिना कार्ड यात्रा करने वाली महिलाएं परिचालकों से टिकट और मुफ्त यात्रा के नियमों की जानकारी लेती नजर आ रही हैं।

दिल्ली पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे दो फर्जी कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ, साइबर पुलिस स्टेशन और रंजीत नगर पुलिस ने रंजीत नगर में नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे दो फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों जगहों से पुलिस ने 13 कंप्यूटर सिस्टम और 5 मोबाइल फोन के साथ-साथ कॉलिंग सॉफ्टवेयर, नौकरी चाहने वालों का डेटा और डिजिटल, फाइनेंशियल सबूत जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि 3 सितंबर को दिल्ली के रंजीत नगर में शादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास लाल रतन बिल्डिंग से चल रहे दो संदिग्ध नकली जॉब-प्लेसमेंट, कॉलिंग सेंटरों के बारे में जानकारी मिली। इन दोनों कॉल सेंटर में बेरोजगारों से नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे लिए जा रहे थे। सच्चाई का पता लगाने और जरूरी कार्रवाई के लिए पुलिस की दो टीमें बनाई गईं। एक टीम में रंजीत नगर पुलिस स्टेशन और स्पेशल स्टाफ के लोग शामिल थे, जिन्होंने तकनीकी विश्लेषण और फील्ड वेरिफिकेशन के जरिए जानकारी को और पुख्ता किया। संदिग्ध नेटवर्क की तकनीकी जांच के दौरान, पता चला कि संदिग्ध जॉब-प्लेसमेंट गतिविधि से जुड़ी बहुत सारी कॉल उसी जगह से की जा रही थीं। तकनीकी जानकारी और फील्ड वेरिफिकेशन के आधार पर संदिग्ध जगह पर छापा मारा गया। छापे के दौरान चार महिलाएं और दो पुरुष मौजूद मिले और उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। ऑफिस की अच्छी तरह से तलाशी ली गई और नौकरी चाहने वालों से संपर्क करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कंप्यूटर सिस्टम, कॉलिंग एप्लिकेशन और डिजिटल सामग्री की जांच की गई। जांच में पता चला कि नौकरी चाहने वालों के डेटा और संपर्क विवरण का इस्तेमाल संभावित उम्मीदवारों से संपर्क करने और उन्हें नौकरी के अवसर देने के लिए किया जा रहा था। उम्मीदवारों से अलग-अलग पैकेज के तहत रजिस्ट्रेशन फीस जमा करने के लिए कहा जाता था। इसके बाद कॉलर कुछ दिनों तक नौकरी और आगे की औपचारिकताओं के बारे में भरोसा दिलाकर उम्मीदवारों से संपर्क बनाए रखते थे और फिर वादा की गई नौकरी दिए बिना ही संपर्क बंद कर देते थे। इसी दौरान, स्पेशल स्टाफ और सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन की एक और संयुक्त टीम ने लाल रतन बिल्डिंग से चल रहे एक और संदिग्ध नकली जॉब-प्लेसमेंट कॉल सेंटर के बारे में पक्की जानकारी मिलने पर उस जगह पर भी छापा मारा। पांच पुरुष कर्मचारी कॉलिंग क्यूबिकल्स में काम करते हुए पाए गए और उन्हें पकड़ लिया गया। जब पुलिस ने कॉर्पोरेट ऑथराइजेशन लेटर, प्लेसमेंट एग्रीमेंट या नौकरी पाने वाले असली उम्मीदवारों के रिकॉर्ड मांगे, तो कर्मचारी भर्ती की असली प्रक्रिया साबित करने वाला कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाए। कंप्यूटर की जांच करने पर कॉलिंग सॉफ्टवेयर और नौकरी चाहने वालों का डेटा मिला। इसके बाद, पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन पांचों कर्मचारियों को थाने लाया गया। इस तरह, नौकरी दिलाने वाले दो फर्जी कॉल सेंटरों से कुल 11 कर्मचारियों को पकड़ा गया।

मुठभेड़ के बाद राशिद के बलवाला गैंग के दो शार्पशूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ पुलिस ने भजनपुरा इलाके में ई-वेस्ट कारोबारी पर हुई गोलीबारी और जानलेवा हमले की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस ने रविवार देर रात मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता (निर्माण), उत्तर रेलवे, शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली निम्न लिखित कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम	शकुरबस्ती कोचिंग टर्मिनल के निर्माण के सिलसिले में, वॉशेबल एप्रन PF लाइनों, पार्सल ऑफिस, पानी की सप्लाई सिस्टम (RO प्लांट, O/H और UG टैंक) और पानी रीसाइक्लिंग प्लांट (सर्विस रोड सहित) के लिए इलेक्ट्रिकल बैलेंस का काम)
2	कार्य समापन अवधि	12 महीने
3	अनुमानित लागत	रु. 1,01,31,861.41/-
4	धरोहर राशि	रु. 2,02,700/-
5	ई–निविदा जमा करने एवं निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 27.10.2026 समय 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 27.10.2026 समय 15:00 बजे खोला जाएगा।
6	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की जानकारी	विस्तृत निविदा सूचना उत्तर रेलवे वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा पत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 13.10.2026 से 27.10.2026 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा पत्र में दिये गये हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

संख्या: 17–वि./ उप मु. वि. अभि./सी/टी/173 दिनांक: 05.10.2026 3438/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त खबरें

पलवल : दस्तावेज की जांच पर खुला चोरी की बुलेट का राज

पलवल। चोरी की बुलेट बाइक पर दूसरी बाइक की नंबर प्लेट लगाकर घूम रहे एक युवक को सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बुलेट बरामद कर ली है। जांच में सामने आया कि बुलेट दिल्ली से चोरी की गई थी और आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए उस पर दूसरी बाइक का नंबर लगा रखा था। सदर थाना प्रभारी रवि ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि एसआई टेक सिंह की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक चोरी की बुलेट बाइक पर पलवल से बामनीखेड़ा गांव की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने अटोहा मोड़ के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ देर बाद पुलिस ने पलवल की ओर से आ रही बुलेट को रोक लिया। बाइक सवार से वाहन के दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने अपना नाम पिंगोर गांव निवासी नीरज बताया। पुलिस ने बाइक के नंबर की जांच की तो नंबर किसी अन्य बाइक के नाम पर दर्ज मिला। इसके बाद बुलेट की जांच करने पर पता चला कि वह दिल्ली से चोरी की गई थी। पुलिस के अनुसार आरोपी ने चोरी की बाइक की पहचान छिपाने और पकड़े जाने से बचने के लिए उस पर दूसरी बाइक का नंबर लगा रखा था। पुलिस ने बुलेट को कब्जे में लेकर आरोपी नीरज को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि बुलेट चोरी की वारदात में आरोपी की क्या भूमिका थी और उसने यह बाइक किससे हासिल की थी।

फरीदाबाद : मामूली झगड़े में 13 साल के बच्चे की हत्या

फरीदाबाद। सेक्टर-56 में दो नाबालिगों में मामूली कहासुनी खून-खराबे में तब्दील हो गई। 15 वर्षीय युवक ने गुस्से में 13 वर्षीय युवक की छाती में चाकू घोंप दिया। गंभीर हालत में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, बेटा घर के बाहर अपनी एक साल की बहन के साथ खेल रहा था। तभी उसका दोस्त वहां आया और साथ मिलकर वहीं खेलने लगा। इस बीच धक्का मारने को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई व आरोपी ने पीड़ित के चाकू से वार कर दिया। वारदात के बाद आरोपी चाकू लेकर मौके से फरार हो गया। सेक्टर-58 थाना पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक, कन्नू सेक्टर-56 स्थित आशियाना फ्लैट के ब्लॉक नंबर-14 में परिवार के साथ रहता था। रविवार शाम वह घर के बाहर अपनी एक साल की बहन चाहत को खिला रहा था। इसी दौरान ब्लॉक-13 में रहने वाला 15 वर्षीय किशोर वहां आया। दोनों साथ खेलने लगे। परिजनों के अनुसार, खेलने के दौरान दोनों बच्चों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इसी विवाद में 15 वर्षीय किशोर ने कन्नू की छाती में चाकू मार दिया। चाकू लगने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजनों का कहना है कि आरोपी अक्सर वहां खेलने के लिए आता था, तभी दोनों में दोस्ती हुई थी। दोनों थर्ड क्लास में पढ़ते थे। कन्नू के चाचा इकबाल ने बताया कि घटना की जानकारी पड़ोसियों ने फोन कर दी। इसके बाद वह ब्लॉक नंबर-7 से मौके पर पहुंचे। कन्नू को घायल हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल में रखवाया गया है। कन्नू के पिता यामिन मूल रूप से अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। परिवार करीब 5 साल पहले सेक्टर-56 आशियाना फ्लैट में रहने आया था। यामिन कबाड़ की फेरी लगाते हैं। कन्नू से बड़ा उनका बेटा आमिर है, जिसकी शादी दिवाली के बाद होनी है।

हरियाणा के खिलाड़ियों का दिल्ली एयरपोर्ट पर स्वागत

एशियन गेम्स से लौटे, 14 स्वर्ण समेत 32 पदक जीते; खेल मंत्री ने की सराहना

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जापान में आयोजित एशियन गेम्स में पदक जीतकर लौटे हरियाणा के खिलाड़ियों का दिल्ली इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर खेल मंत्री गौरव गौतम ने स्वागत किया। उन्होंने खिलाड़ियों को फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। मंत्री के अनुसार भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में कुल 85 पदक जीते, जिनमें हरियाणा के खिलाड़ियों का योगदान 32 पदकों का रहा। प्रदेश के खिलाड़ियों ने 14 स्वर्ण, 9 रजत और 9 कांस्य पदक जीते। खेल मंत्री ने इसे हरियाणा की खेल क्षमता और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम बताया। उन्होंने खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए भविष्य में प्रशिक्षण, डाइट और खेल सुविधाओं में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों ने यह पदक अपने नाम कर हरियाणा की खेल शक्ति का लोहा मनवाया। उन्होंने खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की और भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। खेल नीतियों व योजनाओं का नतीजा उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश को खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर गर्व है। यह हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा चलाई जा रही खेल नीतियों व योजनाओं का नतीजा है कि प्रदेश में खेल व खिलाड़ी निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी खिलाड़ी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। 32 पदक प्रदेश की खेल क्षमता का प्रमाण खेल मंत्री गौरव गौतम ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगे की शान बढ़ाने वाले इन खिलाड़ियों पर पूरे हरियाणा को गर्व है। उन्होंने कहा कि 14 स्वर्ण पदक यह बताते हैं कि हरियाणा के खिलाड़ी केवल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए नहीं, बल्कि जीत हासिल करने के इरादे से मैदान में उतरते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। इन खिलाड़ियों के पीछे उनके माता-पिता, प्रशिक्षकों और खेल संस्थानों की भी बड़ी भूमिका है। मंत्री ने सभी अभिभावकों और प्रशिक्षकों को भी बधाई दी और कहा कि सरकार खिलाड़ियों के साथ मजबूती से खड़ी है। गौरव गौतम ने खिलाड़ियों से बातचीत कर उनकी यात्रा, प्रतियोगिता में प्रदर्शन और आगे की तैयारियों के बारे में जानकारी ली।

जंगल में यूरिया-गुड़ की अवैध शराब की भट्ठी पकड़ी

फरीदाबाद में 800 लीटर शराब नष्ट; पुलिस को देख दोनों आरोपी फरार

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। जिले के अनंगपुर गांव के जंगलों में अवैध तरीके से शराब बनाने के काम का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच बड़खल, क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 और आबकारी विभाग की टीम सूचना के आधार पर जंगल में छापेमारी की। टीम के पहुंचते ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई के दौरान दो आरोपी मौके से फरार हो गए। टीम ने मौके पर तैयार करीब 800 लीटर नकली शराब को नष्ट कर दिया। क्राइम ब्रांच इंचार्ज अनिल छिल्लर ने बताया कि क्राइम ब्रांच बड़खल को सूचना मिली थी कि अनंगपुर के जंगल में कुछ लोग अवैध तरीके से शराब तैयार कर रहे हैं। शराब बनाने के लिए यूरिया, गुड़, पेड़ों की छाल और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। सूचना बाद क्राइम ब्रांच और आबकारी विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की योजना बनाई। टीम जैसे ही बताए गए स्थान पर पहुंची, वहां मौजूद लोगों को पुलिस की कार्रवाई की भनक लग गई। इसके बाद दो आरोपी मौके से भागने में कामयाब हो गए। पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने आसपास के क्षेत्र में उनकी तलाश भी की, लेकिन उनका सुराग नहीं लग सका। 800 लीटर तैयार शराब नष्ट छापेमारी के दौरान टीम को मौके पर करीब 800 लीटर तैयार कथित नकली शराब मिली। इसके अलावा शराब तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और अन्य सामान भी बरामद किया गया।

फरीदाबाद : अवैध शराब की भट्ठी पकड़ी, 800 लीटर शराब की नष्ट

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। अनंगपुर गांव के जंगलों में अवैध तरीके से शराब बनाने की एक भट्ठी का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच बडखल, क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 और आबकारी विभाग की टीम सूचना के आधार पर सोमवार को जंगल में छापेमारी की। टीम के पहुंचते ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई के दौरान दो आरोपी मौके से फरार हो गए। टीम ने मौके पर तैयार करीब 800 लीटर नकली शराब को नष्ट कर दिया। क्राइम ब्रांच इंचार्ज अनिल छिल्लर ने बताया कि क्राइम ब्रांच बडखल को सूचना मिली थी कि अनंगपुर के जंगल में कुछ लोग अवैध तरीके से शराब तैयार कर रहे हैं। शराब बनाने के लिए यूरिया, गुड़, पेड़ों की छाल और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। सूचना बाद क्राइम ब्रांच और आबकारी विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की योजना बनाई। टीम जैसे ही बताए गए स्थान पर पहुंची, वहां मौजूद लोगों को पुलिस की कार्रवाई की भनक लग गई। इसके बाद दो आरोपी मौके से भागने में कामयाब हो गए। पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने आसपास के क्षेत्र में उनकी तलाश भी की, लेकिन उनका सुराग नहीं लग सका। छापेमारी के दौरान टीम को मौके पर करीब 800 लीटर तैयार कथित नकली शराब मिली। इसके अलावा शराब तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और अन्य सामान भी बरामद किया गया। टीम ने तैयार शराब को मौके पर ही नष्ट कर दिया और अन्य सामान को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। जांच में सामने आया कि शराब बनाने का काम जंगल के सुनसान इलाके में कथित तौर पर छिपकर किया जा रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस अवैध शराब को कहां सप्लाई किया जाना था और इस कारोबार के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस और आबकारी विभाग की टीम फरार दोनों आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

गुरुग्राम में स्पेशल टास्क फोर्स टीम पर फायरिंग

तीन गाड़ियों में पहुंचे बदमाश, गाड़ी को मारी टक्कर, शीशे तोड़े; हाथापाई में 2 जवान घायल

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्रामा। जिले के सोहना एलिवेटेड हाईवे पर भोंडसी कट के पास शनिवार रात एसटीएफ की सेंट्रल यूनिट की टीम पर बदमाशों ने हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार करीब 10 से 12 संदिग्ध तीन कारों में सवार होकर पहुंचे थे। नाकेबंदी के दौरान रुकने का इशारा करने पर उन्होंने एसटीएफ की सरकारी गाड़ी को टक्कर मार दी और जवानों से हाथापाई करते हुए वाहन के शीशे तोड़ दिए। पुलिस ने आरोपियों पर फायरिंग करने का भी आरोप लगाया, जिसके जवाब में टीम ने फायरिंग की। हमले में दो एसटीएफ जवान घायल हुए। आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर सीसीटीवी और तकनीकी सर्विलांस से उनकी पहचान शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, एसटीएफ सेंट्रल यूनिट को शनिवार रात सूचना मिली थी कि एक नामी बदमाश गुड़गांव की तरफ से सोहना एलिवेटेड हाईवे के रास्ते भोंडसी की ओर आ सकता है। सूचना के आधार पर टीम ने रात करीब 9:30 बजे भोंडसी कट के पास नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। एसटीएफ ने रूकने का इशारा किया था करीब 10 बजे तीन अलग-अलग कारों में कुछ युवक वहां पहुंचे। संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने पर एसटीएफ टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया। आरोप है कि वाहन ड्राइवरों ने रुकने के बजाय कारों की रफ्तार बढ़ा दी और नाके पर खड़ी सरकारी गाड़ी को टक्कर मार दी। सरकारी वाहन के शीशे तोड़े इसके बाद कारों से कई युवक नीचे उतरे और एसटीएफ कर्मियों से हाथापाई करने लगे। आरोपियों ने सरकारी वाहन के शीशे भी तोड़ दिए। इसी दौरान टीम पर फायरिंग किए जाने की बात सामने आई। अचानक हुए हमले के बाद एसटीएफ जवानों ने बचाव में जवाबी फायरिंग की। इसके बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर अपनी कारों में फरार हो गए। मामले की जांच में जुटी पुलिस टीम घायल दोनों एसटीएफ जवानों को इलाज के लिए सोहना नागरिक अस्पताल ले जाया गया। भोंडसी थाना पुलिस ने पीएसआई राजकुमार की शिकायत पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही तकनीकी सर्विलांस की मदद से हमले में इस्तेमाल कारों और आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

चाउमीन-बर्गर लेने गए चाचा की चाकू से गोदकर हत्या फरीदाबाद में फास्टफूड रेहड़ी पर विवाद

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के सेक्टर-62 चौराहे पर रविवार देर रात चाकू से हमला कर शाहपुर गांव निवासी लक्ष्मण (45) की हत्या कर दी गई। आरोप है कि 8 से 10 अज्ञात युवकों ने दो लोगों पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला किया। हमले में लक्ष्मण गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, उसका भतीजा महेश भी घायल हुआ है और उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। चाउमीन-बर्गर लेने गए थे चाचा-भतीजा जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 10 बजे लक्ष्मण अपने भतीजे महेश के साथ सेक्टर-62 चौराहे पर चाउमीन और बर्गर लेने गया था। इसी दौरान वहां फास्ट-फूड की रेहड़ी लगाने वाले प्रशांत और रिंकू नामक युवकों से उनका विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हो गया और इसी दौरान लक्ष्मण पर चाकू से कई वार किए गए। भतीजे ने भागकर बचाई जान परिजनों के अनुसार, लक्ष्मण के दूसरे भतीजे ने बताया कि उसकी आंखों के सामने आरोपियों ने उसके चाचा पर चाकू से हमला किया। इसके बाद आरोपी चाकू लेकर उसके पीछे भी दौड़े और उसे मारने का प्रयास किया। वह किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। घटना में महेश को भी चोटें आई हैं और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। परिजन का आरोप-112 पर कॉल नहीं उठी मृतक के भतीजे ने आरोप लगाया कि चाचा पर हमला होने के दौरान उसने कई बार डायल-112 पर फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद एक राहगीर की मदद से वह बाइक पर घायल लक्ष्मण को अस्पताल लेकर गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और वहां से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। सामने आए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। एसीपी बोले-परिजनों की शिकायत पर केस आदर्श नगर एसीपी अशोक डागर ने बताया कि पुलिस को घटना की सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। लोगों ने शराबियों के जमावड़े का लगाया आरोप स्थानीय लोगों का आरोप है कि सेक्टर-62 चौराहे के आसपास देर रात तक शराब पीने वालों का जमावड़ा रहता है।

नमो क्रिकेट लीग में हिसार को हराकर विजेता बना गुरुग्राम

ड्रोन शो में PM का बनाया फोटो, समापन में पहुंचे मनोहर लाल-रेसलर खली

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्रामा। पंचकूला के ताऊ देवी लाल खेल स्टेडियम में खेली जा रही नमो क्रिकेट लीग का रविवार देर रात भव्य समापन हो गया। रोमांचक ग्रैंड फिनाले में गुरुग्राम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हिसार को मात देकर विजेता की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी द्वारा आयोजित इस लीग में नशे के खिलाफ जागरूक करने का संदेश दिया गया। समापन समारोह में केंद्रीय विद्युत और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे, जहां तरुण भंडारी ने उनका स्वागत किया। हहए रेसलर ग्रेट खली भी कार्यक्रम में शामिल हुए। फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुरुग्राम की टीम ने मजबूत खेल दिखाया और निर्धारित ओवरों में 7 विकेट गंवाकर 105 रन बनाए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिसार की टीम ने भी पूरा जोर लगाया, लेकिन गुरुग्राम की कसी हुई गेंदबाजी के आगे हिसार की टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई और उपविजेता रही। कार्यक्रम में पहुंचे ये दिग्गज समापन अवसर पर हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक मनमोहन भड़ाना, मेयर श्याम लाल बंसल, मुख्यमंत्री के ओएसडी बीबी भारती व भोपाल खदरी, द ग्रेट खली, भजन गायक कन्हैया मित्तल, कुनाल कुमार, मीडिया कोऑर्डिनेटर संजीव सूद सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गुरुग्राम में 100 के लिए रिटायर्ड लेडी टीचर की हत्या

घर में चोरी के इरादे से घुसा युवक, पैसे न देने पर धक्का देकर गिराया

प्रात : किरण संवाददाता

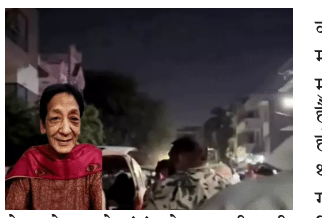

गुरुग्राम। की न्यू कॉलोनी में रिटायर्ड लेडी टीचर की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। आरोपी चोरी के इरादे से घर में घुसा था और महिला से 100 रुपए मांग रहा था। इसी दौरान महिला से उसका सामना हो गया और विरोध करने पर उसने उसे धक्का देकर गिरा दिया और बगल के घर में कूदकर छिप गया। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो महिला की मौत हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। आरोपी की तलाश की गई। पुलिस ने उसे 2-3 घंटे बाद वहीं से पकड़ लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। मृतका की पहचान मधु शर्मा (75) के रूप में हुई है। वह न्यू कॉलोनी में मदर डेयरी के पास मकान नंबर 180 में अकेली रहती थी। मधु स्कूल में टीचर थी और करीब 15 साल पहले रिटायर हुई थी। पड़ोसियों के मुताबिक, वह मिलनसार थी और आसपास के लोगों से उसके अच्छे संबंध थे। मधु की शादी मेरठ में हुई थी, लेकिन कुछ दिन बाद ही वह ससुराल से वापस आ गई थी। इसके बाद वह अपने माता-पिता के न्यू कॉलोनी स्थित मकान में रहने लगी। कई साल पहले उसके माता-पिता की मौत हो गई थी। उसके भाई, भाभी और भतीजे हैं, लेकिन वे अलग रहते हैं। रात में घर में घुसा युवक रविवार रात एक युवक मधु के घर में घुसा। पड़ोसी इक्षित नागपाल ने उसे बालकनी से देख लिया। कुछ देर बाद युवक छत की तरफ चला गया। इक्षित को अनहोनी की आशंका हुई तो उसने अन्य पड़ोसियों को बताया। इसके बाद पड़ोसी मधु के घर के बाहर जमा हो गए और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। न्यू कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो मधु घर में मृत मिली। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। चोरी का सामान इकट्ठा किया, 100 रुपए मांगे थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजीव के मुताबिक, संदिग्ध आरोपी नशे का आदी है और उसे लगा था कि पुराना मकान बंद होगा, क्योंकि बाहर लाइट नहीं जल रही थी। अंदर महिला को देखकर वह चौंक गया। उसने कुछ कीमती सामान इकट्ठा किया और मधु से 100 रुपए मांग रहा था। इसी दौरान मधु ने चोरी का विरोध किया तो दोनों के बीच हाथापाई हो गई। आरोपी ने उसे धक्का दे दिया, जिससे वह जमीन पर गिर गई। पड़ोसियों ने उसकी चीखें सुन लीं और वहां पहुंच गए। बगल के घर में छिपा था आरोपीपड़ोसियों के जमा होने पर आरोपी मधु के घर से बगल वाले मकान के परिसर में कूद गया और वहीं छिप गया। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि वह आसपास ही हो सकता है। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसे पकड़ लिया। वह करीब 2-3 घंटे तक वहां छिपा रहा। मधु को सेक्टर-10ए स्थित सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पड़ोसी बोले- प्रॉपर्टी को लेकर जताया था खतरा पड़ोसियों का दावा है कि कुछ लोगों की मधु की प्रॉपर्टी पर नजर थी।

फरीदाबाद में 13 साल के बच्चे का मर्डर दोस्त ने चाकू से छाती चीरी

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद के सेक्टर-56 में मामूली कहासुनी पर 15 साल के बच्चे ने 13 साल के दोस्त की छाती में चाकू मार दिया। चाकू इतनी जोर से मारा कि छाती चीर दी। गंभीर हालत में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, बेटा घर के बाहर अपनी 1 साल की बहन के साथ खेल रहा था। तभी उसका दोस्त वहां आया साथ मिलकर वहीं खेलने लगा। इस बीच धक्का मारने को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। वारदात के बाद आरोपी चाकू लेकर मौके से फरार हो गया। सेक्टर-58 थाना पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है। घर के बाहर बहन को खिला रहा था कन्नू परिजनों के मुताबिक, कन्नू सेक्टर-56 स्थित आशियाना फ्लैट के ब्लॉक नंबर-14 में परिवार के साथ रहता था। रविवार शाम करीब 7 बजे वह घर के बाहर अपनी एक साल की बहन चाहत को खिला रहा था। इसी दौरान ब्लॉक-13 में रहने वाला 15 वर्षीय किशोर वहां आया। दोनों साथ खेलने लगे। खेलते समय हुई धक्का-मुक्की परिजनों के अनुसार, खेलने के दौरान दोनों बच्चों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इसी विवाद में 15 वर्षीय किशोर ने कन्नू की छाती में चाकू मार दिया। चाकू लगने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजनों का कहना है कि आरोपी अक्सर वहां खेलने के लिए आता था, तभी दोनों में दोस्ती हुई थी। दोनों थर्ड क्लास में पढ़ते थे। पड़ोसियों ने फोन कर दी सूचना कन्नू के चाचा इकबाल ने बताया कि घटना की जानकारी पड़ोसियों ने फोन कर दी। इसके बाद वह ब्लॉक नंबर-7 से मौके पर पहुंचे।

फरीदाबाद में आधे घंटे पथराव शराब माफिया का परिवार पर हमला

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में अवैध शराब के जिस ठिकाने पर तीन महीने पहले CIA और पुलिस ने भारी तामझाम के साथ रेड मारी थी, उसी में दोबारा से शराब का व्यापार शुरू कर दिया गया। इसकी शिकायत सामने रहने वाले पड़ोसी ने कर दी तो शराब माफिया बौखला उठे। आरोपियों ने शिकायत करने वाले परिवार पर धावा बोल दिया। सबसे पहले घर के बाहर लगे सीसीटीवी को पत्थर मारकर तोड़ा, फिर मकान के दरवाजे पर लाठी-डंडे मारने शुरू कर दिए। इससे भी मन नहीं भरा तो लोहे की रॉड आदि का इस्तेमाल कर गेट ही तोड़ दिया। करीब आधे घंटे तक हमलावरों ने यह तांडव मचाया और फिर धमकियां देते हुए वहां से चले गए। इस दौरान परिवार डरा सहमा घर के अंदर ही दुबका रहा। आरोप है कि हमलावरों ने सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों के साथ भी धक्का-मुक्की की। इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमलावर रात के अंधेरे में घर पर पत्थर बरसाते और सीसीटीवी तोड़ते नजर आ रहे है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तीन माह पहले ऐसे हुई थी पुलिस की कार्रवाई घर के सामने अवैध रूप से शराब बेची जातीः ये पूरा मामला बल्लभगढ़ के आजाद नगर का है, जहां पर अश्वनी (42) अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहते है। वे साउंड इस्टूमेंट की दुकान चलाते है। अश्वनी की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, उनके घर के ठीक सामने खेमराज नामक शख्स का मकान है। आरोप है कि खेमराज का परिवार अवैध रूप से शराब बेचता है। वीडिया वायरल हुई तो तीन महीने पहले रेड पड़ीः पुलिस ने तीन महीने पहले जून में इसी मकान पर रेड की थी। अवैध शराब बिक्री का सीसीटीवी वायरल होने के बाद स्थानीय पुलिस और सीआईए की ओर से ये रेड की गई थी। शराब बेचने का वीडियो अश्वनी के बेटे विकास की ओर से ही वायरल किया गया था। गैस कटर से काटना पड़ा था पुलिस को गेट : सीआईए टीम ने घर के बाहर से अंदर मौजूद लोगों को बार-बार चेतावनी दी और दरवाजा खोलने के लिए कहा। जब काफी देर तक अंदर से कोई हलचल नहीं हुई तो पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। टीम ने तुरंत मौके पर लोहा काटने वाला ग्राइंडर और गैस कटर मंगवाया। गेट को कटर से काटकर घर में घुसे। परिवार पिछले दरवाजे से भागा, शराब-हथियार मिले : पुलिस ने रेड के दौरान घर के अंदर से अवैध शराब और देसी कट्टा बरामद किया था। हालांकि, इससे पहले ही आरोपी और उसका परिवार पिछले दरवाजे से फरार हो गया था। इसके आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बाद में आरोपियों को बेल मिल गई। इसके बाद खेमराज का परिवार अश्विनी के परिवार से रजिंश रखने लगा। दोबारा फिर अवैध कारोबार शुरू, शिकायत पर हमला 2 अक्तूबर को फिर से शराब बेचना शुरू : पीडित अश्वनी और उनके बेटे विकास ने बताया कि सीआईए की छापेमारी के बाद खेमराज और उसके बेटे विक्की ने शराब बेचना बंद कर दिया था। मगर, 2 अक्तूबर को फिर से अवैध रूप से शराब बेची गई। इसका वीडियो उन्होंने बना लिया था। इसी को लेकर आरोपियों ने उनके घर पर 4अक्तूबर की देर रात को हमला कर दिया ।सीसीटीवी कैमरे और गेट तोड़ा : विकास ने बताया कि 4 अक्तूबर की रात को उनका पूरा परिवार घर मे सोया हुआ था। देर रात करीब 1 बजे विक्की उर्फ मोची, खेमराज, गुड्डू ने उनके घर पर हमला कर दिया। आरोपियों ने घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को पत्थर मारकर तोड़ा। इसके बाद उनके घर के बाहर लगे गेट को तोड़ दिया गया। पुलिसकर्मियों से भी की गई धक्का-मुक्कीः पीड़ित परिवार का आरोप है कि सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिवार का कहना है कि हमलावरों की पूरी करतूत सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। हालांकि, हमलावर कैमरों को तोड़कर अपने साथ ले गए, लेकिन कुछ रिकॉर्डिंग परिवार के पास मौजूद है। डीसीपी बोले- पुलिस कर रही आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास स्थानीय लोगों के अनुसार, आजाद नगर की इस गली में अवैध रूप से शराब बेचने का धंधा लंबे समय से चल रहा है। कुछ समय पहले अपराध शाखा की टीम ने इसी क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की थी। इसके बावजूद क्षेत्र में शराब का अवैध कारोबार फिर से धड़ल्ले से चल रहा है। इसी का विरोध करने पर अश्वनी के परिवार को निशाना बनाया गया। उधर, इस मामले में डीसीपी प्रतीक अग्रवाल ने बताया कि पीड़ित परिवार की शिकायत पुलिस को मिल चुकी है। मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

हरियाणा में बारिश-आंधी का अलर्ट 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

प्रात : किरण संवाददाता

हरियाणा में अक्टूबर की गर्मी के बीच अगले कुछदिनों में मौसम करवट लेने वाला है। 4 और 5 अक्टूबर को प्रदेश में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा, जबकि 6 से 10 अक्टूबर तक कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है। 7 से 9 अक्टूबर के दौरान गरज-चमक, आकाशीय बिजली और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है। 4 अक्टूबर को प्रदेश का औसत अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री बढ़कर सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रहा। हिसार 38.8 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। 10 अक्टूबर को कोई मौसम चेतावनी नहीं है। अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री की बढ़ोतरी मौसम विभाग के 4 अक्टूबर के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के औसत अधिकतम तापमान में पिछले दिन के मुकाबले 0.5 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि यह सामान्य से करीब 1.7 डिग्री अधिक है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान हिसार में 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दक्षिण हरियाणा में भी गर्मी का असर बना हुआ है। महेंद्रगढ़ में अधिकतम तापमान 38.0 डिग्री, नारनौल में 37.0 डिग्री और रेवाड़ी में 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं रोहतक में 34.2, भिवानी में 36.4 और सिरसा में 36.4 डिग्री तापमान रहा। प्रदेश के अन्य हिस्सों में चंडीगढ़ में 35.0, अंबाला में 34.2, करनाल में 34.8, फरीदाबाद में 37.1, गुरुग्राम में 35.0, पानीपत में 34.6, सोनीपत में 37.0 और पलवल में 37.0 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। कल से बारिश की संभावना मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 4 और 5 अक्टूबर को हरियाणा में मौसम शुष्क रहेगा। 6 अक्टूबर से कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है। 7 अक्टूबर को गरज-चमक के साथ बारिश, आकाशीय बिजली और तेज हवाएं चल सकती हैं। 8 और 9 अक्टूबर को भी इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है। इन दोनों दिनों के लिए भी 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।10 अक्टूबर को फिर मौसम रहेगा शुष्क मौसम विभाग के अनुसार 10 अक्टूबर को हरियाणा में किसी तरह की चेतावनी नहीं है। हालांकि कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना बनी रह सकती है। मौसम में इस बदलाव से पिछले कुछ दिनों से दोपहर के समय पड़ रही गर्मी से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं गरज-चमक और तेज हवाओं के दौरान लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

फरीदाबाद : चाचा की चाकूओं से गोदकर हत्या, भतीजे ने भाग कर बचाई जान

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के सेक्टर-62 चौराहे पर रविवार देर रात चाकुओं से हमला कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान शाहपुर गांव निवासी लक्ष्मण (45) के रुप में हुई है। आरोप है कि आठ-दस अज्ञात युवकों ने चाचा-भतीजे पर ताबड़तोड़ चाकुओं से हमला कर दिया। इस हमले में लक्ष्मण गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, उसका भतीजा महेश घायल हुआ है और उसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, रविवार रात लक्ष्मण अपने भतीजे महेश के साथ सेक्टर-62 चौराहे पर चाउमीन और बर्गर लेने गया था। इसी दौरान वहां फास्ट-फूड की रेहड़ी लगाने वाले प्रशांत और रिंकू नामक युवकों से उनका विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढने के बाद दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हो गया और इसी दौरान लक्ष्मण पर चाकुओं से कई वार किए गए। परिजनों के अनुसार, लक्ष्मण के दूसरे भतीजे ने बताया कि उसकी आंखों के सामने आरोपियों ने उसके चाचा पर चाकू से हमला किया। इसके बाद आरोपी चाकू लेकर उसके पीछे भी दौड़े और उसे मारने का प्रयास किया। वह किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। घटना में महेश को भी चोटें आई हैं और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। मृतक के भतीजे ने आरोप लगाया कि चाचा पर हमला होने के दौरान उसने कई बार डायल-112 पर फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद एक राहगीर की मदद से वह बाइक पर घायल लक्ष्मण को अस्पताल लेकर गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और वहां से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। सामने आए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। आदर्श नगर एसीपी अशोक डागर ने बताया कि पुलिस को घटना की सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

फरीदाबाद : बाल सुधार गृह से भागे बंदियों में से एक गिरफ्तार

फरीदाबाद। एनआईटी के पांच नंबर स्थित बंदी बाल सुधार गृह से बाथरुम की खिडकी तोडकर फरार हुए तीन बंदियों में से एक नाबालिग बंदी को अपराध शाखा सेक्टर-48 पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बाल बंदी को पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता एवं सूत्रों की मदद से मानेसर गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। पुलिस बाल बंदी से पूरी घटना एवं अन्य फरार बाल बंदियों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। फरार हुए अन्य बाल बंदियों की तलाश के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि शनिवार रात्रि को बाल सुधार गृह से करीब 17 साल के तीन नाबालिग फरार हो गए। तीनों अलग-अलग हत्या के मामलों में बंद थे। तीनों ने बाथरूम की पुरानी खिडकी को हाथ से उखाड़ा और खिडकी के नीचे बनी नर्सरी में लटककर नीचे कूदे और वहां से फरार हो गए थे। इनमें से दो बंदी वर्ष 2024 से यहां बंद थे, जबकि तीसरा साल 2025 से बाल सुधार गृह में आया था।

सत्याग्रह से बिखरी आवाजों को एक सूत्र में पिरोने की कोशिश

लोकतंत्र केवल चुनाव, संसद और सरकारों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उस आवाज में भी निहित होती है, जो अपने अधिकार, न्याय और सम्मान के लिए व्यवस्था के सामने सवाल खड़ा करती है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में महात्मा गांधी का सत्याग्रह इसी सवाल को अहिंसक संघर्ष और नैतिक आग्रह की शक्ति में बदलने का एक महत्वपूर्ण उदाहरण रहा है। ऐसे समय में जब देश के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न मुद्दों को लेकर आंदोलन और विरोध सामने आते रहते हैं, कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा ह्यसत्याग्रहह्न नामक डिजिटल मंच की शुरूआत को इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। यह मंच ऐसे समय में आया है जब सत्ता पक्ष के खिलाफ धीरे-धीरे विपक्ष एकजुट हो रहा है। हालांकि अभी समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी खुलकर राहुल के साथ नहीं दिखाई दे रहे हैं क्योंकि यूपी-पंजाब में आने वाले समय में चुनाव है। जन मानस के विरोध को भांपते हुए राहुल गांधी ने तीन अक्टूबर को इस डिजिटल मंच की शुरूआत की है। इसके माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे मुद्दा आधारित आंदोलनों और संघर्षों को एक साझा डिजिटल मंच पर लाने की कोशिश की गई है। मंच पर लोग अपने आंदोलन और मुद्दे की जानकारी साझा कर सकते हैं तथा इंटरैक्टिव मैप के माध्यम से देश के दूसरे हिस्सों में समान प्रकृति के संघर्षों की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। राहुल गांधी ने अपने संदेश में कहा कि देशभर में लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और कई बार उनकी आवाज अकेली रह जाती है। उन्होंने युवाओं, छात्रों, किसानों, आदिवासियों, दलितों और महिलाओं सहित विभिन्न समूहों के संघर्षों का उल्लेख करते हुए लोगों से अपनी समस्याओं और आंदोलनों को इस मंच पर साझा करने का आह्वान किया। उनका कहना है कि जब अलग-अलग संघर्षों की जानकारी एक जगह उपलब्ध होगी, तो एक मुद्दे से जुड़े लोग दूसरे स्थानों पर चल रहे समान संघर्षों से जुड़ सकेंगे। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या डिजिटल मंच वास्तव में बिखरी हुई आवाजों को प्रभावी सामाजिक शक्ति में बदल सकता है? इसका उत्तर केवल राजनीतिक अपील में नहीं, बल्कि इस बात में छिपा होगा कि मंच कितनी व्यापकता से लोगों तक पहुंचता है और वहां आने वाली शिकायतों एवं आंदोलनों को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है। भारत जैसे विशाल और विविध देश में जमीन, वनाधिकार, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार, महिलाओं के अधिकार, सामाजिक न्याय, दलित एवं ओबीसी अधिकार जैसे अनेक विषयों पर अलग-अलग स्तर पर आंदोलन होते रहे हैं। कई बार स्थानीय स्तर का कोई संघर्ष राष्ट्रीय विमर्श तक नहीं पहुंच पाता। मीडिया की सीमित पहुंच, संसाधनों की कमी और आंदोलनकारी समूहों के बीच समन्वय का अभाव इसके कारण हो सकते हैं। ह्यसत्याग्रहह्न मंच की घोषित भूमिका ऐसे संघर्षों को दृश्यता और आपसी संपर्क उपलब्ध कराने की है। लेकिन किसी भी डिजिटल मंच की सफलता केवल उसके नाम या उद्देश्य से तय नहीं होती। उसकी विश्वसनीयता इस बात से निर्धारित होगी कि उस पर आने वाली सूचनाओं की पुष्टि कैसे होती है, विभिन्न पक्षों को अपना दृष्टिकोण रखने का अवसर कितना मिलता है और शिकायतों को राजनीतिक प्रचार से अलग रखते हुए किस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है। यदि किसी आंदोलन की जानकारी को बिना पर्याप्त सत्यापन के व्यापक रूप से प्रसारित किया जाता है, तो इससे तथ्य और दावे के बीच अंतर धुंधला होने का खतरा भी रहेगा। इसलिए पारदर्शिता और तथ्य-जांच इस पहल की महत्वपूर्ण कसौटियां होंगी। राहुल गांधी ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में संसद के साथ-साथ सड़क और अन्य माध्यमों से लोगों की आवाज उठाने की बात कही है। यह स्वाभाविक रूप से राजनीतिक भूमिका का हिस्सा भी है। विपक्ष का दायित्व सरकार से सवाल पूछना और जनता से जुड़े मुद्दों को संसद में उठाना है। इसके अलावा, आंदोलनों के साथ जुड़ना विपक्षी राजनीति का एक महत्वपूर्ण तरीका हो सकता है। लेकिन यहां भी यह अंतर बनाए रखना जरूरी होगा कि कौन-सा मुद्दा वास्तविक जनशिकायत है, कौन सा राजनीतिक मतभेद है और कौन सा आरोप अभी प्रमाणित नहीं हुआ है। ह्यसत्याग्रहह्न नाम अपने आप में महात्मा गांधी की विरासत से जुड़ा हुआ है। गांधी के लिए सत्याग्रह केवल विरोध का माध्यम नहीं था, बल्कि सत्य, अहिंसा, आत्मअनुशासन और नैतिक आग्रह से जुड़ी संघर्ष पद्धति थी। आज के डिजिटल दौर में किसी आंदोलन को सोशल मीडिया और ऑनलाइन मंच के माध्यम से व्यापक बनाना आसान है, लेकिन गांधी के सत्याग्रह की मूल भावना को बनाए रखना कहीं अधिक कठिन है।

माँ-बाप के जीवन में सम्मान और सहारा नहीं, तो मृत्यु के बाद के कर्मकांड अधूरे हैं

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे संस्कारों में माँ के चरणों में ममता, त्याग और करुणा का संसार दिखाई देता है, तो पिता के जीवन में परिश्रम, जिम्मेदारी और सुरक्षा की छाया। माँ-बाप अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपनी इच्छाओं को पीछे छोड़ देते हैं। वे अपनी जरूरतें कम कर बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं। उनकी खुशियाँ बच्चों की मुस्कान में बसती हैं और उनका जीवन परिवार को सँवारने में बीत जाता है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस उम्र में उन्हें सबसे अधिक प्रेम, सम्मान और सहारे की आवश्यकता होती है, उसी समय कई बुजुर्ग अपने ही घर में उपेक्षा के शिकार हो जाते हैं। हमारे समाज में श्राद्ध, तर्पण और पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों को याद करने की परंपरा है। लोग श्रद्धापूर्वक भोजन कराते हैं, दान देते हैं और धार्मिक कर्मकांड करते हैं। यह परंपरा हमारी सांस्कृतिक स्मृति और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। लेकिन एक सवाल हमें अपने भीतर जरूर पूछना चाहिए—क्या उस श्रद्धा का अर्थ केवल मृत्यु के बाद के कर्मकांड तक सीमित है? यदि माँ-बाप जीवित हैं और उन्हें दो वक्त की रोटी, सम्मान के दो शब्द तथा अपनापन देने में हम पीछे हट जाते हैं, तो मृत्यु के बाद किया गया भव्य भोज हमारी संवेदनहीनता को कैसे ढक सकता है? आज परिवारों में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन कई जगह भावनात्मक समृद्धि कम होती दिखाई देती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, नौकरी, व्यवसाय और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बीच माता-पिता के लिए समय निकालना कठिन समझा जाने लगा है। कई बुजुर्गों को घर में रहते हुए भी अकेलापन महसूस होता है। जिन पिता ने पसीना बहाकर घर बनाया, वही पिता बुढ़ापे में बेटे के व्यस्त जीवन में बाधा समझे जाने लगते हैं। जिन माताओं ने अपनी भूख दबाकर बच्चों को खिलाया, वही माँ कभी-कभी अपने ही घर में उपेक्षित हो जाती है। सबसे पीड़ादायक स्थिति तब होती है जब जीवित माँ-बाप को ताने मिलते हैं, उनकी आवश्यकताओं को बोझ समझा जाता है और उनकी भावनाओं को महत्व नहीं दिया जाता। मृत्यु के बाद उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाने के लिए लंबी कतार लग जाती है। जीते जी जिनसे बातचीत करने का समय नहीं था, उनके लिए मृत्यु के बाद बड़े-बड़े आयोजन किए जाते हैं। यह विरोधाभास केवल पारिवारिक समस्या नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदना पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। पिता का जीवन अक्सर परिवार के लिए संघर्ष की कहानी होता है। सीमित साधनों में उन्होंने बच्चों की शिक्षा, विवाह, घर और भविष्य की चिंता की। अपने सपनों को स्थगित कर बच्चों के सपनों को पूरा किया। माँ ने भी अपने जीवन का बड़ा हिस्सा परिवार की जरूरतों में लगा दिया। बीमारी में रात-रात भर जागना, बच्चों की छोटी-सी खुशी पर खिल उठना और कठिन समय में ढाल बनकर खड़ा होना—माता-पिता के प्रेम का कोई आर्थिक मूल्य नहीं हो सकता। इसलिए बुढ़ापे में उनका सबसे बड़ा अधिकार संपत्ति नहीं, बल्कि सम्मान और अपनापन है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती जरूरत भी हमें सोचने के लिए मजबूर करती है। हर वृद्धाश्रम बुरी व्यवस्था का प्रतीक नहीं है। कई बार परिस्थितियाँ ऐसी होती हैं कि बुजुर्गों को विशेष देखभाल की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन जब वृद्धाश्रम इसलिए चुनना पड़े कि अपने ही बच्चों के पास माता-पिता के लिए समय, धैर्य या सम्मान नहीं है, तब समस्या गंभीर हो जाती है। जिस घर को माता-पिता ने अपने खून-पसीने से बसाया, उसी घर से उनका भावनात्मक विस्थापन हमारे पारिवारिक मूल्यों की परीक्षा है। श्राद्ध का वास्तविक अर्थ केवल अन्न और दान में नहीं, बल्कि श्रद्धा में है। और श्रद्धा केवल मृतकों के लिए नहीं, जीवित माता-पिता के लिए भी होनी चाहिए। कौवे को भोजन कराना, ब्राह्मण को दान देना और धार्मिक अनुष्ठान करना अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन यदि घर में बैठी माँ भूखी है, पिता दवा के लिए किसी का इंतजार कर रहे हैं और बच्चे उनसे बात करने तक को तैयार नहीं, तो हमें अपने धर्म और कर्म के अर्थ पर पुनर्विचार करना चाहिए।

मिथिला की लोक संस्कृति रसन चौकी के जीवंत संवाहकः संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित महेंद्र राम की संघर्षगाथा

अकादमी पुरस्कार प्रख्यात कलाकार संगीत नृत्य नाटक लोक और जनजातीय कला कठपुतली और संबंध थिएटर कला रूपों में व्यक्त प्रदर्शन के संपूर्ण दायरे के लिए दिया जाता है, महेंद्र राम ने संघर्ष करते हुए अपने संस्थान के माध्यम से देश के विभिन्न भागों यथा- नई दिल्ली(एनएसडी) , त्रिपुरा, पटना, भागलपुर, सिलीगुड़ी नई जलपाईगुड़ी उज्जैन मध्य प्रदेश में प्रस्तुति दी है! आज के समय में जब संगीत के नए-नए वाद्य यंत्रों ने अपनी जगत जगह बना ली है वही महेंद्र राम ने विलुप्त होती रसन चौकी संस्कृति परंपरा जैसे धरोहर को घोर आर्थिक अभाव के बीच बचाए रखा है रसन चौकी संस्कृति मुख्य रूप से बिहार के मिथिला की एक अनूठी लोक संस्कृति धरोहर है जिसे भारत का पहला फोको बैड / आर्केस्ट्रा भी कहा जाता है।

सुशील कुमार
(लेखक)

बिहार के प्राचीन शहर मधुबनी के बारे में यह लोकोक्ति प्रसिद्ध है जो अपने अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत विश्व प्रसिद्ध क्षेत्र कला और लोक संगीत के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। मधुबनी और दरभंगा मिथिला संस्कृति की दिध्रुव माना जाता है जहां के मिट्टी के कण-कण में कला, लोक परंपरा और लोक संगीत बसती है, मधुबनी की सांस्कृतिक ढांचा बहुत ही समृद्ध और सदियों पुराना है मधुबनी की चित्रकला, मधुबनी पेंटिंग, लोक संगीत एक कला नही बल्कि उनकी आत्मा है लोक संगीत के क्षेत्र में कई प्रसिद्ध लोग गायक हुए जैसे मैथिली ठाकुर अर्चना दास, माधवराव, लल्लू मधुबनिया हर्षित कौर जिसने मैथिली लोकगीतों को आम जनमानस पर अपनी प्रसिद्ध बनाई। उन्हें में से वंचित समाज से आने वाले मधुबनी के भट सिमर खातो खरीका टोल निवासी लोक कलाकार महेंद्र राम, जिन्होंने विलुप्त होती पारंपरिक वाद्य यंत्र शैली रसन चौकी को जीवंत रखने के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2024 का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने घोर आर्थिक अभाव के बावजूद दशकों से विलुप्त होती रसन चौकी संस्कृति को आम जनमानस के बीच प्रभाव बनाए रखा। उन्होंने लोक संस्कृति रसन चौकी की बारीकी अपने पिता स्वर्गीय मोहन राम के साथ रहकर आत्मसात किया! संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार 1952 से लगातार प्रदान किया जा रहे हैं, यह सम्मान न केवल उत्कृष्ट और उपलब्धि के उच्चतम मानक का प्रतीक है, बल्कि उन कलाकारों के निरंतर व्यक्तिगत कार्यों और योगदान का भी मान्यता देता है! अकादमी पुरस्कार में ताम पत्र और अंग वस्त्र के अतिरिक्त 1 लाख की राशि दी जाती है! अकादमी पुरस्कार प्रख्यात कलाकार संगीत नृत्य नाटक लोक और जनजातीय कला कठपुतली और संबंध थिएटर कला रूपों में व्यक्त प्रदर्शन के संपूर्ण दायरे के लिए दिया जाता है, महेंद्र राम ने संघर्ष करते हुए अपने संस्थान के माध्यम से देश के विभिन्न भागों यथा- नई दिल्ली(एनएसडी) , त्रिपुरा, पटना, भागलपुर, सिलीगुड़ी नई जलपाईगुड़ी उज्जैन मध्य प्रदेश में प्रस्तुति दी है! आज के समय में जब संगीत के नए-नए वाद्य यंत्रों ने अपनी जगत जगह बना ली है वही महेंद्र राम ने विलुप्त होती रसन चौकी संस्कृति परंपरा जैसे धरोहर को घोर आर्थिक अभाव के बीच बचाए रखा है रसन चौकी संस्कृति मुख्य रूप से बिहार के मिथिला की एक अनूठी लोक संस्कृति धरोहर है जिसे भारत का पहला फोको बैड / आर्केस्ट्रा भी कहा जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में पँचवजना कहा जाता है पँचवजना का मतलब(वाद्य यंत्रों का समूह) रसन चौकी मुख्य रूप से पांच पारंपरिक लोक वाद्य यंत्रों का एक समूह है जिन्हें एक ही सुर ताल में बजाया जाता है इसमें जैसे- पिपही-- शहनाई की तरफ फूंक कर बजाया जाने वाला वाद्य यंत्र।, ढोले-- मुख्य रूप से थाप देने वाला वाद्य यंत्र, । तबली-- एक छोटा सा ढोलक जिसे छड़ी से बजाया जाता है। खुरदक-- थाप आधारित यंत्र! कारा-- यह एक प्रकार का वाद्य यंत्र, जिसके जगह कई बार झाल या मंजीरे का प्रयोग किया जाता है। रसन चौकी कलाकार पूरी तरह से शास्त्रीय और लोकधुनो के विशेषज्ञ होते हैं, इस पर मिथिला के पारंपरिक लोकगीत जैसे सोहर, विद्यापति गीत, समदाउन नचारी और तिरहुता बजाए जाते हैं, इसके अलावा जट- जाटिन और सलेश जैसे लोक गाथाओं की धुनें भी इस पर बिखरे जाती है। धार्मिक एवं धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस वा वाद्यसमूह पंचवचना की पहली बार सीता एवं राम के विवाह उत्सव में बजाया गया था, जो पीढ़ी दर पीढ़ी जीवंत है! मांगलिक कार्यों शादी विवाह मुंडन उपनयन, जानेऊ और दुर्गा पूजा जैसे शुभ कार्यों पर रसन चौकी बजाया जाता है! धार्मिक मान्यता है कि इस वाद्य यंत्र के निकलने वाली धुन से पूरा माहौल आध्यात्मिक और पवित्र हो जाता है। महेंद्र राम ने बताया कि मेरी प्रबल इच्छा है कि इस रसन चौकी संस्कृति परंपरा कला और विद्या को बचाए रखने की जिम्मेदारी अब आने वाली पीढ़ी की है इसलिए अपने बच्चों को भी विभिन्न कार्यक्रम एवं उत्सवों के प्रस्तुति में साथ लेकर जाते हैं, ताकि रसन चौकी संस्कृति की बारीकी से बाकीब हो सके, उन्होंने बताया कि उनके परिवार का भरण पोषण उपनयन संस्कार, शादी विवाह सरकारी कार्यक्रम और मांगलिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से प्राप्त आय से होता है जो कि आज के आधुनिक परिवेश में अपर्याप्त है। महेंद्र राम का टूटी फूटी झोपड़ी देखकर भी आर्थिक हालात का पता सहज लगाया जा सकता है वैसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जिस व्यक्ति ने रसन चौकी संस्कृति को जीवंत बनाय रखा और राष्ट्रीय पहचान दिया, वह परिवार आज भी प्रधानमंत्री आवास योजना से भी वंचित है।

नए महीने का सूरज, नई सत्ता की चाल और सिपहसालारों की बदलती निष्ठा

कुर्सी पर बैठा व्यक्ति चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, व्यवस्था को गति देने के लिए उसके आसपास बैठे सिपहसालारों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है और यहीं से शुरू होती है हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे दिलचस्प कहानी ह्लसत्ता बदलती है तो निष्ठा की परिभाषा भी बदल जाती हैह्व। बिहार की राजनीति ने लंबे समय से सत्ता परिवर्तन, गठबंधन परिवर्तन और राजनीतिक समीकरणों के अनेक रंग देखे हैं। अप्रैल 2026 में एक बड़ा बदलाव हुआ। 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बस, इसके बाद राजनीति के साथ-साथ सरकारी गलियारों में भी एक स्वाभाविक सवाल पैदा हुआ, अब व्यवस्था किस अंदाज में चलेगी?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

कहते हैं कि नया महीना नई उम्मीदें लेकर आता है। कैलेंडर का एक पन्ना पलटता है और आदमी सोचता है कि शायद अब कुछ बदलेगा। वेतन की तारीख वही रहती है, बिजली का बिल वही रहता है, पेट्रोल की कीमत देखकर वही पुराना माथा घूमता है और सरकारी दफ्तर में फाइल की चाल भी लगभग वही रहती है। लेकिन सरकारें चाहें तो महीने के पहले दिन ही इतना कुछ बदल सकती है कि आदमी को अपने ही राज्य में नया नागरिक होने का अहसास होने लगे। सरकार का निर्णय आखिर सरकार का निर्णय होता है। कब क्या बदलना है, कितना बदलना है, किसे बदलना है और किसे यथावत रखना है, इसका गणित आम आदमी की समझ से बाहर ही रहता है। वह तो केवल परिणाम देखता है। सत्ता के गलियारों में इसका अपना विज्ञान है और राजनीति में इसकी अपनी कला। राजनीतिक इच्छा शक्ति हो तो वर्षों पुरानी व्यवस्था भी रातोंरात बदल सकती है और इच्छा शक्ति न हो तो नई व्यवस्था भी पुरानी आदतों के साथ चलती रहती है। लेकिन सत्ता की मशीनरी को चलाने के लिए केवल कुर्सी पर्याप्त नहीं होती। कुर्सी पर बैठा व्यक्ति चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, व्यवस्था को गति देने के लिए उसके आसपास बैठे सिपहसालारों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है और यहीं से शुरू होती है हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे दिलचस्प कहानी ह्लसत्ता बदलती है तो निष्ठा की परिभाषा भी बदल जाती हैह्व। बिहार की राजनीति ने लंबे समय से सत्ता परिवर्तन, गठबंधन परिवर्तन और राजनीतिक समीकरणों के अनेक रंग देखे हैं। अप्रैल 2026 में एक बड़ा बदलाव हुआ। 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बस, इसके बाद राजनीति के साथ-साथ सरकारी गलियारों में भी एक स्वाभाविक सवाल पैदा हुआ, अब व्यवस्था किस अंदाज में चलेगी? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार केवल मुख्यमंत्री और मंत्रियों से नहीं चलती है। सरकार सचिवालय की फाइलों, विभागीय अधिकारियों, सलाहकारों, कर्मचारियों और उन तमाम अदृश्य पहियों से चलती है, जिन्हें जनता चुनावी मंच पर कभी नहीं देखती। मुख्यमंत्री बदलता है तो सबसे पहले कुर्सी बदलती है। उसके बाद कमरे की सजावट बदलती है। फिर बैठने का क्रम बदलता है। उसके बाद मुलाकात का समय बदलता है। फिर धीरे-धीरे यह पता चलता है कि कौन पहले दरवाजे तक जाता था और अब किस दरवाजे से लौट रहा है। राजनीति में इसे परिवर्तन कहते हैं और व्यंग्यकार इसे कहते हैं ह्लहवा का रुख समझनाह्व। राजनीति में विचारधारा की चर्चा खूब होती है। सिद्धांतों की चर्चा होती है। जनसेवा की चर्चा होती है। विकास की चर्चा होती है। लेकिन सत्ता के गलियारों में एक और शब्द चुपचाप चलता रहता है ह्लनिष्ठाह्व। निष्ठा बड़ी अद्भुत चीज है। यह कभी व्यक्ति के प्रति होती है, कभी पद के प्रति, कभी पार्टी के प्रति, कभी विचार के प्रति और कभी-कभी परिस्थितियों के प्रति भी। समस्या तब पैदा होती है जब निष्ठा का केंद्र बदल जाता है। कुर्सी पर बैठे व्यक्ति को देखकर यदि कोई व्यक्ति कहे कि ह्लहम तो हमेशा से आपके साथ थेह्व, तो कुर्सी पर बैठा व्यक्ति मुस्कुराता जरूर है, लेकिन मन ही मन शायद यह जरूर सोचता है कि ह्लहमसे पहले वाली कुर्सी पर बैठे व्यक्ति के साथ भी क्या आप हमेशा से ऐसे ही थे?ह्व यही लोकतंत्र का सबसे मनोरंजक प्रश्न है। क्योंकि सत्ता के गलियारों में पुरानी तस्वीरें बहुत कुछ बताती है। कौन किसके साथ खड़ा था, कौन किसके साथ बैठा था, किसकी गाड़ी में कौन बैठता था और किसके कमरे में किसका आना-जाना था, यह सब सत्ता बदलते ही अचानक इतिहास बन जाता है। बिहार ने करीब दो दशक तक नीतीश कुमार के नेतृत्व का लंबा दौर देखा है। आधिकारिक रिकॉर्ड में उनके मुख्यमंत्री पद का कार्यकाल 24 नवंबर 2005 से दर्ज है, हालांकि बीच में राजनीतिक घटनाक्रम और पद परिवर्तन भी हुए। अप्रैल 2026 में उनके मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद सम्राट चौधरी ने पद संभाला। इतने लंबे राजनीतिक दौर को केवल वर्षों की संख्या से नहीं समझा जा सकता है। यह एक पूरी राजनीतिक पीढ़ी का अनुभव है। इस दौरान अधिकारी बदले, मंत्री बदले, विभाग बदले, गठबंधन बदले, राजनीतिक समीकरण बदले और समय के साथ गंगा में पानी भी घटा-बढ़ा। लेकिन कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो बदलती हुई भी नहीं बदलती। मसलन ह्लव्यवस्था से तालमेलह्व। जो अधिकारी एक सरकार की प्राथमिकताओं को समझने में माहिर होता है, वह दूसरी सरकार की प्राथमिकताओं को भी समझने में देर नहीं लगाता। जो राजनीतिक कार्यकर्ता वर्षों तक सत्ता की भाषा समझता आया है, वह नई सत्ता की भाषा भी जल्दी सीख लेता है। यही प्रशासनिक निरंतरता भी है और राजनीतिक व्यावहारिकता भी। व्यंग्यकार बस इतना पूछता है कि इतनी जल्दी नई भाषा कैसे आ जाती है? सत्ता के लंबे गलियारों में कुछ नाम दीपक की लौ की तरह दिखाई देते हैं। कोई अंजनी, कोई चंचल, कोई अमीर, कोई अनुपम, कोई रवि, कोई चंद्रशेखर, कोई सुधीर, कोई किशोरङ्क इन नामों को केवल व्यक्तियों की सूची समझना भूल होगी। यह तो उस व्यवस्था का प्रतीक हैं जिसमें अलग-अलग समय पर अलग-अलग लोग अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। कुछ दीपक टिमटिमाते हैं। कुछ तेज जलते हैं। कुछ हवा का रुख देखकर अपनी लौ संभाल लेते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जो पूरी रात अखंड दीप की तरह जलते दिखाई देते हैं। लेकिन सत्ता की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि अखंड दीप भी अंततः दीप ही होता है। तेल समाप्त हुआ तो लौ समाप्त। कल तक जो दीपक सत्ता के गलियारे को रोशन कर रहा था, आज उसके स्थान पर नया दीपक रखा जा सकता है। नई सरकार आती है तो वह केवल नई योजनाएं नहीं लाती। वह यह भी देखती है कि पुराने दीपकों में से कौन कितनी रोशनी दे सकता है और कौन अपनी लौ लेकर इतिहास के अंधेरे कमरे में चला जाए। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद बिहार सरकार की आधिकारिक सूचनाओं में नई सरकार की गतिविधियां लगातार दर्ज होती रही हैं। 16 अप्रैल को उन्होंने उपमुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री सचिवालय की कार्यप्रणाली पर चर्चा की थी। यानि नई कुर्सी पर बैठते ही सबसे पहला काम यही था कि पुरानी मशीनरी को समझा जाए। यह जरूरी भी है। क्योंकि मुख्यमंत्री चाहे नया हो, लेकिन सचिवालय नया नहीं होता। फाइलें पुरानी होती है, नियम पुराने होते हैं, कानून पुराने होते हैं, विभागों की संरचना पुरानी होती है और जनता की समस्याएं तो उससे भी पुरानी होती है। नई सरकार को इन्हीं पुराने औजारों से नई तस्वीर बनानी होती है। यहीं असली परीक्षा शुरू होती है। कुर्सी बदलना राजनीतिक प्रक्रिया है। कुर्सी की संस्कृति बदलना प्रशासनिक चुनौती। किसी मुख्यमंत्री के आते ही नामपट्ट बदल सकता है। तस्वीर बदल सकती है। बैठक की व्यवस्था बदल सकती है। संबोधन बदल सकता है। लेकिन क्या फाइल की गति बदलती है? क्या आम आदमी को कार्यालय के चक्कर कम लगाने पड़ते हैं? क्या निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होती है? क्या भ्रष्टाचार की शिकायतों पर कार्रवाई की गति बढ़ती है? क्या अधिकारी जवाबदेह महसूस करते हैं? क्या जनता को लगता है कि सरकार उसके दरवाजे तक पहुंची है? यही वे सवाल हैं जिनका जवाब समय देता है। क्योंकि सत्ता के शुरूआती दिनों में हर सरकार तेज दिखाई देती है। असली परीक्षा तब होती है जब शुरूआती उत्साह समाप्त हो जाता है और रोजमर्रा का प्रशासन शुरू होता है। राजा बदलता है तो दरबारियों की परीक्षा होती है, यह कहावत पुरानी है। लोकतंत्र में राजा नहीं होता, सरकार होती है, दरबारी नहीं होते, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक तंत्र होता है। लेकिन व्यंग्य को अपना रास्ता चाहिए, इसलिए हम इन्हें सिपहसालार ही कहेंगे। सिपहसालार की असली परीक्षा तब होती है जब उसे नई सरकार की प्राथमिकताओं के अनुसार काम करना पड़ता है। कल तक जिस फाइल को ह्लबहुत महत्वपूर्णह्व बताया जा रहा था, आज वही फाइल अलमारी में नीचे क्यों चली गई? कल जिस योजना को ह्लऐतिहासिकह्व कहा जा रहा था, आज उसके बारे में कोई बात क्यों नहीं कर रहा? कल जिस अधिकारी की कार्यशैली की प्रशंसा हो रही थी, आज उसके कमरे का रास्ता लंबा क्यों हो गया? यही तो सत्ता का खेल है और इसमें सबसे चतुर वह नहीं जो किसी एक व्यक्ति के प्रति निष्ठावान दिखाई दे, बल्कि वह है जो संविधान, कानून और संस्थागत जिम्मेदारी के प्रति अपनी निष्ठा कायम रखे। क्योंकि व्यक्ति बदलते हैं, सरकारें बदलती हैं, लेकिन राज्य चलता रहता है। राजनीतिक व्यंग्य में इसे चाहे ह्लसम्राट युगह्व कहें या नई सरकार का दौर, तथ्य इतना है कि अप्रैल 2026 से बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हैं। बिहार सरकार की आधिकारिक वेबसाइट भी 1 अक्टूबर 2026 को उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में दर्ज करती है। इसलिए 1 अक्टूबर को नए महीने के साथ एक अलग राजनीतिक प्रतीक जरूर दिखाई देता है। अब प्रश्न यह नहीं है कि कुर्सी पर कौन बैठा है। प्रश्न यह है कि कुर्सी पर बैठने के बाद वह कुर्सी को किस तरह चलाता है। कुर्सी किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होती। वह जनता की ओर से मिली जिम्मेदारी होती है। इसलिए ह्लसम्राट राजह्व का असली अर्थ भी व्यक्ति-पूजा नहीं, बल्कि नई प्रशासनिक कार्यशैली की परीक्षा होना चाहिए। नाम बदलने से शासन नहीं बदलता है। शासन तब बदलता है जब निर्णय लेने की गति बदलती है, जवाबदेही बदलती है और जनता को मिलने वाली सेवा बदलती है। सही व्यंग्यात्मक संकेत है कि कुर्सी बदली तो पांव भी बदलने जरूरी होते हैं। वरना पुरानी कुर्सी के हिसाब से बने पांव नई कुर्सी को कब असंतुलित कर दे, पता नहीं चलता है। लेकिन एक और बात भी जरूरी है। पांव बदलने के साथ दिशा भी बदलनी चाहिए। यदि कुर्सी नई है, पांव नए हैं, गाड़ी नई है, ड्राइवर नया है, लेकिन रास्ता वही पुराना है और मंजिल भी वही है, तो यात्रा में नया क्या हुआ? नई सरकार का मतलब केवल नए चेहरे नहीं होना चाहिए। नई सरकार का मतलब होना चाहिए, नई प्राथमिकताएं, नई कार्यसंस्कृति, नई जवाबदेही और पुराने प्रशासनिक ढर्रे पर नई नजर। यही वह बिंदु है जहां राजनीतिक परिवर्तन प्रशासनिक परिवर्तन में बदलता है। केंद्र सरकार समय-समय पर ऐसे निर्णय लेती है जिनका प्रभाव देशभर के नागरिकों की जेब, कारोबार, तकनीक और दैनिक जीवन पर पड़ता है। नए महीने के साथ केंद्र के कई नियम और प्रावधान लागू होते हैं। आम आदमी के लिए इनका अर्थ अक्सर यही होता है कि किसी फॉर्म में एक कॉलम बढ़ गया, किसी भुगतान पर नया नियम आ गया, किसी सेवा का तरीका बदल गया या किसी सुविधा की शर्त बदल गई। लेकिन बिहार का बदलाव थोड़ा अलग है। यहां प्रश्न सीधे प्रशासन से जुड़ता है। पटना के सचिवालय से निकला आदेश गांव के प्रखंड कार्यालय तक जाता है। वहां से पंचायत तक पहुंचता है और अंततः उसी आम आदमी के दरवाजे तक आता है जिसने सरकार को चुना है। इसलिए बिहार सरकार में परिवर्तन का वास्तविक अर्थ तभी दिखाई देगा जब सत्ता की नई ऊर्जा प्रशासन के अंतिम छोर तक पहुंचेगी।

मेरी कलम के उद्गारः माँ भारती का लाल...

महादेव की भक्ति थी उसमें, माँ सरस्वती की शक्ति थी उसमें, गोरों की दासता से मिले मुक्ति, तन-मन में दृढ़ राष्ट्र भक्ति थी उसमें नन्हे नाम बचपन का उसका, अपनी माँ का वो बहादुर लाल था, नतमस्तक हुई उफनती दरिया, देखकर थम गया काल था, तैरकर चीरी छाती जल-धारा की, गंगा पार स्कूल पहुँचा वो नन्हा लाल था। समर भूमि में थर्रा उठे दुश्मन, निष्फल उसका हर चाल था, लाहौर में गाड़ेंगे तिरंगा, लाल बहादुर का ये अडिग ख़्याल था।

राकेश कुशवाहा ऋषि
(लेखक)

सूरज जैसा तेज था उसमें, चाँद सी थी शीतलता। पवन जैसा वेग था उसमें, अग्नि सी थी निडरता। वतन वालों क्या बताऊँ, कैसे सुनाऊँ तुमको, उसकी अमर कहानियाँ, हर पल बाधाओं से लड़कर, और दुखों को सहकर तपा हो जीवन जिसका काशी का गौरव, हिन्द का वो लाल था, छोटी सी थी कद-काठी उसकी, पर हिम्मत उसमें बेमिसाल था। महादेव की भक्ति थी उसमें, माँ सरस्वती की शक्ति थी उसमें, गोरों की दासता से मिले मुक्ति, तन-मन में दृढ़ राष्ट्र भक्ति थी उसमें नन्हे नाम बचपन का उसका, अपनी माँ का वो बहादुर लाल था, नतमस्तक हुई उफनती दरिया, देखकर थम गया काल था, तैरकर चीरी छाती जल-धारा की, गंगा पार स्कूल पहुँचा वो नन्हा लाल था। समर भूमि में थर्रा उठे दुश्मन, निष्फल उसका हर चाल था, लाहौर में गाड़ेंगे तिरंगा, लाल बहादुर का ये अडिग ख़्याल था। जय जवान जय किसान का, वो करता गुणगान था, सरल स्वभाव सादगी भरा जीवन, तनिक भी न उसमें अभिमान था। वतन की खातिर, अमन की खातिर, कुर्बान हो गया लाल था, दो अक्टूबर जन्म-दिवस उसका, माँ भारती का वो बहादुर लाल था, माँ भारती का वो बहादुर लाल था....

संक्षिप्त खबरें

नोएडा में तीन लोगों से 56 लाख की ठगी

नोएडा। में ऑनलाइन निवेश में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने तीन लोगों से करीब 52 लाख रुपए ठग लिए। जालसाजों ने पहले पीड़ितों को निवेश पर मुनाफे का भरोसा दिलाया और कुछ मामलों में लाभ के स्क्रीनशॉट दिखाकर विश्वास जीता। इसके बाद अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी में रकम ट्रांसफर कराई। पीड़ितों की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला मामलाः 29.61 लाख रुपए ठगे सेक्टर-146 के क्षेत्र की आम्रपाली लेजर वैली सोसायटी निवासी कारोबारी अनिश शर्मा (27) ने बताया कि 30 अप्रैल 2026 को वाट्सएप पर निधि नाम की महिला से बातचीत शुरू हुई। महिला ने शेयर बाजार की जानकारी देने और निवेश पर अच्छा मुनाफा दिलाने का दावा किया। अनिश ने शुरुआत में महिला के बताए कुछ सौदे अपने ब्रोकर खाते से किए। इसमें मुनाफा होने पर उनका भरोसा बढ़ गया। इसके बाद महिला ने उनकी बातचीत अनुराग नाम के व्यक्ति से कराई। अनुराग ने खुद को निवेश का संचालन करने वाला बताते हुए दूसरे लोगों के निवेश का प्रबंधन करने का दावा किया। आरोप है कि दोनों ने अनिश को मुनाफे के स्क्रीनशॉट दिखाए और ज्यादा रकम लगाने पर अधिक लाभ का लालच दिया। इसके बाद 30 अप्रैल से 1 जुलाई के बीच अनिश ने 28 बार में अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी पर 29 लाख 61 हजार 994 रुपए ट्रांसफर कर दिए। रकम वापस मांगने पर आरोपी टालमटोल करने लगे। दूसरा मामलाः 11.36 लाख की ठगी दादरी निवासी हरेश बिहारी जोहरी ने 11 लाख 36 हजार 700 रुपए की ऑनलाइन ठगी की शिकायत की है। आरोप है कि जालसाजों ने एक ग्रीन के नाम पर उनसे संपर्क किया और झांसे में लेकर अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा ली। शिकायत में फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया गया है। तीसरा मामलाः 11.11 लाख रुपए गंवाए सेक्टर-76 निवासी आनंद कुमार सिंह ने 11 लाख 11 हजार 500 रुपए की साइबर ठगी की शिकायत की है। आरोप है कि जालसाजों ने अपनी पहचान छिपाकर उन्हें विश्वास में लिया और रकम अपने खातों में ट्रांसफर करा ली। तीनों मामलों में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर लिए हैं। पुलिस बैंक खातों, यूपीआई आईडी और लेनदेन की जांच कर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

ग्रेटर नोएडा में कांग्रेसी गांव-गांव लोगों से संपर्क करेंगे

गौतमबुद्ध नगर। जिला कांग्रेस कमेटी ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बैठक की। इसमें 7 अक्टूबर को जेवर में होने वाली किसान पदयात्रा और ह्वावोट बचाओ-देश बचाओ मार्च की तैयारियों पर चर्चा की। जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा तय की और अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपीं। जेवर के गांवों में संपर्क करने के निर्देश बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जेवर क्षेत्र के गांवों में संपर्क करने के निर्देश दिए गए। ज्यादा से ज्यादा लोगों को कार्यक्रम से जोड़ने और आयोजन की तैयारियों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया। कांग्रेस बोली- वोट के अधिकार और किसानों की आवाज उठाएंगे कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वोट बचाओ-देश बचाओ मार्च के जरिए लोकतांत्रिक मूल्यों, निष्पक्ष चुनाव और नागरिकों के वोट के अधिकार से जुड़े मुद्दों को जनता तक पहुंचाया जाएगा। वहीं किसान पदयात्रा के जरिए किसानों की समस्याओं और उनके अधिकारों की आवाज उठाने की बात कही गई। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में विकसित होगी इंटरनेशनल ट्रेड सिटी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति देने और प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को देश-दुनिया के बाजार से जोड़ने की दिशा में योगी सरकार लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में चीन की यीवू (.६४) इंटरनेशनल ट्रेड सिटी की तर्ज पर इंटरनेशनल ट्रेड सिटी विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। हाल में संपन्न यीडा की बोर्ड मीटिंग में इस परियोजना की परिकल्पना की गई है। प्रस्तावित सिटी को व्यापार, उद्योग और निर्यात के एक नए वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की योजना है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि इंटरनेशनल ट्रेड सिटी के माध्यम से क्षेत्र के औद्योगिक उत्पादों को एक ऐसा संगठित और स्वीकृत बाजार उपलब्ध होगा, जहां उत्पादों का प्रदर्शन, बिक्री और निर्यात एक ही प्लेटफॉर्म से किया जा सकेगा। इससे स्थानीय उद्यमियों और औद्योगिक इकाइयों को नए खरीदारों तक पहुंच बनाने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अवसर प्राप्त होंगे।

योगी सरकार ने बदली यूपी की जर्जर जल संरचनाओं की तस्वीर

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ बाढ़ नियंत्रण और जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन पर लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की ओर से साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश की प्रमुख जल संरचनाओं बैराज, बांध, हेड रेगुलेटर और अन्य जल यांत्रिक संरचनाओं के गेटों के निर्माण और प्रतिस्थापन पर जोर दिया गया है। इसका उद्देश्य किसानों को निर्बाध सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के साथ बाढ़ और आपदा की स्थिति में जल संरचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। योगी सरकार ने बदली यूपी की जर्जर जल संरचनाओं की तस्वीर गोमती बैराज के सभी 10 गेट बदले गए प्रमुख सचिव, सिंचाई एवं जल संसाधन अनिल गर्ग ने बताया कि योगी सरकार की पहल से पुरानी और जर्जर हो चुकी जल संरचनाओं को आधुनिक तकनीक से नया जीवन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से उपयोग में होने से कई महत्वपूर्ण बैराजों और बांधों के गेट समय के साथ क्षतिग्रस्त हो गए थे। इन्हें प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध तरीके से बदला जा रहा है, ताकि जल संरचनाओं के संचालन में किसी तरह की बाधा न आए और सिंचाई तथा बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था सुचारु बनी रहे। पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश में बड़े पैमाने पर गेटों के प्रतिस्थापन का काम किया गया है। पीलीभीत स्थित चुक्का हेड रेगुलेटर के सभी चार गेट बदले जा चुके हैं। बुलंदशहर स्थित नरौरा बैराज के कुल 61 गेटों में से 13 गेटों का प्रतिस्थापन पूरा हो चुका है, जबकि शेष 48 गेटों के निर्माण और प्रतिस्थापन का कार्य जारी है। लखनऊ स्थित गोमती बैराज के सभी 10 गेट बदले जा चुके हैं। वहीं, एटा स्थित तातारपुर एलजीसी एवं पीएलजीसी कनेक्टिंग रेगुलेटर तथा हेड रेगुलेटर के कुल 20 गेटों का प्रतिस्थापन पूरा हो चुका है। पानी के भीतर गेट बदलना बड़ी तकनीकी उपलब्धि प्रमुख सचिव अनिल गर्ग ने बताया कि दिल्ली स्थित ओखला बैराज के 27 में से 18 गेट बदले जा चुके हैं और आपात स्थिति के लिए तीन स्पेयर गेट भी तैयार रखे गए हैं। भीमगौड़ा बैराज, हरिद्वार के 22 में से आठ खराब गेट बदले गए हैं। इन गेटों का निर्माण विभाग की आईएसओ प्रमाणित कार्यशालाओं, बरेली और झांसी में किया गया है। रामपुर स्थित कैनरी बैराज के 15 में से नौ, गाजियाबाद स्थित हिंडन बैराज के सभी आठ और अन्य प्रमुख जल संरचनाओं में भी पुराने गेटों के प्रतिस्थापन का काम किया गया है। कई बांधों और बैराजों में अतिरिक्त स्पेयर गेट भी सुरक्षित रखे गए हैं, जिससे आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके प्रदेश में पहली बार अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पानी के भीतर स्थित गेटों को आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीक और विशेषज्ञ गोताखोरों की मदद से सफलतापूर्वक बदला गया है। ललितपुर स्थित माताटीला बांध, मेजा-जरगो लिंक रेगुलेटर और कचनौदा बांध में लगभग 60 से 70 फीट की गहराई में स्थित अंडर-स्लूइस गेटों का पानी के भीतर प्रतिस्थापन किया गया। इसी तरह कचनौदा बांध में करीब 60 फीट की गहराई पर दो अंडर-स्लूइस गेटों का प्रतिस्थापन पूरा किया गया है और एक स्पेयर गेट सुरक्षित रखा गया है। इसके साथ ही हमीरपुर के मौदहा, महोबा के लहचूरा, बिजनौर के खो बैराज, बहराइच के घाघरा बैराज और लखीमपुर खीरी के शारदा बैराज जैसी महत्वपूर्ण जल संरचनाओं के लिए भी स्पेयर गेट तैयार कर सुरक्षित रखे गए हैं, ताकि आकस्मिक स्थिति में किसानों को सिंचाई जल की आपूर्ति प्रभावित न हो। योगी सरकार ने बदली यूपी की जर्जर जल संरचनाओं की तस्वीर आपदा की स्थिति के लिए पहले से तैयारी मुख्य अभियंता यांत्रिक उपेंद्र सिंह ने बताया कि योगी सरकार का जोर केवल जल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि संभावित आपदा से निपटने के लिए पहले से तैयारी पर भी है।

आगरा में लाठी-डंडे से हमला किया, सीसीटीवी में कैद वारदात घर में घुसकर दबंगों ने 2 युवकों को पीटा

प्रात: किरण संवाददाता

आगरा। में 4 युवकों ने घर के बाहर खड़े दो युवकों पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। मारपीट से बचने के लिए दोनों युवक व्यापारी के घर के अंदर भागे। हमलावर भी उनका पीछा करते हुए घर में घुस गए। इसके बाद एक युवक पर लाठी-डंडों से कई वार किए। सिर और पीठ पर किए गए हमले की पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। घटना के बाद पीड़ित व्यापारी ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। उसका आरोप है कि युवकों ने घर में घुसकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद से परिवार डरा हुआ है। घटना शाहगंज थाना क्षेत्र की साकेत कॉलोनी की है। पहले बाहर किया हमला सीसीटीवी फुटेज में घर के बाहर दो युवक खड़े दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान चार युवक लाठी-डंडे लेकर वहां पहुंचते हैं और दोनों पर हमला कर देते हैं। हमले से बचने के लिए दोनों युवक घर के अंदर भागते हैं। दोनों युवकों के अंदर जाने के बाद हमलावर भी घर में घुस जाते हैं। फुटेज में एक युवक पर लगातार लाठी-डंडे बरसाते दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित खुद को बचाने की कोशिश करता है, लेकिन हमलावर उस पर वार करते रहते हैं। व्यापारी ने पुलिस से मांगी कार्रवाई पीड़ित व्यापारी ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उसका कहना है कि हमलावरों ने घर में घुसकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

6000 वर्गमीटर तक जमीन का लैंड यूज बदलना आसान

अब नहीं काटने होंगे शासन के चक्कर, डउअ बोर्ड ही देगा मंजूरी

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर। में जमीन का भू-उपयोग (लैंड यूज) बदलवाने के लिए अब लोगों को शासन तक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। शासन ने 6 हजार वर्गमीटर तक की जमीन का भू-उपयोग परिवर्तन करने का अधिकार कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) बोर्ड को दे दिया है। इससे आवेदकों को बड़ी राहत मिलेगी। अब इस क्षेत्रफल तक के भू-उपयोग परिवर्तन से जुड़े आवेदनों पर केडीए बोर्ड ही फैसला ले सकेगा। इससे अधिक क्षेत्रफल की जमीन के भू-उपयोग परिवर्तन के लिए पहले की तरह शासन से अनुमति लेनी होगी। इस संबंध में प्रमुख सचिव पी. गुरुप्रसाद ने आदेश जारी कर दिया है। शासन के चक्कर काटने से मिलेगी मुक्ति अब तक भू-उपयोग परिवर्तन के सभी आवेदनों को केडीए बोर्ड से संस्तुति मिलने के बाद शासन को भेजना पड़ता था। शासन स्तर पर फाइलें महीनों तक लंबित रहती थीं। इस दौरान भू-उपयोग परिवर्तन की अनुमति मिलने या आवेदन निरस्त होने तक निर्माण सामग्री और विकास कार्यों की लागत काफी बढ़ जाती थी। इससे आवेदकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था और उनकी परियोजनाएं भी समय से पूरी नहीं हो पाती थीं। अब 6 हजार वर्गमीटर तक की जमीन के मामलों में केडीए बोर्ड के स्तर पर ही निर्णय होने से प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। भू-उपयोग परिवर्तन की नियमावली 2014 में तीसरा संशोधन कर 2026 में नई नियमावली जारी की गई है। अधिकारियों के अनुसार, आदेश के तहत एक शर्त भी लगा दी गई है, जिसके तहत किसी भी मौजूदा भू-उपयोग का सिर्फ एक प्रतिशत तक ही बोर्ड बदल सकेगा। इसका आदेश भी केडीए को पहुंच गया और अधिसूचना भी जारी हो गई है। भू-उपयोग परिवर्तन के शुल्क में भी राहत इसके अलावा शासन ने अब भू-उपयोग परिवर्तन के शुल्क में भी राहत दी है। नई व्यवस्था के तहत भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क की दरों में 5 से 50 प्रतिशत तक की कमी की गई है। इससे जमीन का भू-उपयोग बदलवाने वाले लोगों पर आर्थिक बोझ कम होगा। पहले इस शुल्क का भुगतान चार तिमाही किश्तों में एक साल के अंदर करना होता था। इस पर 12 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज देना पड़ता था। अब आवेदक चार तिमाही किश्तों में एमसीएलआर (मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट) से एक प्रतिशत अधिक वार्षिक दर पर भुगतान कर सकेंगे। जरूरत पड़ने पर केडीए उपाध्यक्ष को आवेदन देकर भुगतान की अवधि एक साल और बढ़ाई जा सकती है। ग्रीन बेल्ट और सार्वजनिक सुविधाओं की जमीन सुरक्षित नई नियमावली में ग्रीन वर्ज (सड़क के किनारे या दो सड़कों के बीच घास, पौधों या पेड़ों की एक हरी-भरी पट्टी) और सार्वजनिक सुविधाओं के लिए निर्धारित जमीन के उपयोग में बदलाव नहीं होगा। मास्टर प्लान में एसटीपी, पावर स्टेशन, बिजली घर, बस अड्डे, बस स्टॉप और पार्क जैसी सुविधाओं के लिए निर्धारित जमीन का उपयोग नहीं बदला जा सकेगा। इसके अलावा जिस भू-उपयोग के मद की जमीन का परिवर्तित किया जाना है, उसमें मास्टर प्लान में उस मद में दी गई कुल जमीन का एक प्रतिशत से ज्यादा आवेदन न हो।

दालमंडी में 5 मकानों पर चला PWD का बुलडोजर 200 पुलिकर्मी तैनात

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी । की दालमंडी मार्केट चौड़ीकरण योजना के तहत सोमवार को 5 मकानों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू हो गई है। जेसीबी मशीनों से ध्वस्तीकरण का काम कराया जा रहा है ।सुरक्षा के लिए करीब 200 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, इनमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। कार्रवाई से पहले पीडब्ल्यूडी ने रविवार को सभी मकानों पर मुनादी कराकर लोगों से उन्हें खाली करने को कहा था। दालमंडी में चौड़ीकरण के लिए 181 मकान चिह्नित किए गए थे। इनमें ज्यादातर मकान पहले ही हटाए जा चुके हैं। अब बचे 5 मकानों को हटाने के बाद गहरी सीवर लाइन और बिजली के तार अंडरग्राउंड करने का काम आगे बढ़ाया जाएगा। 5 मकानों पर कार्रवाई शुरू पीडब्ल्यूडी के अभियंता केके सिंह ने बताया - दालमंडी चौड़ीकरण में सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए कार्रवाई तेजी से की जा रही है। गहरे सीवर लाइन का काम शुरू कर दिया गया है। वहीं बिजली तार भी अंडरग्राउंड डाले जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को 5 मकानों का ध्वस्तीकरण कराया जाएगा। इन सभी मकान मालिकों को मुआवजा दिया जा चुका है। ऐसे में इसमें रह रहे लोगों को इस बात की सूचना दी जा चुकी है कि इसे खाली कर दें ताकि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई आसानी से की जा सके। इन दस मकानों पर चलेगा बुलडोजर केक सिंह ने बताया - दालमंडी में चौड़ीकरण योजना में कुल 181 मकान चिह्नित किए गए थे।

बिना दाखिला जाए सीएसजेएमयू डिग्री डिस्टेंस-ऑनलाइन शिक्षा में 13 अक्टूबर तक छात्र

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर । यदि आप शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं लेकिन कॉलेज नहीं जा सकते हैं तो आपके पास विकल्प है। छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी (सीडियोई) का द्रोणाचार्य सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड ऑफलाइन एजुकेशन (सीडियोई) जुलाई 2026-27 सत्र के लिए विभिन्न यूजी और पीडिया कोर्सेज में स्टूडेंट दे रहे हैं। प्रवेश की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर 2026 है। जुलाई 2026-27 सत्र में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी यू के सी-डीओई पोर्टल ँ३३स्र२://्र२४ॅ.ल्ल/ ीिङ्की पर अभ्यर्थी पाठ्यक्रम, पात्रता और प्रवेश संबंधी जानकारी देख सकते हैं। इंटर में मैथ्स नहीं तो भी बीसीए का विकल्प C-DOE के मूल निवासी में इउअ (बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन) भी शामिल है। खास बात यह है कि गणित में गणित नहीं पढ़ने वाले छात्रों के लिए बीसीए करने का विकल्प भी उपलब्ध है। इससे वे छात्र भी कंप्यूटर और एप्लीकेशन से जुड़े क्षेत्र में स्नातक की पढ़ाई कर सकते हैं,प्रोग्राम 12वीं में गणित विषय नहीं था। यह कोर्स आपके लिए उपयोगी है सीडीओई के निदेशक डॉ. सरोज कुमार दाइ ने बताया कि रेखाचित्र और ऑफलाइन शिक्षा का विकल्प उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो नियमित कॉलेज नहीं जा सकते। इसमें नौकरीपेशा युवा, कामकाजी महिलाएं, ग्रामीण क्षेत्र के छात्र, सैनिक, श्रमिक, समूह से जुड़े लोग और उनके विद्यार्थी शामिल होते हैं, जिन्हें किसी न किसी कारण से बीच में रोका जाता है। सैनिकों के लिए भी सुविधा सीएससीएलयू ने सिख लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर, जयपुर के साथ समझौता किया है।

आगरा यूनिवर्सिटी में घुसकर 2 छात्रों के सिर फोड़े क्लासमेट से विवाद हुआ था, स्टूडेंट बोले-20 से ज्यादा लोगों को बुलाकर

प्रात: किरण संवाददाता

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर में सोमवार को दिनदहाड़े दबंगों ने छात्रों की पिटाई कर दी। गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। बाहर से आए 20 से अधिक दबंगों ने कैंपस में घुसकर बीएससी के दो छात्रों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में दोनों छात्र लहूलुहान हो गए। उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित छात्र आलोक और दिनेश खंदारी परिसर में बीएससी के छात्र हैं। उन्हीं की क्लास में अमित नाम का छात्र भी पढ़ता है। सुबह किसी बात को लेकर आलोक और अमित के बीच कहासुनी हो गई। बात गाली-गलौज तक पहुंच गई और अमित ने आलोक को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद अमित ने फोन कर अपने भाई और दोस्तों को बुला लिया। बताया जा रहा है कि अमित करीब 20 से अधिक युवकों के साथ कैंपस के बाहर खड़ा हो गया। जैसे ही आलोक और दिनेश क्लास से बाहर निकले, दबंगों ने परिसर के अंदर घुसकर दोनों को घेर लिया और धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में दोनों के सिर फट गए। घटना के दौरान कैंपस में तैनात सिक्योरिटी गार्ड मूकदर्शक बने रहे। प्रोफेसरों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। सूचना पर न्यू आगरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल छात्रों को थाने ले गई। दोनों छात्रों ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। इस घटना के बाद विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल यह है कि बाहरी दबंग कैंपस के अंदर कैसे घुस गए, जबकि मुख्य गेट पर तीन से चार सुरक्षा गार्ड तैनात रहते हैं। छात्रों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है, पहले भी कई बार बाहरी लोग कैंपस में घुसकर मारपीट कर चुके हैं। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आया। अब मुख्य गेट पर हर छात्र-छात्रा का आई कार्ड चेक किया जा रहा है। पूरी पूछताछ के बाद ही कैंपस में प्रवेश दिया जा रहा है। छात्रों ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। विश्वविद्यालय में इस तरह की घटनाएं लगातार उसकी छवि को धूमिल कर रही हैं। अभिभावक भी अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

कोडीन कफ सिरप माफिया शुभम की पत्नी के खिलाफ वारंट वाराणसी में संपत्तियों की जांच में वैशाली बनी आरोपी, गिरफ्तारी के आदेश

प्रात: किरण संवाददाता

शुभम जायसवाल, आरोपी

वाराणसी । के कोडीन कफ सिरप मामले में फरार चल रहे शुभम जायसवाल की पत्नी वैशाली जायसवाल उर्फ वैशाली पोसवानी के खिलाफ कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया है कि वैशाली को गिरफ्तार कर पेश किया जाए। पुलिस की जांच में शुभम की संपत्तियों और शराब ठेकों में वैशाली का नाम सामने आया है। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट में गिरफ्तारी वारंट जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर कोर्ट ने यह आदेश दिया। शुभम और वैशाली दोनों 10 महीने से ज्यादा समय से फरार हैं। पुलिस ने वैशाली की तलाश में जगतगंज स्थित उसके घर के अलावा रिश्तेदारों और पड़ोसियों से पूछताछ शुरू कर दी है। संपत्तियों और शराब ठेकों में पत्नी का नाम पुलिस की जांच में सामने आया कि कोडीन कफ सिरप से अर्जित रकम से शुभम ने कई संपत्तियां खरीदीं। इसके अलावा शराब के ठेके भी खोले गए, जिनमें पत्नी वैशाली का नाम सामने आया है। इसी आधार पर पुलिस ने कोर्ट से वैशाली के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की मांग की थी। जगतगंज के घर पर भी तलाश कोतवाली थाना प्रभारी दयाशंकर सिंह ने बताया कि वैशाली, शुभम के फरार होने के बाद से ही फरार है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। कोर्ट से वारंट जारी होने के बाद वैशाली की तलाश और तेज कर दी गई है। उसके जगतगंज स्थित घर के साथ रिश्तेदारों और संभावित ठिकानों पर भी दबिश दी जा रही है। शुभम के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कायस्थ टोला प्रह्लादघाट निवासी शुभम जायसवाल नवंबर 2025 के बाद से पुलिस की पकड़ में नहीं आया है।

नोएडा में दो युवकों ने जूस बेचने वाले को पीटा दूध के बर्तन से मारा

नोएडा। के बरौला गांव में गाय को पॉलीथिन में रोटी खिलाने से मना करने पर दो युवक जूस विक्रेता से भिड़ गए। दोनों युवकों ने उसे जमीन पर गिराकर पीटा। एक आरोपी ने दूध की स्टील की डोलची से भी हमला किया। घटना का 3 मिनट 55 सेकंड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो के आधार पर पुलिस अब मामले की छानबीन में जुट गई है। घटना सेक्टर-49 थाना क्षेत्र में डबल एटीएम के पास की है। यहां लाल पासवान जूस की ठेली लगाता है। ठेली के पास उसने एक कैरेट रखा था, जिसमें संतरे और अनार के छिलके जमा करता था।

आगरा में दिन में गर्मी, सुबह-रात मौसम सुहावना 8 अगस्त से बादल छाने की संभावना, बारिश के आसार नहीं

प्रात: किरण संवाददाता

आगरा । में सोमवार सुबह से धूप निकली हुई है। 7 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने के कारण सुबह गर्मी का ज्यादा अहसास नहीं हो रहा है। दिन में मौसम साफ रहने की संभावना है, हालांकि कुछ देर के लिए बादल छा सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 7 अक्टूबर तक मौसम में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। 8 अक्टूबर से आसमान में बादल छा सकते हैं, लेकिन बारिश के आसार नहीं हैं। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव हो सकता है। दिन का अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। वहीं, रात के तापमान में धीरे-धीरे कमी शुरू हो गई है, जिससे सुबह और रात में मौसम पहले की तुलना में सुहावना महसूस हो रहा है। मानसून में सामान्य से 1% कम बारिश आगरा में इस मानसून सीजन में सामान्य से 3.1 मिमी कम बारिश हुई। 1 जून से 30 सितंबर के बीच जिले में 530.3 मिमी बारिश सामान्य मानी जाती है, जबकि 527.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। मानसून के बाद भी बारिश का दौर लगभग थमा हुआ है। 1 से 4 अक्टूबर के बीच 3.6 मिमी बारिश सामान्य थी, लेकिन इन चार दिनों में बारिश नहीं हुई। इसके चलते दिन के तापमान में बढ़ोतरी बनी हुई है। रात का तापमान गिरा मौसम में बदलाव का असर रात के तापमान पर दिखने लगा है। रविवार को अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को अधिकतम तापमान भी 37.6 डिग्री रहा था, जबकि न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस था।

SIT की पूछताछ में गोविंद शर्मा ने उगले कई राज बोला-पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन वसूली के लिए बना

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर । नगर निगम में टेंडर और फर्म घोटाले के आरोपी ठेकेदार गोविंद शर्मा से एसआईटी की पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं। नोटिस मिलने के बाद दूसरी बार बयान दर्ज कराने स्वरूप नगर थाने पहुंचे सिंडिकेट के सरगना गोविंद शर्मा से एसआईटी ने करीब डेढ़ घंटे में 20 से अधिक सवाल पूछे। सूत्रों के मुताबिक, पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन पर गोविंद ने वसूली का आरोप लगाया है। उसने बताया कि पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन वसूली के लिए बना है। बिना कमीशन दिए अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं मिलता है। अधिकतम विकास कार्य पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन से जुड़े पार्षदों के इलाकों में ही होते थे। पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन वसूली के लिए बना एसआईटी की पूछताछ में गोविंद ने बताया कि अगर कोई दो वार्डों से गुजरने वाली सड़क बनाई जा रही है तो दोनों वार्डों के पार्षद एसोसिएशन के जरिए पैसे मिलने के बाद ही नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (ठडउ) देते थे। गोविंद ने कई भ्रष्ट पार्षदों और इस पूरे सिंडिकेट से जुड़े अहम लोगों के नाम बताए हैं। खुद को बेगुनाह बताते हुए कहा कि नगर निगम में बिना रिश्वत दिए कोई काम नहीं होता है। टेंडर की कुल रकम का 40 प्रतिशत हिस्सा पार्षदों से लेकर चीफ इंजीनियर तक के अधिकारियों में बांटा जाता है। ठेकेदार 20 प्रतिशत हिस्सा लेता है और बाकी रकम से काम पूरा किया जाता है। हॉट मिक्स प्लांट समेत बैंक स्टेटमेंट का मांगा ब्योरा पूछताछ के दौरान रक्ळ ने गोविंद शर्मा से पूछा कि उसके पास हॉट मिक्स प्लांट के लिए कौन-कौन सी मशीनरी उपलब्ध है। इसके साथ ही प्लांट के अभिलेख, उनके रिन्युअल के रिकॉर्ड और नगर निगम में ठेके के रजिस्ट्रेशन के दौरान जमा किए गए दस्तावेजों की जानकारी भी मांगी गई। पुलिस ने उसकी फर्म, बैंक स्टेटमेंट, त्र्रूळ और इनकम टैक्स के रिकॉर्ड के साथ कराए गए कार्यों के क्वालिटी सर्टिफिकेट समेत अन्य जरूरी जानकारियां भी मांगी हैं। साथ ही नगर निगम के कर्मचारियों और अधिकारियों की संलिप्तता के बारे में जानकारी ली गई, लेकिन इस बार भी टेंडर और बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज साथ नहीं लाया था। ADCP सेंट्रल डॉ. अर्चना सिंह ने बताया कि गोविंद शर्मा को नोटिस देकर बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। उससे फर्म और हॉट मिक्स प्लांट से जुड़े दस्तावेजों के अलावा वित्तीय लेन-देन और कराए गए कार्यों के प्रमाण पत्र मांगे गए हैं। हालांकि, वह मुकदमे से संबंधित अभिलेख लेकर नहीं पहुंचा। उसने तबीयत खराब होने की बात कहते हुए 2 से 3 दिन में सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

आगरा में सपा की बैठक में 2 नेता भिड़े उएउ ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रणनीति बना रहे थे, ढउअ चौपाल को लेकर विवाद हुआ

प्रात: किरण संवाददाता

आगरा। के बाह में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन की रणनीति बनाने के लिए रविवार शाम 6 बजे सपा की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक के दौरान दो नेता आपस में भिड़ गए। बताया गया है कि जैतपुर में 11 सितंबर को हुई पीडीए चौपाल को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हुई। विवाद बढ़ने पर हाथापाई की नौबत आ गई। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। 7 अक्टूबर को सपा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ घेराव प्रदर्शन की तैयारी कर रही है। इसी सिलसिले में बिजौली गांव में एसएस गार्डन में बैठक हुई थी। स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को प्रदर्शन से जुड़ी जिम्मेदारियां देने और अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी को लेकर चर्चा की जा रही थी। बैठक में सपा के जिला उपाध्यक्ष सुधीर दुबे, मुकेश बरुआ समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। इसी दौरान जैतपुर में आयोजित पीडीए चौपाल कार्यक्रम को लेकर चर्चा शुरू हुई। सुधीर दुबे और मुकेश बरुआ ने कार्यक्रम को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। पहले कहासुनी हुई और इसके बाद दोनों के बीच झड़प शुरू हो गई। माहौल बिगड़ने पर समर्थक भी आमने-सामने आ गए। वायरल वीडियो में दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच खींचतान और हाथापाई जैसी स्थिति दिखाई दे रही है। कार्यकताओं ने किसी तरह दोनों पक्षों को अलग किया। मुकेश बोले- कार्यकताओं के बीच कहासुनी हुई विवाद को लेकर मुकेश बरुआ ने कार्यकताओं के बीच कहासुनी और विवाद होने की बात स्वीकार की। हालांकि, उन्होंने सुधीर दुबे से किसी व्यक्तिगत विवाद से इनकार किया। वहीं, सुधीर दुबे ने कहा कि पार्टी में लोकतंत्र है। कार्यकताओं के बीच इस तरह की बातें सामान्य हैं। उन्होंने किसी व्यक्तिगत विवाद की बात से इनकार किया।= फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर पार्टी के स्थानीय कार्यकताओं के बीच चर्चा है। दोनों नेताओं ने मामले को व्यक्तिगत विवाद के रूप में स्वीकार नहीं किया है। टिकट की दावेदारी को लेकर भी मनमुटाव की चर्चा बैठक में हुए विवाद को लेकर पार्टी नेताओं के बीच टिकट की दावेदारी को लेकर मनमुटाव की भी चर्चा है।

संक्षिप्त खबरें

गांवों में सफाई, एंटी-लार्वा छिड़काव व फॉगिंग से संचारी रोगों पर वार

अमरोहा। संचारी रोग नियंत्रण अभियान-2026 के तहत जिले में पंचायती राज विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 12 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य वेक्टर जनित एवं अन्य संचारी रोगों के साथ दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण करना है। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, कूड़े का उचित निस्तारण, एंटी-लार्वा छिड़काव और फॉगिंग कराई जा रही है। इसके साथ ही जलभराव रोकने, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता एवं क्लोरीनेशन सुनिश्चित करने तथा घरों और कूलरों में गंदा पानी जमा न होने देने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जागरूकता रैलियां, पोस्टर, स्कूलों में क्विज एवं शपथ ग्रहण सहित विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। ग्रामीणों को भोजन से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोने, स्वच्छ पेयजल का प्रयोग करने, खुले में शौच न करने तथा खुले या दूषित भोजन से बचने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। घरों से निकलने वाले कूड़े का पृथक्करण कर आरआरसी सेंटर तक पहुंचाने के लिए भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को ग्राम पंचायत पतेई खालसा, अटेरना, कपसुआ, मुबारकपुर नूरी और बुढ़नपुर में मुख्य मार्गों की सफाई कराई गई। ग्राम पंचायत लोदीपुर बंजारा, फरीदपुर इम्मा, सगरथली और कुम्महरिया में एंटी-लार्वा का छिड़काव कराया गया। वहीं ढवारसी, सैदपुर इम्मा, खालकपुर कला, सिकनदराबाद और गुरेठा आदि ग्राम पंचायतों में फॉगिंग कराई गई। अधिकारियों ने अभियान के दौरान ग्रामीणों से स्वच्छता बनाए रखने और अपने आसपास पानी जमा न होने देने की अपील की है।

स्वदेशी गाय पालकर आत्मनिर्भर बन रहीं दीपा चौहान

लोनी। जनपद गाजियाबाद के ग्राम करेड़ा की पशुपालक दीपा चौहान ने मुख्यमंत्री स्वदेशी गो संवर्धन योजना का लाभ लेकर पशुपालन को नई दिशा दी है। योजना के तहत उन्होंने दो स्वदेशी गाय खरीदी हैं। इनमें एक साहीवाल और दूसरी गिर नस्ल की गाय है। वर्ष 2024-25 में दीपा चौहान ने पशुचिकित्सालय भोपुरा के माध्यम से मुख्यमंत्री स्वदेशी गो संवर्धन योजना के लिए आवेदन किया था। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उन्होंने करीब दो लाख रुपये की लागत से प्रदेश के बाहर से दो स्वदेशी गाय खरीदीं। घर पर गायों के रहने के लिए उचित व्यवस्था भी की। योजना के तहत उन्हें 80 हजार रुपये का सरकारी अनुदान मिला। दीपा दोनों गायों का बेहतर तरीके से पालन-पोषण कर रही हैं। उनका कहना है कि स्वदेशी गायों का दूध पौष्टिक होने के साथ बाजार में इसकी मांग है। पशुपालन से परिवार की आय बढ़ाने में भी मदद मिल रही है। दीपा का परिवार छोटा है। उनका एक बेटा और एक बेटी है, जो स्कूल में पढ़ते हैं। योजना का लाभ मिलने से खुश दीपा ने सरकार का आभार जताया। उन्होंने क्षेत्र के अन्य पशुपालकों से भी स्वदेशी गाय पालने और योजना का लाभ उठाने की अपील की।

अमरोहा के उद्योग जगत को मिला नया मंच, वैभव अग्रवाल संभालेंगे आई.आई.ए. की कमान

उद्यमियों ने रखीं समस्याएं, आई.आई.ए. पदाधिकारियों ने हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

औद्योगिक विकास, नेटवर्किंग और सरकारी योजनाओं का लाभ उद्यमियों तक पहुंचाने पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता, इकरामददीन मलिक

अमरोहा / मंडी धनौरा। जिले के उद्यमियों को एकजुट कर उनकी औद्योगिक एवं व्यावसायिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराने की दिशा में शनिवार देर रात गजरौला स्थित होटल सुखदेव में आई.आई.ए. अमरोहा चैप्टर के तत्वावधान में इंडस्ट्री कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आई.आई.ए.) के नए अमरोहा चैप्टर के गठन की औपचारिक शुरूआत की गई। इस दौरान नोरेक्स फ्लेवर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक वैभव अग्रवाल को सर्वसम्मति से आई.आई.ए. अमरोहा चैप्टर का चेयरमैन मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में आई.आई.ए. के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव बंसल और डिविजनल चेयरमैन गोपाल मेहता सहित मुरादाबाद, बिजनौर, संभल और रामपुर के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। अमरोहा जिले से सम्राट अग्रवाल, अभिषेक जैन, दिव्यांशु अग्रवाल, नीलांशु अग्रवाल, अंकित गुप्ता, अमोल अग्रवाल और मनु अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में उद्यमियों ने सहभागिता की। नवनिर्वाचित चेयरमैन वैभव अग्रवाल ने कहा कि अमरोहा जिले में औद्योगिक गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं और विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमी रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर उद्यमियों की समस्याओं को एकजुट होकर संबंधित विभागों के समक्ष रखने तथा उनके समाधान के लिए संगठित मंच की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उन्होंने कहा कि आई.आई.ए. अमरोहा चैप्टर के माध्यम से उद्यमियों को ऐसा गैर-राजनीतिक और समाधान केंद्रित मंच उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा, जहां उनकी समस्याओं पर सामूहिक रूप से विचार कर संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया जा सके। उन्होंने कहा कि एमएसएमई एवं अन्य औद्योगिक इकाइयों को बिजली आपूर्ति, प्रदूषण नियंत्रण, जीएसटी, श्रम अनुपालन, फायर एनओसी, बैंकिंग तथा विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन विषयों पर उद्यमियों की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर समाधान की दिशा में प्रभावी पहल की जाएगी। कार्यक्रम में आयोजित ओपन हाउस सत्र के दौरान उद्यमियों ने संगठन की कार्यप्रणाली, सदस्यता प्रक्रिया, चैप्टर के गठन तथा प्रशासनिक समन्वय से जुड़े विभिन्न सवाल रखे। आई.आई.ए. के राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने उद्यमियों के सवालों का जवाब देते हुए उनकी समस्याओं के समाधान में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में जिले के उद्योगों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने, तकनीकी एवं व्यावसायिक ज्ञान के आदान-प्रदान, नेटवर्किंग को मजबूत करने तथा नए कारोबारी अवसरों का सृजन करने पर भी चर्चा हुई।

जनपद बिजनौर में आपदा प्रबंधन हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ: स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को दिया गया प्रशिक्षण

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर : जनपद बिजनौर में आपदा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता फैलाने और क्षमता विकास के उद्देश्य से सोमवार को सिटी बैंक्विट हॉल (निकट राम का चौराहा) में तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह के निर्देशों पर आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यशाला आगामी 7 अक्टूबर तक संचालित होगी। कार्यशाला के पहले दिन राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ठ्फ्छट) से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं– जैसे भूकंप, बाढ़, अग्निकांड और आकाशीय बिजली–से बचाव, पूर्व तैयारियों तथा आपातकालीन सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनरों ने प्रतिभागियों को आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया और प्राथमिक उपचार (प्र३२३ अ्) का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। महिलाओं को स्थानीय स्तर पर मौजूद संसाधनों के प्रभावी उपयोग से अपने और परिवार के बचाव के गुर सिखाए गए। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आपदा जोखिम न्यूनीकरण (क्रफ्र) में सक्रिय भागीदार बनाकर सामुदायिक स्तर पर आपदा प्रबंधन को मजबूत करना है। आगामी दो दिनों में भी विभिन्न विषयों पर व्यवहारिक सत्र आयोजित किए जाएंगे ताकि ये महिलाएं अपने-अपने क्षेत्रों में आपदा जागरूकता की मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य कर सकें। जिला प्रशासन ने आमजन से आपदा के समय घबराने के बजाय सतर्क रहने और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। वहीं, प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं ने इस पहल को अपने दैनिक जीवन व सामाजिक सुरक्षा के लिए बेहद उपयोगी बताया। इस अवसर पर आपदा विशेषज्ञ प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. प्रतीक, अग्निशमन विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं।

मानदेय वृद्धि और 10 लाख के बीमे की माँग को लेकर उग्र हुई समूह सखियाँ, विकास भवन में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौरः विकास भवन परिसर सोमवार को उस समय नारों की गूँज से थर्रा उठा, जब राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ठ्फ्छट) से जुड़ी सैकड़ों ह्यसमूह सखियाँह्न अपनी विभिन्न माँगों को लेकर सड़कों पर उतर आईं। ह्यमहिला शक्ति संगठनह्न के बैनर तले जिले के कौने-कौने से जुटी महिलाओं ने विकास भवन में जोरदार प्रदर्शन किया और शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री को संबोधित 5 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। 2,000 में कैसे चले घर? 22,000 मानदेय की माँग प्रदर्शनकारी महिलाओं को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में उन्हें मात्र 2,000 प्रति माह का मानदेय दिया जा रहा है। विभागीय बैठकों और ग्रामीण क्षेत्रों के दौरों में ही इससे अधिक राशि किराया-भाड़ा और कागजी कार्यवाही में खर्च हो जाती है। महँगाई के इस दौर में इतने कम मानदेय पर काम करना असंभव हो गया है। समूह सखियों ने एक स्वर में मानदेय बढ़ाकर 22,000 प्रति माह करने की माँग रखी। ज्ञापन में शामिल प्रमुख 5 माँगें: * नियुक्ति व पहचान पत्रः सभी कैडर समूह सखियों को शासन स्तर से औपचारिक नियुक्ति पत्र, यूनिफॉर्म (ड्रेस) और आधिकारिक आई.डी. कार्ड जारी किया जाए।

* मोबाइल व डिजिटल सुविधाः ह्यलोकोश ऐपह्न व अन्य ऑनलाइन शासकीय कार्य निपटाने के लिए सभी सखियों को स्मार्टफोन उपलब्ध कराया जाए।

* 10 लाख का दुर्घटना बीमाः कार्यक्षेत्र में सुरक्षा के दृष्टिगत 10 लाख रुपये के निःशुल्क दुर्घटना बीमे का प्रावधान हो।

* कैशलेस इलाजः समूह सखियों और उनके आश्रितों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू की जाए।

जिले के सभी ब्लॉकों से उमड़ा हुजूम

प्रदर्शन में हल्दौर, नहटौर, धामपुर, जलीलपुर, कोतवाली, नजीबाबाद, स्योहारा, अफजलगढ़ और नूरपुर समेत जिले के सभी प्रमुख ब्लॉकों की महिलाओं ने हिस्सा लिया। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी जायज माँगों पर विचार नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगी।

प्रदर्शन में ये रहीं शामिलः

इस दौरान राजकुमारी, सुनीता, पूनम राजपूत, कविता, अंकिता, माया देवी, साक्षी, शबाना, राखी, ललिता, फातिमा परवीन, पिंकी, प्रवीना, रीना, बबीता, स्वाति, प्रेमलता, मीनाक्षी, जूही, चित्रा, सरोज रानी, सुनीता सैनी सहित भारी संख्या में समूह सखियाँ उपस्थित रहीं।

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर, कार्यकताओं को गांव-गांव जनसंपर्क का दिया लक्ष्य

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। सुभासपा की मासिक बैठक सोमवार को रौनक वाटिका के पीछे स्थित पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मंथन किया गया। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करें। ग्रामीण क्षेत्रों में जन चौपाल आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनने के साथ ही उन्हें पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और निरंतर जनसंपर्क अभियान के जरिए संगठन को नई मजबूती मिलेगी। आगामी विधानसभा चुनाव के संबंध में जिलाध्यक्ष ने कहा कि अमरोहा विधानसभा सीट सुभासपा के खाते में लेने के लिए पार्टी हाईकमान के समक्ष मजबूती से पैरवी की जाएगी। इसके लिए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और क्षेत्र में पार्टी की सक्रियता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। बैठक में कार्यकर्ताओं ने संगठन विस्तार को लेकर अपने सुझाव भी रखे। इस दौरान कोषाध्यक्ष आदेश अमरोही, मंत्री प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह बग्गा, जुबैर अहमद, जिला महासचिव डॉ. जगत सिंह गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष जसवीर सिंह चौहान, विनीत चौहान, आकाश कश्यप, राहुल पाल, जितेंद्र सिंह राणा, ब्लॉक अध्यक्ष गजरौला खालिद नाजिम, विधानसभा अध्यक्ष अमरोहा धर्मपाल सिंह, रामगोपाल जाटव, अनिल कुमार, पदम सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष अमरोहा चंद्रसेन खड्गवंशी, करण सिंह आदि मौजूद रहे।

लोकतंत्र और वोट बचाने को सपा कार्यकताओं ने निकाला पैदल मार्च

महबूब अली बोले–निर्वाचन आयोग के संस्थागत कब्जे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाकर कानूनी कार्रवाई की जाए

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर रविवार को सदर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री महबूब अली के नेतृत्व में लोकतंत्र बचाओ, वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत पैदल मार्च निकाला गया। बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता महबूब अली के कैम्प कार्यालय 550-बी, दानिशमंदान पर एकत्र हुए। यहां से कार्यकर्ताओं ने कोट चौराहा होते हुए गांधी मूर्ति तक पैदल मार्च किया। इस दौरान सदर विधायक महबूब अली ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के संस्थागत कब्जे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाया जाना चाहिए तथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 326 लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर कराए जाने की व्यवस्था करता है। इसका अर्थ है कि देश में एक व्यक्ति-एक मत की नीति है और प्रत्येक मतदाता के मत का समान महत्व है। उन्होंने कहा कि जाति, लिंग, धर्म, भाषा तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आधार पर मताधिकार में भेदभाव नहीं किया जा सकता। 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त है। महबूब अली ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार और चुनाव आयोग द्वारा संविधान के अनुच्छेद 326 का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। पैदल मार्च में जाहिद चेयरमैन, रिजवान प्रधान, शशिकांत गोयल, बॉबी भगत सिंह, नासिर फूलतार, इकरार अंसारी, मुख्तार नकवी, नसीम खां, मौ. मियां प्रधान, मुंशाद मेंबर, तौसीब चढ़ेण, मोहम्मद आसिम, लाल सिंह सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा संकल्प एवं सेवा सेतु अभियान के तहत स्योहारा में सात दिवसीय ब्लॉक स्तरीय मेले का शुभारंभ

भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिसोदिया व ब्लॉक प्रमुख उज्वल चौहान ने किया उद्घाटन, विभिन्न विभागों ने लगाए स्टॉल

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। सेवा संकल्प एवं सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत शनिवार को विकासखंड स्योहारा में सात दिवसीय ब्लॉक स्तरीय मेले का शुभारंभ किया गया। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस स्योहारा में आयोजित मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिसोदिया तथा विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख स्योहारा उज्ज्वल चौहान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मेला 3 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। मेले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, पशुपालन, कृषि, शिक्षा, सोलर, पंचायती राज, समाज कल्याण समेत विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विभागीय सेवाओं तथा पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया भी समझाई। सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बीके स्नेही के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगाए गए स्टॉल पर लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। इस दौरान विशेष जांच शिविर आयोजित कर लोगों को दवाओं का वितरण भी किया गया। डॉ. स्नेही ने बताया कि सरकार द्वारा मिशन इंद्रधनुष, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आयुष्मान भारत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, ई-संजीवनी, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, राष्ट्रीय डायलिसिस, टीबी मुक्त भारत तथा संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान सहित विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार कार्य कर रहा है। इस अवसर पर अतिथियों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी ली। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम भी कराया गया। साथ ही नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं को मुख्य अतिथि द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि राजीव सिसोदिया ने कहा कि सरकार द्वारा जन-जन के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। हर घर शौचालय, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड और गरीबों को मुफ्त राशन जैसी योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में लोगों को मिल रहा है। उन्होंने लोगों से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। ब्लॉक प्रमुख उज्वल चौहान ने कहा कि मेले का मुख्य उद्देश्य दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी विभागों की सेवाएं और योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी आसानी से मिलती है।

सफाई मित्रों के आयुष्मान कार्ड के लिए विशेष शिविर आयोजित

नमस्ते योजना के तहत नगर पालिका परिसर में कराया गया पंजीकरण, स्वास्थ्य सुविधाओं की दी जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अंतर्गत नमस्ते योजना के तहत सोमवार को नगर पालिका परिषद अमरोहा परिसर में सफाई मित्रों के आयुष्मान कार्ड के लिए विशेष पंजीकरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य पालिका में कार्यरत पात्र सफाई मित्रों को शासन की स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना और उन्हें आयुष्मान कार्ड का लाभ दिलाना रहा। शिविर के दौरान नगर पालिका में कार्यरत सफाई मित्रों का आवश्यक सत्यापन कर आयुष्मान कार्ड के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कराई गई। संबंधित टीम ने सफाई मित्रों को आयुष्मान कार्ड की उपयोगिता तथा योजना के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी। नगर पालिका प्रशासन ने बताया कि नमस्ते योजना के माध्यम से सफाई मित्रों को स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में लाने के साथ उनके स्वास्थ्य, कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए इस तरह के शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे। शिविर में अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार, डीपीएम नदीम अख्तर, ओएस असद जमाल, सफाई निरीक्षक जगत सिंह, अमर कुमार वाल्मीकि, आईटीसी मिशन सुनहरा कल के कोऑर्डिनेटर यशपाल सिंह, जियोस्टेट से निखिल कुमार समेत नगर पालिका के समस्त सफाई नायक एवं सफाई मित्र मौजूद रहे।

शाहजहांपुर रेलवे कॉलोनी व मालगोदाम में हुआ श्रमदान, स्वच्छता का दिया संदेश

स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के तहत सांसद मिथिलेश कठेरिया ने रेल कर्मचारियों व एनआरएमयू पदाधिकारियों के साथ किया श्रमदान

प्रात: किरण संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत सभी रेलवे स्टेशनों पर व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को शाहजहांपुर रेलवे कॉलोनी एवं स्टेशन के मालगोदाम क्षेत्र में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य रेलवे परिसरों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और साफ-सफाई बनाए रखने के लिए सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद मिथिलेश कठेरिया ने सहभागिता करते हुए श्रमदान किया। उनके साथ शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, स्टेशन अधीक्षक, वाणिज्य निरीक्षक, पार्सल अधीक्षक सहित रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी तथा एनआरएमयू के पदाधिकारियों ने भी उत्साहपूर्वक श्रमदान किया। इस दौरान रेलवे कॉलोनी और मालगोदाम क्षेत्र में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों और यूनियन पदाधिकारियों ने रेलवे परिसरों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। सांसद मिथिलेश कठेरिया ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के लिए सामूहिक सहभागिता और जनभागीदारी जरूरी है। स्वच्छता केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी से ही स्वच्छ वातावरण का निर्माण संभव है। रेल प्रशासन की ओर से बताया गया कि रेलवे स्टेशनों, कॉलोनियों और अन्य परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सफाई अभियान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शाहजहांपुर में आयोजित श्रमदान कार्यक्रम के माध्यम से भी सामूहिक जिम्मेदारी और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

गुरु वंदन छात्र अभिनंदन में गुरुजनों और मेधावी छात्रों का सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। भारत विकास परिषद मैत्री शाखा अमरोहा द्वारा सोमवार को अपने स्थायी प्रकल्प ह्यगुरु वंदन छात्र अभिनंदनह्न के अंतर्गत अतरासी रोड स्थित सर्वोदय सरस्वती एकेडमी में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गुरुजनों को मोमेंटो एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया, जबकि छात्रों को मेडल व प्रशस्तिपत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कावेरी सक्सेना ने किया। इस अवसर पर संदीप मालीवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए शिक्षा, संस्कार और गुरुजनों के मार्गदर्शन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को मेहनत और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन समिति के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनुपम अग्रवाल, मनु कमल, अरुण रस्तोगी, अतुल सक्सेना, अचल अग्रवाल, योगेश मालीवाल, ममता अग्रवाल, चारु शर्मा, रुचि, वर्षा माहेश्वरी, निमित्त सक्सेना, विकास माहेश्वरी, प्रबोध रस्तोगी सहित परिषद के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

तुर्की इंटर कॉलेज पलौला के सौंदर्यीकरण व भवन निर्माण को 48 लाख रुपये की धनराशि

विधायक महबूब अली ने विद्यालय को अलंकार योजना में शामिल कराने के बाद धनराशि स्वीकृति के लिए लिखा पत्र

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। सदर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा उत्तर प्रदेश लोक लेखा समिति के सभापति महबूब अली ने तुर्की इंटर कॉलेज पलौला को अलंकार योजना में शामिल कराने के उपरांत विद्यालय के सौंदर्यीकरण एवं भवन निर्माण के लिए विधायक निधि सहित कुल 48 लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा है। सोमवार को अपने कैंप कार्यालय 550-बी, दानिशमंदान अमरोहा पर उन्होंने विद्यालय के विकास कार्यों को लेकर संबंधित प्रक्रिया आगे बढ़ाई। इस दौरान विधायक महबूब अली ने कहा कि विद्यालय में सौंदर्यीकरण एवं निर्माण कार्य होने से छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। बच्चे केवल परिवार और समाज ही नहीं, बल्कि देश का भविष्य भी हैं। इसलिए बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पढ़ा-लिखा समाज ही प्रगति करता है। आने वाले समय में यही बच्चे शिक्षा प्राप्त कर देश और समाज का नाम रोशन करेंगे। समाज में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है और शिक्षित समाज के माध्यम से ही देश की उन्नति संभव है। श्री अली ने तुर्की इंटर कॉलेज के प्रबंधक एवं स्टाफ को आश्वस्त किया कि 48 लाख रुपये की धनराशि से यदि विद्यालय में कोई कार्य शेष रह जाता है तो आगे भी विधायक निधि से विद्यालय के सौंदर्यीकरण एवं विकास के लिए आवश्यक कार्य कराए जाएंगे। इस अवसर पर तुर्की इंटर कॉलेज के प्रबंधक, प्रधानाचार्य सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास के जाल में फंसाकर 70 लाख की ठगी, पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

खास बातें:

* बीमारी का डर और ह्ययक्ष की मौतह्न का खौफ दिखाकर रची गई ठगी की साजिश
* पीड़ित परिवार से तंत्र-मंत्र और पूजा-पाठ के नाम पर ऐंठे 70 लाख रुपये से अधिक
* पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

बिजनौर : अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र का डर दिखाकर लाखों रुपये ऐंठने वाले एक बड़े गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। बीमारी और मौत के खौफ में डालकर एक परिवार से करीब 70 लाख रुपये ठगने के मामले में पुलिस ने चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

बीमारी और मौत का डर दिखाकर बनाया शिकार

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने पीड़ित परिवार के सदस्यों की गंभीर बीमारी और घर में किसी अनहोनी (यक्ष की मौत का भय) का झूठा डर दिखाया था। गिरोह ने परिवार को विश्वास में लिया कि यदि विशेष पूजा-पाठ और तंत्र-मंत्र का अनुष्ठान नहीं कराया गया, तो उनके परिवार पर भारी विपत्ति आ सकती है।

70 लाख रुपये से अधिक की ठगी

अंधविश्वास के भंवर में फंसे पीड़ित परिवार ने आरोपियों के झांसे में आकर समय-समय पर तंत्र-मंत्र के नाम पर मोटी रकम देना शुरू कर दिया। आरोपी लगातार अलग-अलग अनुष्ठानों और बलि/पूजा के बहाने पैसे ऐंठते रहे, जिसकी कुल राशि 70 लाख रुपये से भी अधिक पहुंच गई।

पुलिस की कार्रवाई और खुलासा

जब पीड़ित परिवार को ठगी का अहसास हुआ, तो उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी सर्विलांस और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के पास से घटना से जुड़े अहम दस्तावेज और अन्य वस्तुएं बरामद की गई हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों के अन्य नेटवर्क और उनके बैंक खातों की पड़ताल कर रही है ताकि ठगी की रकम बरामद की जा सके।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, मंगलवार, 06 अक्टूबर, 2026

हॉरर-कॉमेडी से डेब्यू करेंगे गोविंदा के बेटे यशवर्धन

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही बतौर अभिनेता हिंदी सिनेमा में अपनी पारी शुरू करने जा रहे हैं। उनकी पहली फिल्म ओरिजिनल हॉरर-कॉमेडी है, जिसे साजिद खान करीब एक दशक बाद निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी के साथ फैमिली ड्रामा भी कहानी का हिस्सा है। फिल्म का निर्माण अमर बुटाला कर रहे हैं और बालाजी इसके स्टूडियो पार्टनर हैं।

कहानी का संसार काल्पनिक जगह पर बेस्ड होगी

फिल्म की सेटिंग भी इसके जॉनर की तरह अलग है। कहानी किसी वास्तविक शहर या गांव की लोककथा पर आधारित नहीं है, बल्कि एक काल्पनिक छोटे गांव में घटती है। यहां किसी वास्तविक जगह से जुड़ी मान्यता, किंवदंती या स्थानीय हॉरर स्टोरी को आधार नहीं बनाया गया है। इस लिहाज से फिल्म का सिनेमाई संसार पूरी तरह फिक्शनल है। हॉरर को किसी खास वास्तविक जगह से जोड़ने के बजाय कहानी के किरदारों और उनके पारिवारिक हालात से पैदा किया गया है। इसलिए इसे पारंपरिक लोककथा आधारित हॉरर के बजाय फैमिली-सिचुएशनल हॉरर-कॉमेडी के तौर पर देखा जा सकता है।

नौकरीपेशा युवक का किरदार प्ले करेंगे यशवर्धन

यशवर्धन फिल्म में एक नौकरीपेशा युवक की भूमिका निभा रहे हैं। उसकी जिंदगी की एक बड़ी समस्या शादी है। शादी नहीं हो पाने की वजह से वह निजी और पारिवारिक दबाव से गुजर रहा है। यही स्थिति कहानी में कॉमेडी और फैमिली ड्रामा की जमीन तैयार करती है। इसके बाद कहानी किस तरह हॉरर की तरफ बढ़ती है, यह फिल्म का सस्पेंस है। मेकर्स ने फिलहाल इस हिस्से को जानबूझकर छिपाकर रखा है।

एक दशक बाद साजिद खान की निर्देशन में वापसी

साजिद खान की यह फिल्म उनके निर्देशन करियर के लिहाज से कमबैक प्रोजेक्ट है। 'हे बेबी' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों से कॉमेडी जॉनर में पहचान बनाने वाले साजिद इस बार सिर्फ कॉमेडी पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने हॉरर, कॉमेडी और फैमिली ड्रामा को एक ही कहानी में पिरोया है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले पर साजिद खान के साथ अन्य लेखक भी काम कर रहे हैं। यह किसी फिल्म का रीमेक नहीं, बल्कि ओरिजिनल कहानी है।

5 साल बाद पर्दे पर तनिशा मुखर्जी की वापसी

मुंबई पाँच साल बाद तनिशा मुखर्जी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और इस बार उनके साथ है फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की कहानी ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है। मार्गाओ फाइल्स की सफलता के बाद कपिल अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो पूरी तरह ज़िंदगी के छोटे-बड़े पलों से जुड़ी है और कई दशकों का सफर तय करती है। यह फिल्म दिखाती है कि वक्त के साथ इंसान, रिश्ते और जज़्बात किस तरह बदलते जाते हैं।

मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म 1990 के दशक से लेकर 2025 तक का सफर तय करती है और इसमें रोमांस, ह्यूमर और इंसानी जज़्बात का खूबसूरत मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के सेंटर में हैं तनिशा मुखर्जी, जिनका किरदार ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। कपिल के लिए तनिशा को कास्ट करना सिर्फ किसी जाने-पहचाने चेहरे को दोबारा पर्दे पर लाने की बात नहीं थी, बल्कि ऐसे एक्टर की तलाश थी, जो अलग-अलग उम्र के पड़ावों में इस किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ जी सके। तनिशा की वापसी और फिल्म के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर कपिल कौस्तुभ शर्मा कहते हैं, तनिशा एक ऐसी एक्टर हैं जिनमें एक खास तरह की इमोशनल क्वालिटी है, जो इस किरदार के लिए बहुत जरूरी थी। कहानी ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि कोई ऐसा कलाकार हो, जो इस सफर में ईमानदारी और गहराई ला सके। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए एक बहुत पर्सनल फिल्म है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम ज़िंदगी की खूबसूरती के बारे में है और मुझे लगता है कि तनिशा ने इस किरदार में एक बेहद खास संवेदनशीलता लाई है।

फिल्म में कपिल की कोशिश सिर्फ कहानी सुनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि असली माहौल और असली लोकेशन्स को पर्दे पर उतारने की भी है। फिल्म के कई हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई और दादर पारसी कॉलोनी के ऑथेंटिक पारसी घरों में की गई है। फिल्म को डेवलप करते वक्त कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ भी करीब से काम किया, ताकि फिल्म में उनकी संस्कृति, तौर-तरीके और बोलचाल का अंदाज़ पूरी तरह असली महसूस हो। डिटेलिंग पर यह खास ध्यान कपिल के फिल्ममेकिंग अप्रोच का हिस्सा रहा है। अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो से अपने डेब्यू से लेकर डन्नो वाय ना जाने क्यों, डन्नो वाय 2... लाइफ इज़ अ मोमेंट और लव इज़ लव जैसी फिल्मों तक, कपिल ने अलग-अलग विषयों और फॉर्मेट्स में कहानियां कही हैं। लेकिन उनकी कहानियों में इंसानी रिश्ते हमेशा एक अहम हिस्सा रहे हैं। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है में कपिल ने कई जिम्मेदारियां अपने कंधों पर ली हैं। फिल्म को लिखने और डायरेक्ट करने के साथ-साथ वह इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। वह फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसका सफर अलग-अलग उम्र के पड़ावों से होकर गुजरता है। इसी वजह से कहानी के बड़े उम्र वाले हिस्सों के लिए उन्हें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से भी गुजरना पड़ा है।

इस फिल्म के पीछे कपिल की अपनी सिनेमाई यादों का भी खास कनेक्शन है। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है नाम 1978 की फिल्म खट्टा मीठा के मशहूर गाने से इंस्पायर है। यही वह फिल्म थी, जिसने कपिल को बचपन में पर्दे पर पारसी दुनिया से रूबरू कराया था। फिल्म की एन्सेम्बल कास्ट में तनिशा मुखर्जी के साथ सुष्मिता मुखर्जी, कितू गिडवानी, परवीन दस्तूर, डेलनाज़ ईरानी, तनाज़ ईरानी, शाहरुख सिरस ईरानी, डॉली ठाकोर और अनन्या दत्ता नजर आएंगी। कपिल के लिए यह फिल्म एक ऐसी कहानी कहने का मौका है, जो शोर-शराबे से दूर थोड़ी शांत, ज्यादा इमोशनल और रिश्तों के करीब है। साथ ही, इसके जरिए मुंबई और उसकी पारसी कम्युनिटी की एक ऑथेंटिक झलक भी बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है को थिएट्रिकल रिलीज़ से पहले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सर्किट में भी ले जाने की तैयारी है।

रिपोर्टिंग लाइव : पत्रकार बन अवैध रेत खनन का पर्दाफाश करने निकलीं परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'शक- ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी आगामी फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' की भी खूब चर्चा है और आज शनिवार को इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। अभिनेत्री इस बार खनन माफियाओं का पर्दाफाश करने निकली हैं। मगर, मंजिल आसान नहीं है।

जनता की आवाज बन सवाल पूछने निकलीं परी

ट्रेलर की शुरुआत में परिणीति चोपड़ा को दिखाया गया है। पत्रकार के रूप में वे एक अधिकारी का साक्षात्कार करने पहुंची हैं। एक दुर्घटना का जिक्र करती हैं। अधिकारी लापरवाही से कहता है, 'पुराना पुल था। दुर्घटना हो गई। आप रिपोर्टर एक ही चीज को कितनी बार रगड़ोगे'। दूसरा सवाल होता है, इस वक्त आपके जिले में अवैध रेत खनन की क्या स्थिति है? यह सुन अधिकारी चौंक जाता है और कहता है, 'अवैध खनन को रोकने के लिए कानून बनाया है। कोई सवाल ही नहीं है'। ब्राउन गोल्ड का अवैध कारोबार परिणीति चोपड़ा एक खोजी पत्रकार के रूप में नजर आई हैं। वे अपनी इन्वेस्टिगेशन पर निकलती हैं। मगर, माफियाओं का खौफ है। रिपोर्टिंग के दौरान उन्हें सतर्क किया जाता है कि कैमरा दिख गया तो मारे जाएंगे। वे चौंकती हैं। रेत के लिए? तब उन्हें बताया जाता है कि 'यह ब्राउन गोल्ड है मैडम। इसे मामूली मत समझिए'। धीरे-धीरे अवैध रेत खनन और माफियाओं की मनमानी को लेकर और परतें खुलती हैं। सबूत मिलते हैं। कागजात मिलते हैं। साथ ही होते हैं हमले।

कब रिलीज होगी 'रिपोर्टिंग लाइव'

खोजी पत्रकारिता के दौरान खौफ भी है और खतरे भी। मगर, इरादे बुलंद हैं। परिणीति बेखौफ होकर निकल जाती हैं। परिवार से कहती हैं, 'इस बार हार गई तो हमेशा के लिए हार जाऊंगी'। चुनौती कम नहीं होतीं। क्या परिणीति माफियाओं का पर्दाफाश कर पाएंगी या हार जाएंगी? इसका खुलासा फिल्म में होगा। फिलहाल ट्रेलर काफी दिलचस्प है। यह फिल्म 09 अक्तूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। परिणीति के अलावा फिल्म में देवेन भोजानी, अमोल पालेकर, आदिल हुसैन और शेखर सुमन जैसे सितारे हैं।

बिग बॉस-20 में इमोशनल हुईं माही विज

रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के घर में कंटेस्टेंट माही विज और मैरी कॉम के बीच किचन की राजनीति ने घर का माहौल गरमा दिया है। हाल ही के एपिसोड में माही विज ने अमन गांधी से बात करते हुए यह मुद्दा उठाया कि मैरी कॉम किचन में पक्षपात करती हैं और अपने दोस्तों को ज्यादा खाना देती हैं। इस मुद्दे पर बात करते हुए माही विज काफी इमोशनल नजर आईं। उन्होंने साफ कहा कि उनकी मैरी कॉम से कोई निजी दुश्मनी नहीं है, बस किचन में जो पक्षपात हो रहा है, उससे उन्हें तकलीफ हुई है। अमन से बात करते हुए माही विज ने इस बात को अपने बचपन की यादों से जोड़ा और बताया कि लोअर मिडिल क्लास परिवार से आने की वजह से उन्होंने ऐसी घटनाओं को अलग तरीके से महसूस किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे मैरी कॉम से कोई परेशानी नहीं है लेकिन जिस तरह से वह किचन में पक्षपात करती हैं, वह अच्छा नहीं लगता है और मुझे अपने बचपन की याद आने लगती है।' माही ने किचन में हो रहे भेदभाव और राजनीति को लेकर अपनी परेशानी बताते हुए याद किया कि कैसे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति की वजह से उन्हें बचपन में सामाजिक मौकों पर असहज महसूस होता था। उन्होंने कहा कि बचपन के उस दुखद अनुभव के बावजूद, आज भी वह उस रिश्तेदार के बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार रखती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं लोअर मिडिल क्लास फैमिली से हूं, हम बचपन में कभी रेस्टोरेंट नहीं गए थे और बस रिश्तेदारों के साथ ही गए थे। एक बार मेरी बहन ने उनसे कहा कि मुझे कॉर्न सूप पीना है, तो उन्होंने उससे कहा था कि तेरा बाप दे रहा है पैसे? और आज भी मैं उनके बच्चों के साथ अच्छे से पेश आती हूं और आज उन सबमें मैं सबसे ज्यादा कामयाब हूं।'

'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को घर में लाया गया है। शो में एमसी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशाल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिश्फा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रिति तिवारी, उदिति सिंह, तन्मय सिंह उर्फ स्काउट ओपी, रोहेद खान, यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।

पहली फिल्म हो या दसवीं, मेरे लिए स्क्रिप्ट सबसे पहले

आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी याद्दाश्त खोने के बाद यकीन होने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा बने है, जिनमें एंटरटेनमेंट के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल सावधान', 'ड्रीम गर्ल', 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह 'उड़ता तीर' में राइटर आकाश ए. कौशिक के साथ नजर आएंगे। नए डायरेक्टर्स के साथ काम करने को लेकर आयुष्मान ने कहा, ''मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूं कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आकर्षित कर सके। मेरे करियर में सबसे यादगार अनुभव नए और अलग तरह के लोगों के साथ काम करने से आए हैं।'' उन्होंने कहा, ''नए फिल्ममेकर्स अपने साथ एक अलग तरह की भूख, ताजगी और हिम्मत लेकर आते हैं। उनमें जानी-पहचानी कहानियों को अलग नजरिए से देखने का साहस होता है। मैंने हमेशा माना है कि अगर किसी कहानी के पीछे विश्वास मजबूत है, तो उसे सपोर्ट किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। 'उड़ता तीर' में मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसंद आई। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना आसान नहीं है, जो भ्रम, मजेदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही, जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।''

आयुष्मान ने कहा, ''मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।''

टली उड़ता तीर की रिलीज डेट; मेकर्स ने किया नई तारीख का एलान

अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' अपने ट्रेलर और चल रहे प्रमोशन से काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म को लेकर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए इसकी रिलीज डेट बढ़ा दी है। आइए जानते हैं इसकी क्या वजहें हैं? आपको बता दें कि अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म अगले कुछ दिनों तक अच्छा कलेक्शन करेगी। ऐसे में 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने समझदारी भरा फैसला लेते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख 9 अक्तूबर से आगे बढ़ा दी है। अब यह फिल्म 23 अक्तूबर को रिलीज होगी।

फिल्म 'दृश्यम 3' के अलावा आज सिनेमाघरों में 'प्रेम कीटाणु' भी रिलीज हुई है। 16 अक्तूबर को यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' रिलीज होने वाली है। वहीं 16 अक्तूबर को राज कुमार राव की 'प्रहार' भी रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स ने अक्तूबर के महीने में रिलीज होने वाली फिल्मों का आकलन किया। उन्होंने इस भीड़ से बचने के लिए और 'उड़ता तीर' को ज्यादा स्क्रीन देने के लिए यह बड़ा फैसला लिया। फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही सारा अली खान, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव और राम कपूर भी हैं। फिल्म अब 23 अक्टूबर के वीकेंड पर रिलीज होगी। उम्मीद है कि सिनेमाघरों में रिलीज से पहले इसका और प्रमोशन किया जाए।

वास्तुकला के भविष्य, सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक कारीगरी पर हुआ मंथन

भोपाल। वास्तुकला केवल ईंट, गारे और पत्थरों से इमारतें खड़ी करने की कला नहीं, बल्कि समाज की संस्कृति, मानवीय गरिमा और पर्यावरण के भविष्य को आकार देने का माध्यम है। इसी विचार के साथ द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (आईआईए), भोपाल सेंटर द्वारा रविवार शाम ऐतिहासिक कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में विश्व आर्किटेक्चर डे 2026 की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस वर्ष 5 अक्टूबर को मनाए जाने वाले विश्व आर्किटेक्चर डे की वैश्विक थीम 'हाउसिंग इज़ अ ह्यूमन राइट, बिल्ड इट' को केंद्र में रखते हुए आयोजित कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ वास्तुविदों, शहरी नियोजकों, डिजाइनरों, आर्किटेक्चर प्रोफेशनल्स और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में टिकाऊ एवं समावेशी वास्तुकला, स्थानीय सांस्कृतिक विरासत और भविष्य के बिल्ट एन्वायरनमेंट पर

व्यापक चर्चा हुई।

आईआईए भोपाल सेंटर के नवनियुक्त चेयरमैन आर्किटेक्ट हेमंत विश्वकर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण के साथ की गई। उन्होंने कहा कि आज वास्तुकला के सामने केवल सुंदर और आधुनिक भवन तैयार करने की चुनौती नहीं है, बल्कि बदलती जलवायु परिस्थितियों के बीच ऐसे शहर और आवासीय वातावरण तैयार करना भी जरूरी है, जो टिकाऊ, समावेशी, सुलभ और मानवीय हों। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 'लाइव क्राफ्ट डिमॉन्स्ट्रेशन' रहा। इसमें पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक स्थापत्य कला के बीच संबंध को प्रत्यक्ष रूप से प्रदर्शित किया गया। कारपेंट्री, फैब्रिकेशन, पॉटरी और आधुनिक टेक्सचर वॉल के साथ भोपाल की पारंपरिक पहचान जरी-जरदोजी के कुशल कारीगरों ने लाइव डेमो दिया। इस दौरान वास्तुकारों और विद्यार्थियों को निर्माण सामग्री तथा शिल्प की बारीकियों से परिचित कराया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि स्थानीय सामग्री, तकनीक और कारीगरी की समझ वास्तुकार को अधिक संवेदनशील और टिकाऊ डिजाइन विकसित करने में मदद करती है।

एन.डी. शर्मा की स्मृति में कमल नयन छपरिया और अब्दुल अजीज को पत्रकारिता सम्मान

भोपाल। कोलकाता में आयोजित पहले ईन्यूज़रूम कॉन्क्लेव 2026 में वरिष्ठ पत्रकार कमल नयन छपरिया और अब्दुल अजीज को दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार एन.डी. शर्मा की स्मृति में लाइफटाइम अचीवमेंट पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित किया गया। कॉन्क्लेव में एआई, डीपफेक, सोशल मीडिया और गलत सूचनाओं के बढ़ते दौर में महात्मा गांधी की पत्रकारिता की प्रासंगिकता पर भी चर्चा हुई।

नेशनल लाइब्रेरी के भाषा भवन में ईन्यूज़रूम इंडिया की ओर से आयोजित कॉन्क्लेव का विषय गांधी द जर्नलिस्ट- व्हाई इंडिया नीड्स हिज मीडिया विजन टुडे था। इसमें पूर्व राज्यसभा सदस्य और पूर्व प्रसार भारती सीईओ जवाहर सरकार, पत्रकार राशिद किदवई, ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक प्रतीक सिन्हा, वरिष्ठ पत्रकार अरफा खानम शेरवानी और डॉ. मोहम्मद रियाज ने विचार रखे। जवाहर सरकार ने कहा कि गांधी के अखबार केवल राजनीतिक विचारों का माध्यम नहीं थे। वे आम लोगों से संवाद, सामाजिक सुधार और जनसेवा के सवाल उठाते थे।

राशिद किदवई ने कहा कि आज खबर के सिर्फ वायरल होने के बजाय उसका सार्थक होना जरूरी है। पत्रकारिता का मूल काम मुद्दों और समस्याओं को सामने लाना है।

प्रतीक सिन्हा ने कहा कि आज डिजिटल मीडिया के सामने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के एल्गोरिदम बड़ी चुनौती हैं। वहीं अरफा खानम शेरवानी ने कहा कि वैकल्पिक मीडिया उन मुद्दों को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिन्हें मुख्यधारा में पर्याप्त जगह नहीं मिलती।

संक्षिप्त समाचार

दमानी की कंपनी के शेयरों का बुरा हाल, बिजनेस अपडेट के बाद लुढ़के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी के मालिकाना हक वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयर सोमवार को बाजार खुलते ही बिखर गए हैं। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयर सोमवार को में 5 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 3601.65 रुपये पर पहुंच गए हैं। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में स्टैंडअलोन रेवेन्यू में अच्छी रिकवरी के बाद भी कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। एवेन्यू सुपरमार्ट्स, रिटेल चेन डीमार्ट ऑपरेट करती

है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है और इसके शेयर 5723 रुपये तक जा सकते हैं। एवेन्यू सुपरमार्ट्स का स्टैंडअलोन रेवेन्यू चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 19,206 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी का स्टैंडअलोन रेवेन्यू 18.4 पर्सेंट बढ़ा है। पहली तिमाही में एवेन्यू सुपरमार्ट्स की रेवेन्यू ग्रोथ 15.1 पर्सेंट और वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 19 पर्सेंट रही। कंपनी ने दूसरी तिमाही के दौरान 15 नए स्टोर्स जोड़े। एक साल पहले की समान अवधि में एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने 8 स्टोर्स ऐड किए थे। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के आखिर में कंपनी के स्टोर्स की कुल संख्या 518 पहुंच गई है। सालाना आधार पर स्टोर नेटवर्क करीब 20 पर्सेंट बढ़ा है। ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयरों पर हाई कन्विशन आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 5723 रुपये का टारगेट दिया है। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने राधाकिशन दमानी के मालिकाना हक वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स को आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है और कंपनी के शेयरों के लिए 5000 रुपये का टारगेट दिया है। रिटेल चेन डीमार्ट चलाने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स का कवरेज करने वाले 32 एनालिस्ट्स में से 10 ने कंपनी के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। वहीं, 13 एक्सपर्ट्स ने होल्ड रेटिंग दी है, जबकि 9 एनालिस्ट्स ने कंपनी के

गोल्ड सस्ता, सिल्वर महंगी: सोने के भाव में 1400 की गिरावट, चांदी 1025 चढ़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को अलग-अलग रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 1,400 रुपये गिरकर 1,49,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। जबकि, दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी 1,025 रुपये बढ़कर 2,26,902 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। सोने-चांदी के भाव में इस बदलाव के बावजूद सोने-चांदी के रेट आज ऑल टाइम हाई से काफी सस्ते हैं। एमसीएक्स के आंकड़ों के अनुसार, 29 जनवरी को सोना 1,93,096 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर था और तब से लेकर आज की डेट तक 44,046 रुपये तक सस्ता हो चुका है। वहीं, एमसीएक्स सिल्वर का ऑल टाइम हाई 4,20,048 रुपये है और यह 1, 91,146 रुपये सस्ता हो चुका है। अमेरिका में सितंबर के रोजगार आंकड़े उम्मीद से कमजोर रहे। इसके अलावा पिछले दो महीनों के नॉन-फार्म पेरोल आंकड़ों में भी बड़ा संशोधन हुआ। इससे अक्टूबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर बढ़ाने की संभावना कम हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर में ब्याज दरें बढ़ने की संभावना एक सप्ताह पहले के 64 प्रतिशत से घटकर 22 प्रतिशत रह गई है। कम ब्याज दर की उम्मीद आमतौर पर सोने-चांदी जैसे गैर-ब्याज वाले निवेशों के लिए सकारात्मक मानी जाती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तस्वीर घरेलू [illegible] से अलग रही।

इस फेस्टिव सीजन हवाई जहाज से घर जाना हो सकता है काफी महंगा

68 प्रतिशत तक बढ़ चुका है किराया

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप इस फेस्टिव सीजन घर जाने की योजना बना रहे हैं तो आपको हवाई यात्रा के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। देश के कुछ प्रमुख घरेलू रूट्स पर किराया एक साल पहले की तुलना में 68 प्रतिशत तक बढ़ गया है। भारी डिमांड और फ्यूल की बढ़ती लागत के बीच एयरलाइन कंपनियों ने कुछ रूट्स पर उड़ानें कम कर दी हैं। फ्लाइट्स की संख्या कम होने से किराया में अभी और इजाफा होने की आशंका है। ईटी की एक रिपोर्ट में ग्लोबल एविएशन एनालिटिक्स फर्म के आंकड़ों के हवाले से बताया गया है कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए निर्धारित घरेलू उड़ानों की संख्या एक साल पहले की तुलना में 5 प्रतिशत कम है, जबकि सीट कैपेसिटी में केवल 1.2 प्रतिशत की कमी आई है। एयरलाइंस कम फ्लाइट्स ऑपरेट कर रही हैं लेकिन हर उड़ान में ज्यादा सीटें उपलब्ध करा रही हैं और बड़े विमानों का इस्तेमाल कर रही हैं ताकि कुल क्षमता मोटे तौर पर स्थिर बनी रहे। साथ ही जेट फ्यूल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी से

एयरलाइंस की लागत बढ़ गई है। 1 सितंबर से 10 नवंबर के बीच दिल्ली-हैदराबाद रूट पर एवरेज वन-वे किराया 68 प्रतिशत, मुंबई-कोलकाता पर 51 प्रतिशत, दिल्ली-गोवा पर 39 प्रतिशत और मुंबई-बेंगलुरु रूट पर 37 प्रतिशत बढ़ा है। कैपेसिटी में बदलाव का मतलब यह नहीं है कि सीटों की भारी कमी है। इसका असर रूट के हिसाब से अलग-अलग है। क्षमता बढ़ा रही हैं जबकि अन्य में उड़ानों की संख्या कम कर रही हैं।

मुख्य विश्लेषक जॉन ग्रांट ने कहा, 'इस तिमाही में घरेलू क्षमता के लिए सबसे व्यस्त दिन 7 दिसंबर होने की उम्मीद है, जिसमें 589,386 सीटें निर्धारित हैं, जो पिछले साल के सबसे व्यस्त दिन की 603,634 सीटों से कम है।' ओएजी का डेटा अलग-अलग मार्केट में अंतर दिखाता है। मुंबई-जामनगर रूट पर क्षमता एक साल पहले की 32,452 सीटों से तीन गुना से ज्यादा बढ़कर 102,520 हो गई है।

कहां बढ़ सकता है किराया

इसी तरह दिल्ली-नवी मुंबई रूट पर कैपेसिटी 8,158 से बढ़कर 142,600 हो गई है। हालांकि, अहमदाबाद-कोलकाता रूट पर कैपेसिटी 20.9 प्रतिशत और हैदराबाद-जयपुर रूट पर 33.1 प्रतिशत कम हुई है। यात्रियों के लिए यह अहम है क्योंकि कम उड़ानों का मतलब है कि पीक डेट्स पर कम विकल्प। जिन रूट्स पर डिमांड ज्यादा है और उड़ानों की संख्या कम है, वहां किराया तेजी से बढ़ सकता है। फ्यूल की बढ़ती कीमतें भी एयरलाइन कंपनियों पर दबाव बढ़ा रही हैं। घरेलू [illegible] की कीमतें 1 अक्टूबर से 16 प्रति लीटर बढ़कर 121 से लगभग 137 प्रति लीटर हो गईं। इससे पहले सितंबर में इसमें 6.28 प्रति लीटर और अगस्त में 5 प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी। आीसीआरए के अनुसार, एयरलाइन के ऑपरेटिंग खर्च में फ्यूल की हिस्सेदारी 30-40 प्रतिशत होती है। घरेलू किराए पिछले साल के मुकाबले 30-40 प्रतिशत ज्यादा हैं, जबकि इंटरनेशनल किराए में 30-50 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। घरेलू बुकिंग और सर्च मोटे तौर पर स्थिर रहे हैं दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-बेंगलुरु, मुंबई-दिल्ली और मुंबई-बेंगलुरु के साथ-साथ बड़े मेट्रो शहरों को पटना और कोच्चि से जोड़ने वाले रूट्स पर भी अच्छी डिमांड है।

नौकरी छोड़ने के बाद ईपीएफ का ब्याज टैक्स फ्री नहीं होता

नईदिल्ली, एजेंसी। करियर ब्रेक लेने का मतलब यह नहीं है कि आपका खाता बंद हो गया या उसमें ब्याज मिलना रुक गया। अगर पैसा में जमा है, तो वह ब्याज कमाता रहेगा, लेकिन नौकरी छोड़कर ब्रेक लेने वाले लोगों को एक बात समझनी जरूरी है। पांच साल की नौकरी पूरी कर लेने का मतलब यह नहीं कि आगे का हर ब्याज अपने आप टैक्स फ्री हो गया। टैक्स एक्सपर्ट सीएस चांदनी आनंदन के मुताबिक कुछ फैसलों में कहा गया है कि नौकरी खत्म होने के बाद ईपीएफ बैलेंस पर जो ब्याज बनता है, वह टैक्सेबल हो सकता है। यह तब भी हो सकता है, जब कर्मचारी पांच साल की सर्विस पूरी कर चुका हो। यहां असली बात यह है कि पांच साल की सर्विस का नियम और नौकरी छूटने के बाद मिलने वाले ब्याज का टैक्स, दोनों अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। इनकम टैक्स एक्ट की धारा 10(12) के तहत नौकरी छोड़ने की तारीख तक जमा हुआ ईपीएफ बैलेंस कुछ शर्तों के साथ टैक्स छूट के लिए पात्र हो सकता है। लेकिन कुछ फैसलों में माना गया है कि नौकरी खत्म होने के बाद जो ब्याज जमा होता है, उसे यही छूट नहीं मिलती। उस ब्याज को इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज माना जाता है और जिस साल वह ब्याज बनता है, उसी साल उस पर टैक्स लगता है।मान लीजिए किसी कर्मचारी के पास नौकरी छोड़ते समय 10 लाख रुपये का बैलेंस है। इसके बाद वह दो साल तक बिना नौकरी रहता है। अब यहां 10 लाख रुपये और ब्रेक के दौरान बने ब्याज को अलग-अलग देखना होता है। अगर बाद में वह नई नौकरी करता है और पांच या ज्यादा साल की लगातार सर्विस पूरी करता है, तो अंतिम विड्रॉल पर जमा बैलेंस छूट के लिए पात्र हो सकता है।लेकिन नियम और शर्तें लागू रहेंगी।

10 साल से बैंक अकाउंट नहीं चलाया तब भी आप अपना पैसा वापस ले सकते हैं

नईदिल्ली, एजेंसी। कई साल से आपने अपने किसी पुराने बैंक खाते में न पैसा जमा किया, न निकाला तो हो सकता है बैंक ने उसे इनऑपरेटिव कर दिया हो। लेकिन राहत की बात ये है कि खाते में पड़ा आपका पैसा खत्म नहीं होता। यहां तक कि 10 साल तक क्लेम न करने पर रकम के फंड में पहुंच जाए, तब भी आप अपना पैसा वापस ले सकते हैं। जानिए पूरा नियम और पैसे का क्लेम करने का आसान तरीका। कई लोगों के पास एक से ज्यादा बैंक खाते होते हैं। नौकरी बदलने, शहर बदलने या नया बैंक

अकाउंट खुलवाने के बाद पुराना खाता ऐसे ही पड़ा रह जाता है। धीरे-धीरे साल बीत जाते हैं और खाताधारक को याद भी नहीं रहता कि उसमें कुछ पैसे जमा हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नियम आपके पैसे को सेफ रखते हैं। अगर आपके सेविंग या करंट अकाउंट में दो साल से ज्यादा समय तक आपने यानी ग्राहक ने कोई ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है, तो बैंक उसे इनऑपरेटिव यानी इनएक्टिव खाते के तौर पर केटेगरी कर सकता है। यहां यह समझना जरूरी है कि बैंक की तरफ से खाते में ब्याज जमा होना या बैंक के कोई चार्ज काटना ग्राहक की ओर से किया गया ट्रांजेक्शन नहीं माना जाता। यानी सिर्फ ब्याज आने से खाते में आपकी एक्टिविटी नहीं मानी जाएगी। लेकिन इनऑपरेटिव होने का मतलब यह नहीं है कि आपका खाता या पैसा खत्म हो गया। खाते में मौजूद रकम आपकी ही रहती है। अगर आपका पुराना बैंक खाता इनऑपरेटिव हो गया है।

मुकेश अंबानी ने दुनिया की सबसे बड़ी कन्वीनियंस-स्टोर चेन से नाता तोड़ा

घाटे के बाद 60 स्टोर बंद करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस ग्रुप की रिटेल कंपनी रिलायंस रिटेल और भारत में अपनी पांच साल पुरानी फ्रेंचाइजी डील खत्म करने जा रही हैं। इस पार्टनरशिप के तहत चलाए जा रहे लगभग 60 कन्वीनियंस स्टोर में से ज्यादातर को बंद किया जा रहा है। इसकी वजह यह है कि यह फॉर्मेट लगातार घाटे में चल रहा था। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। सूत्रों ने बताया कि कुछ आउटलेट बंद होने से पहले अपना स्टॉक खत्म कर रहे हैं। 7-इलेवन भारतीय बाजार में अपनी मौजूदगी बनाए रखने के लिए किसी दूसरे भारतीय पार्टनर की तलाश कर सकती है। हालांकि अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इससे भारत में कन्वीनियंस स्टोरके सामने आ रही मुश्किलों का पता चलता है। देश में लाखों छोटे किराना स्टोर हैं। साथ ही क्विक-कॉमर्स कंपनियां भी मिनटों में सामान घर पहुंचा रही हैं।

कंज्यूमर-सेक्टर कंसल्टेंसी थर्ड आईसाइट के फाउंडर और [illegible] देवांग्शु दत्ता ने कहा, 'रिलायंस हर चैनल के जरिए ग्राहकों तक पहुंचना चाहती है।

किराना स्टोर का खर्च बहुत कम होता

देवांग्शु दत्ता ने कहा कि कॉर्पोरेट द्वारा चलाए जाने वाले कन्वीनियंस स्टोर की तुलना में किराना स्टोर का खर्च बहुत कम होता है और मार्जिन की उम्मीदें भी अलग होती हैं। रिलायंस का इस फॉर्मेट से बाहर निकलना इस बात का संकेत है कि इस पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है।

ब्रांडेड स्टोर चलाने की लागत

इस बारे में रिलायंस और सवालों का जवाब नहीं दिया। रिलायंस और 2021 में हाथ मिलाया था। इस पार्टनरशिप का मकसद रिटेल नेटवर्क के जरिए दुनिया की सबसे बड़ी कन्वीनियंस-स्टोर चेन को भारत में लाना था। लेकिन बिजनेस उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। इसकी वजह यह थी कि ब्रांडेड स्टोर चलाने में ज्यादा लागत आती है।

फाइनेंशियल स्टेटमेंट के अनुसार, कन्वीनियंस रिटेल वेंचर ने मार्च 2026 को खत्म हुए साल में लगभग 92 करोड़ (.10.6 मिलियन) का रेवेन्यू और लगभग 90 करोड़ का नेट लॉस दर्ज किया। 7-इलेवन की जापानी पैरेंट कंपनी दुनिया भर में 85,000 से ज्यादा स्टोर चलाती है। रिलायंस हर चैनल के जरिए ग्राहकों तक पहुंचना चाहती है, लेकिन आखिर में सस्टेनेबिलिटी मायने रखती है। क्विक कॉमर्स का दबाव बढ़ा है, क्योंकि दोनों ही फॉर्मेट एक जैसे सामान बेचते हैं और तुरंत जरूरत वाली चीजें उपलब्ध कराते

12वीं की मार्कशीट पर 1 करोड़ तक का लोन मिलेगा

क्या एक करोड़ रुपये का एजुकेशन लोन मिल सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। 12वीं के बाद हाई एजुकेशन यानी कि उच्च शिक्षा के लिए काफी पैसों की जरूरत होती है। यह जरूरत इस बात पर भी निर्भर करती है कि आप किस कोर्स में, कहां पर और कब एडमिशन ले रहे हैं। इस बीच एक सवाल यह कि क्या 12वीं की मार्कशीट पर एक करोड़ रुपये का लोन मिल जाएगा। इसका उत्तर हां में है, लेकिन इसके लिए केवल 12वीं की मार्कशीट से काम नहीं चलेगा बल्कि और भी कई चीजें काफी जरूरी हैं, नहीं तो लोन नहीं मिल पाएगा।

हम यहां एक उदाहरण के लिए मेडिकल की पढ़ाई को ले रहे हैं, इसके साथ ही जानेंगे कि देश के सबसे बड़े

सरकारी बैंकों में से एक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया इसके लिए कितना तक स्टूडेंट लोन दे सकता है और इसकी पात्रता क्या है... हां, एक करोड़ रुपये का एजुकेशन लोन मिल सकता है। यह लोन आपको 12वीं के बाद एंट्रेंस टेस्ट पास करने और कॉलेज अलॉट होने के आधार पर मिलता है। आप सभी जानते हैं कि मेडिकल की पढ़ाई में कितना अधिक खर्च आता है। इसके लिए लोग एजुकेशन लोन की मदद लेते हैं। एसबीआई बैंक पात्र छात्र या छात्रा को एक करोड़ रुपये तक का एजुकेशन लोन देने की सुविधा प्रदान करता है। बैंक की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, देश में हाई एजुकेशन के लिए एसबीआई एक करोड़ रुपये तक का लोन दे रहा है। बैंक के अनुसार, अगर आपको मेडिकल कोर्स जैसे एमबीबीएस, एमडी या एमएस की पढ़ाई के लिए लोन लेना है तो आपका एडमिशन द्वारा टॉप 100 स्थान पाए संस्थान में हो रहा हो। अगर आपका एडमिशन इनमें हो रहा है तो आपको मेडिकल कोर्स स्स) के लिए 75 लाख रुपये तक और डेंटल सहित अन्य सभी कोर्स के लिए 50 लाख रुपये तक का लोन मिल सकता है। वहीं, अन्य संस्थानों के लिए यह लोन 50 लाख और 30 लाख रुपये तक का मिल सकता है।

एजुकेशन लोन के लिए पात्रता क्या है

एजुकेशन लोन के लिए पात्रता अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन हम यहां बात एसबीआई की कर रहे हैं। देश यानी कि भारत में पढ़ाई के लिए या सरकार जैसी संस्थाओं से मान्यता प्राप्त कॉलेजों या विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाने वाले अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट कोर्स (जिनमें रेगुलर टेक्निकल और प्रोफेशनल डिग्री/डिप्लोमा प्रोग्राम शामिल हैं) और आदि जैसे स्वायत्त संस्थानों द्वारा चलाए जाने वाले रेगुलर डिग्री/डिप्लोमा प्रोग्राम। एरोनॉटिक्स, पायलट ट्रेनिंग और शिपिंग जैसे क्षेत्रों में रेगुलर डिग्री/डिप्लोमा कोर्स, जिन्हें डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन, शिपिंग या संबंधित रेगुलेटरी अथॉरिटी से मान्यता मिली हो।

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड कप 2027

रोहित शर्मा से लेकर मिचेल स्टार्क तक, इन 5 दिग्गजों का होगा आखिरी वर्ल्ड कप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2027 क्रिकेट के एक सुनहरे दौर के अंत का गवाह बन सकता है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले इस टूर्नामेंट में कई दिग्गज आखिरी बार विश्व कप खेलते नजर आ सकते हैं। भारत के विराट कोहली और रोहित शर्मा समेत कुल पांच बड़े नाम इस सूची में शामिल हैं।

विराट कोहली की आखिरी विश्व कप दहाड़ – विराट कोहली के लिए 2027 वर्ल्ड कप वनडे क्रिकेट का आखिरी बड़ा मंच माना जा रहा है। कोहली ने अब तक 317 वनडे में 15,109 रन बनाए हैं और उनके नाम 55 शतक हैं। 2023 वर्ल्ड कप में 765 रन बनाकर उन्होंने एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी कायम किया था।

मिचेल स्टार्क की नजर ऐतिहासिक रिकॉर्ड पर – ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी 2027 में अपना आखिरी वनडे वर्ल्ड कप खेल सकते हैं। स्टार्क ने विश्व कप में 28 पारियों में 65 विकेट झटके हैं और इस सूची में वह ग्लेन मैक्ग्रा व मुथैया मुरलीधरन के बाद तीसरे स्थान पर हैं। 2027 में उनके पास वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे सफल गेंदबाज बनने का मौका भी होगा।

रोहित शर्मा भी आखिरी बार दिखेंगे?

रोहित शर्मा के लिए भी 2027 का वर्ल्ड कप एक भावुक विदाई का मंच बन सकता है। रोहित ने 291 वनडे में 12,120 रन बनाए हैं और उनके नाम सात वर्ल्ड कप शतक हैं, जो विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा हैं। तीन दोहरे शतक लगाने वाले रोहित के लिए घरेलू युवाओं की बढ़ती चुनौती के बीच यह उनका आखिरी विश्व कप अभियान हो सकता है।

जापान ओपन

कार्लोस अल्काराज ने फाइनल में बनाई जगह

टोक्यो (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जापान ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। टोक्यो में खेले गए सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी ने स्पेन के ही जाउमे मुनार को 5-7, 6-3, 6-1 से हराया।

पहले सेट में मुनार का पलड़ा भारी

मुनार ने मुकाबले की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया और अल्काराज को कड़ी चुनौती दी। अल्काराज ने पहले सेट में कई गलतियां कीं और चार डबल फॉल्ट भी किए, जिसका फायदा उठाते हुए मुनार ने 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में अल्काराज की वापसी

दूसरे सेट में अल्काराज ने अपने खेल की रफ्तार बढ़ाई और मुनार पर लगातार दबाव बनाया। उन्होंने सटीक फोरहैंड, शानदार वॉली और बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स का इस्तेमाल करते हुए तीन बार मुनार की सर्विस तोड़ी और सेट 6-3 से जीत लिया।

निर्णायक सेट में किया दबदबा

तीसरे सेट में अल्काराज ने पूरी तरह मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने आक्रामक सर्विस और तेज रिटर्न के जरिए मुनार को बेसलाइन के पीछे रखा और 6-1 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

2 घंटे 31 मिनट चला मुकाबला

अल्काराज और मुनार के बीच यह रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबला 2 घंटे 31 मिनट तक चला। अल्काराज ने बड़े सर्व और आक्रामक रिटर्न के साथ-साथ शानदार ड्रॉप शॉट्स से एरिएके कोलोसियम में मौजूद दर्शकों का भी मनोरंजन किया।

फाइनल में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका या मोनाको के वैलेंटिन वाशरो से होगा सामना

अब फाइनल में अल्काराज का सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका या मोनाको के वैलेंटिन वाशरो से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच दूसरा सेमीफाइनल सोमवार को खेला जाना है। अल्काराज की नजर लगातार दूसरी बार जापान ओपन का खिताब जीतने पर होगी।

हांगकांग सिक्सेस 2026

भुवनेश्वर कुमार की कप्तानी में उतरेगी टीम इंडिया

- स्टार खिलाड़ियों को मिला टीम में मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए भारत ने अपनी मजबूत टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि क्रुणाल पंड्या भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में कई आईपीएल के अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जिससे भारत इस बार टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

इन 7 खिलाड़ियों को मिली जगह

भारत की टीम में भुवनेश्वर कुमार, क्रुणाल पंड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी नटराजन शामिल हैं। राहुल त्रिपाठी इस टीम में इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल 2026 में एक भी मुकाबला खेलने का मौका नहीं मिला। बाकी खिलाड़ियों के पास आईपीएल का अच्छा अनुभव है और कई खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के अहम सदस्य रहे हैं।

पाकिस्तान और यूएई से होगी टक्कर

हांगकांग सिक्सेस 2026 का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक किया जाएगा। छह खिलाड़ियों वाली इस टीम प्रारूप की प्रतियोगिता में भारत को ग्रुप-सी में पाकिस्तान और यूएई के साथ रखा गया है। पाकिस्तान मौजूदा चैंपियन है और उसने पिछले संस्करण के फाइनल में कुवैत को 43 रन से हराकर खिताब जीता था।

- **पिछले दो संस्करण में भारत का प्रदर्शन खराब** – भारत ने 2017 में हांगकांग सिक्सेस में हिस्सा नहीं लिया था, जबकि 2024 में रॉबिन उथप्पा की कप्तानी वाली टीम ने टूर्नामेंट में वापसी की। भारत उस संस्करण में ग्रुप स्टेज के अपने चारों मुकाबले हारकर बाहर हो गया था। 2025 में दिनेश कार्तिक की कप्तानी में टीम ने शुरुआत जीत से की, लेकिन बाद में कुवैत, यूएई और नेपाल से हारकर फिर से सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी।
- **लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का मौका** – भुवनेश्वर कुमार ने भारत के लिए आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 में खेला था। क्रुणाल पंड्या और नितीश राणा ने जुलाई 2021 के बाद भारत के लिए लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट नहीं खेला है, जबकि टी नटराजन की आखिरी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति मार्च 2021 में हुई थी।

ईरानी कप 2026

मुकेश-आकाश की घातक गेंदबाजी से रेस्ट आफ इंडिया चैंपियन, फाइनल में जम्मू-कश्मीर को हराया

श्रीनगर (एजेंसी)। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली रेस्ट आफ इंडिया ने ईरानी कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में टीम ने रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। 279 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जेके की पूरी टीम महज 111 रन पर सिमट गई।

- **पहली पारी में जम्मूकश्मीर ने बनाई बढ़त** – मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और रेस्ट आफ इंडिया को 237 रन पर रोक दिया। इसके बाद जेके ने अपनी पहली पारी में 278 रन बनाए और 41 रन की अहम बढ़त हासिल की।
- **स्मरण रविचंद्रन ने पलटा मैच** – 41 रन से पिछड़ने के बाद रेस्ट आफ इंडिया ने दूसरी पारी में शानदार वापसी की। ओपनर सनत सांगवान ने 55 रन बनाए, जबकि स्मरण रविचंद्रन ने 153 गेंदों पर 135 रन की शानदार पारी खेली। रेस्ट आफ इंडिया ने दूसरी पारी में 319 रन बनाकर जम्मू-कश्मीर के सामने 279 रन का लक्ष्य रखा।

मुकेश कुमार ने मचाई तबाही

लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर एक समय 89/3 के स्कोर पर मजबूत स्थिति में नजर आ रहा था। इसके बाद मुकेश कुमार ने घातक गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट झटक लिए और जेके की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। मुकेश ने 8.4 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे जम्मू-कश्मीर की पारी 111 रन पर खत्म हो गई।

आकाश दीप का भी दमदार प्रदर्शन

आकाश दीप ने भी दोनों पारियों में शानदार गेंदबाजी कर रेस्ट आफ इंडिया की जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में 3 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 3/25 का शानदार स्पेल किया। वहीं मुकेश चौधरी ने पहली पारी में 5 विकेट लेकर छ्र×च्र को बड़ी बढ़त लेने से रोक दिया।

सूर्यकुमार यादव रणजी ट्रॉफी में लौटेंगे

मुंबई के लिए 11 अक्टूबर से खेल सकते हैं, शार्दूल ठाकुर चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 2026-27 रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं। वे मुंबई के पहले एलीट ग्रुप ष्ठ मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ खेल सकते हैं। मुंबई और चंडीगढ़ के बीच यह मुकाबला 11 अक्टूबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। सूर्यकुमार ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच आईपीएल 2026 में खेला था। वहीं, पूर्व मुंबई कप्तान शार्दूल ठाकुर हाथ की चोट के कारण शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तुषार देशपांडे मुंबई के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुआई करेंगे।

पिछले साल खेला था आखिरी रणजी मैच

- सूर्यकुमार ने फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के लिए आखिरी रणजी मैच खेला था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है।
- मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, सूर्या ने एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक को आगामी रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।
- सूर्यकुमार ने अब तक 86 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 5,758 रन हैं। उन्होंने 144 पारियों में 14 शतक और 30 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.33 है।

वेस्टइंडीज टीम ने मांगा एक्स्ट्रा नारियल पानी

- इंदौर में 11 अक्टूबर को भारत से टी-20 मुकाबला; डिडाइड्रेशन से बचने शाकाहारी भोजन पर जोर

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और रिकवरी का खास ध्यान रखा जा रहा है। इसी बीच वेस्टइंडीज टीम ने इंदौर में नारियल पानी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखने की विशेष मांग की है।वेस्टइंडीज टीम के मैनेजर ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से फोन पर एक्स्ट्रा नारियल पानी उपलब्ध रखने का आग्रह किया है। एमपीसीए के सीईओ रोहित पंडित के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए सामान्य तौर पर नारियल पानी की व्यवस्था रहती है, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज टीम ने इसकी अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।

- **वेजेटेरियन मेन्यू पर भी ज्यादा जोर** – दोनों टीमों के खिलाड़ियों की पसंद और जरूरत के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जा रही है। डाइट में वेजेटेरियन विकल्प ज्यादा रखे गए हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और मैच के बाद रिकवरी को ध्यान में रखते हुए खान-पान तैयार किया जाएगा।
- **बारिश के बाद गर्मी बढ़ी, हाइड्रेशन पर फोकस** – इंदौर में बारिश के बाद अब तापमान बढ़ने के साथ गर्मी और ड्राई हीट का असर दिखाई दे रहा है। ऐसे में मैदान पर लगातार दौड़ने, फील्डिंग और बल्लेबाजी-गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ियों के लिए हाइड्रेशन अहम है। टीम प्रबंधन चाहता है कि खिलाड़ियों को जरूरत के समय नारियल पानी आसानी से उपलब्ध हो।
- **रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था** – मैच और अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों की रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था भी की जा रही है। टी-20 में लगातार शारीरिक गतिविधि के चलते खिलाड़ियों पर पड़ने वाले दबाव को देखते हुए रिकवरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
- **टीम इंडिया रेडिसन, वेस्टइंडीज मैरियट में रुकेगी** – भारतीय टीम के लिए रेडिसन होटल और वेस्टइंडीज टीम के लिए मैरियट होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है। दोनों टीमों के इंदौर पहुंचने से पहले होटल, अभ्यास, परिवहन और सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

एलए 2028 ओलंपिक का टिकट मिलने पर बोले मनप्रीत सिंह

अब अपनी कमजोरियों पर काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करना टीम के लिए बेहद अहम है। भारत ने शनिवार को फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स पुरुष हॉकी का गोल्ड मेडल जीता। इस जीत के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एलए 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। अब टीम को ओलंपिक क्वालीफायर में खेलने की जरूरत नहीं होगी, जिससे खिलाड़ियों और टीम मैनेजमेंट को तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।

मनप्रीत सिंह बोले- अब अपनी कमजोरियों पर काम कर सकते हैं

मनप्रीत सिंह ने कहा कि सीधे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि टीम को क्वालीफायर की तैयारी में समय नहीं लगाना पड़ेगा। इस दौरान भारत अपनी कमियों पर काम करते हुए लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए बेहतर तैयारी कर सकता है। मनप्रीत ने कहा, एशियन गेम्स हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था। हमने एलए ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसलिए हमें क्वालीफायर राउंड नहीं खेलना पड़ेगा और हम खुद पर काम कर सकते हैं और जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है, उन पर ध्यान दे सकते हैं। कुल मिलाकर एशियन गेम्स में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा।

मनप्रीत ने रचा खास रिकॉर्ड – मलेशिया के खिलाफ गोल्ड जीतने के साथ मनप्रीत सिंह ने भी भारतीय हॉकी में एक खास उपलब्धि हासिल की। वह तीन एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीतने वाले इकलौते भारतीय हॉकी खिलाड़ी बन गए हैं। अनुभवी मिडफील्डर के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। एशियन गेम्स में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के साथ उनका अनुभव टीम को बड़े टूर्नामेंटों में काफी मदद देता रहा है।

वर्ल्ड कप की खराब याद के बाद मिला बड़ा बूस्ट – एशियन गेम्स गोल्ड और ओलंपिक टिकट भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में टीम का वर्ल्ड कप अभियान उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अगस्त में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम आठवें स्थान पर रही थी और सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही थी। ऐसे में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना भारतीय टीम के लिए बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला परिणाम है। इस जीत से टीम को आगे की तैयारियों के लिए नई ऊर्जा मिलेगी।

2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी एशियन गेम्स से मिला था टिकट

भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी एशियन गेम्स के जरिए सीधे क्वालीफाई किया था। 2023 में हांगझोउ एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीता था, जिसके बाद उसे पेरिस ओलंपिक का सीधा टिकट मिला था। उस समय भी भारत को ओलंपिक से पहले तैयारी के लिए अच्छा समय मिला था। भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक में इस मौके का फायदा उठाया और लगातार दूसरी बार ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इससे पहले भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में भी हॉकी में तीसरे स्थान पर रहते हुए ब्रॉन्ज जीता था।

बांग्लादेश से लड़कियां लाकर भारत में कराते थे शादी, हैदराबाद में रहने वाले बांग्लादेशी को पकड़ा

ग्वालियर , एजेंसी। जीआरपी ने एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय गैंग के सदस्यों को पकड़ा है जो बांग्लादेश से म्यांमार की लड़कियों को शादी के लिए भारत लेकर आते थे. पुलिस ने दो आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ ही म्यांमार की चार युवतियों को भी कस्टडी में लिया है. पकड़े गए दोनों पुरुष आरोपी भी म्यांमार के निवासी हैं, जो हैदराबाद में रह रहे थे. इनके साथ पकड़ी कई युवतियों को जम्मू कश्मीर सप्लाई करने की प्लानिंग थी.

दरअसल, ग्वालियर जीआरपी थाना प्रभारी दीपशिखा सिंह तोमर को जीआरपी भोपाल कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी तिरुवंतपुरम से हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच चलने वाली स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस ट्रेन में एक संदिग्ध युवक सफर कर रहा है, जो संभवतः म्यांमार का निवासी है और भारत में विदेश से लड़कियां तस्करी कर उनकी शादी कराता है. इस जानकारी के आधार पर तुरंत एक सर्चिंग अभियान चलाते हुए स्वर्णजयंती एक्सप्रेस ट्रेन की ग्वालियर में चेकिंग की गई.

जीआरपी जब सभी रेल कोच में बताए गए युवक की तलाशी कर रही थी, इसी दौरान सामान्य कोच में पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया. जीआरपी फोर्स ने जब उससे जानकारी चाही तो उसने अपना नाम मुबीन बताया. जीआरपी पुलिस को युवक के पास से एक आईडी कार्ड भी मिला, जो यूएन रिफ्यूजी कमिश्नरी से जारी था. आरोपी ने पुलिस को बताया कि, मूल रूप से वह म्यांमार का निवासी है और हैदराबाद में रह रहा था.

ट्रेन से उतारकर पुलिस आरोपी को जीआरपी थाने लाई और पूछताछ की. आरोपी ने पुलिस को बताया कि, वह चार साल पहले अपनी पत्नी और बच्चों के साथ हैदराबाद में रहने लगा था. यहीं से वह बांग्लादेश से लड़कियां भारत लेकर आया था. और यहां अपने एक दूसरे साथी के साथ मिलकर जम्मू कश्मीर में इन लड़कियों की शादी कराने वाला था. उसने बताया की उसका दूसरा साथी सुलेमान उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ में एक किराए के कमरे में रह रहा है.

आरोपी मुबीन की निशानदेही पर ग्वालियर जीआरपी ने तत्काल प्रभाव से अलीगढ़ में दबिश दे कर सुलेमान को भी पकड़ लिया. जीआरपी को सुलेमान के पास से चार लड़किया बरामद हुई. चारों युवतियां म्यांमार की रहने वाली है और हाल में बांग्लादेश के कुतुपालोंग रिफ्यूजी शेल्टर से भारत आई थी. बरामद चारों लड़कियों में दो नाबालिक और इन सभी की शादी भारत के जम्मू कश्मीर में कराने की प्लानिंग थी.

संत प्रेमानंद की जान को खतरा!: आश्रम से जुड़ी गतिविधियों पर दो पक्षों में मतभेद, सुरक्षा के लिए सीएम को पत्र

मथुरा, एजेंसी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में पक्षकार दिनेश फलाहारी ने संत प्रेमानंद महाराज की सुरक्षा और आश्रम परिसर के भीतर के हालातों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर संत की सुरक्षा के साथ ही केलिकुंज आश्रम और आसपास की गतिविधियों की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

दिनेश ने पत्र में बताया कि श्रीहित राधा केलिकुंज आश्रम से जुड़ी गतिविधियों को लेकर दो पक्षों के बीच मतभेद हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि आश्रम की आड़ में संपत्ति व प्रापर्टी के धंधे से जुड़े कुछ लोग सक्रिय हो गए हैं, जिन्होंने संस्था के प्रभाव का अनुचित लाभ उठाते हुए आश्रम बना लिए हैं।

उनके पत्र के अनुसार संपत्ति और व्यावसायिक गतिविधियों से आहत होकर संत प्रेमानंद महाराज बेलवन स्थित आश्रम चले गए। मामले की गंभीरता तब और बढ़ गई जब केलिकुंज आश्रम के आसपास से बच्चों के गायब होने तथा संदिग्ध लोगों के सक्रियता की आशंकाएं जताई जाने लगीं। भक्तों का मानना है कि संत प्रेमानंद महाराज की सुरक्षा देश व अध्यात्म हित में बेहद आवश्यक है। शिष्य की मौत के बाद चर्चा में आए संत प्रेमानंद के समर्थन में ब्रज के संत और भागवताचार्य सामने आए हैं। उनका कहना है कि बिना सच्चाई जाने संत के खिलाफ बयानबाजी करना गलत है। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उन्हें अपनी हरकतों से बाज आना चाहिए। भागवताचार्य चित्रलेखा ने कहा कि संत प्रेमानंद महाराज के बारे में लोग जो मन में आ रहा बोल रहे हैं, कोई मर्यादा नहीं। किसी को कुछ पता नहीं है, फिर भी बड़ी बातें कर रहे हैं।

यदि कोई घटना हो भी जाती है तो क्या किसी सद महापुरुष एवं रसिक प्रेमी पर बोलना ही बड़ा अपराध है। उन्होंने कहा कि अधूरा ज्ञान बड़ा खतरनाक होता है। यदि ज्ञान नहीं है तो मौन रहना चाहिए। मलूक पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज ने संत प्रेमानंद महाराज का नाम न लेते हुए कहा कि समाज बड़े से बड़े महापुरुष की छीछालेदर करने में नहीं चूकता,लेकिन उनके द्वारा राष्ट्र एवं समाज को क्या मिला, उसे निंदक नहीं देखते। भागवताचार्य अनिरुद्धाचार्य ने कहा कि मीडिया को किसी जज की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि वह खुद ही जज बन जाती है। बिना सच्चाई जाने संत प्रेमानंद महाराज को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संत प्रेमानंद महाराज ने लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं को सनातन धर्म के मार्ग से जोड़ा है। उनके प्रवचनों से बड़ी संख्या में लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। ऐसे संत के प्रति बिना तथ्यों की जानकारी के आरोप लगाना उचित नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल: पूर्व टीएमसी सांसद और अभिनेत्री कोयल मल्लिक भाजपा में शामिल

कोलकाता , एजेंसी। बंगाली फिल्म अभिनेत्री रुक्मिणी मल्लिक(कोयल मल्लिक) सोमवार

को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। पार्टी ने उन्हें आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया था, जिसके एक दिन बाद ही वह पार्टी में शामिल हुईं। दिग्गज बंगाली फिल्म अभिनेता रंजीत मल्लिक की बेटी, कोयल मल्लिक ने छह अप्रैल से 16 जुलाई तक तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की राज्यसभा सांसद के तौर पर काम किया था। विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी की पार्टी की हार के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। कोयल मल्लिक का बीजेपी में स्वागत करते हुए, पार्टी के पश्चिम बंगाल महासचिव शशि अग्निहोत्री ने कहा कि अभिनेत्री सोमवार को राज्यसभा सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। यहां भाजपा के राज्य मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मल्लिक ने कहा कि संसद के उच्च सदन का सदस्य बनना और लोगों की भलाई के लिए काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की 12 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव 16 अक्तूबर को होंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत है।

लैंड पूलिंग से मिलेगी स्टेडियम की जमीन, शासन को भेजा ड्राफ्ट

गाजियाबाद , एजेंसी। मोरटी में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए जमीन जुटाने की प्रक्रिया अब आगे बढ़ गई है। करीब 38 एकड़ में बनने वाले स्टेडियम की जमीन किसानों से लैंड पूलिंग के जरिये ली जाएगी। जीडीए बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद प्राधिकरण ने फाइनल अप्रूवल के लिए शासन को फाइल भेज दी है। जीडीए के वीसी नंद किशोर कलाल का कहना है कि उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक शासन से स्वीकृति मिल जाएगी। इसके बाद किसानों की सहमति से जमीन लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जीडीए सचिव विवेक मिश्रा ने बताया कि स्टेडियम के लिए यूपीसीए के साथ एमओयू साइन हो चुका है और बोर्ड से भी प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। जमीन लेने की प्रक्रिया को लेकर शासन की ओर से कुछ आपत्तियां भेजी गई थीं, जिन्हें निस्तारित कर लिया गया है। हिंडन एयरबेस के नजदीक होने के कारण स्टेडियम की ऊंचाई को लेकर भी जानकारी मांगी गई थी। स्टेडियम की ऊंचाई करीब 45 मीटर तक रखने की अनुमति है। इंटरनेशनल स्टेडियम के लिए जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गई है। क्रिकेट स्टेडियम को जीडीए और यूपीसीए की साझेदारी में 38 एकड़ में तैयार किया जाना है। इसके लिए यूपीसीए के पास अभी जमीन है। मंजूरी मिलने के बाद साझेदारी के नियमों के अनुसार आधी जमीन का बैनामा जीडीए अपने पक्ष में कराएगा।

साहिबाबाद में बनेगा ईवी चार्जिंग का बड़ा हब

गाजियाबाद , एजेंसी। ट्रांस हिंडन में बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहनों के बीच चार्जिंग की सुविधा बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है। नगर निगम करहेड़ा गांव में करीब 20 चार्जिंग पॉइंट विकसित करने के लिए जमीन तलाश रहा है। करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाले इस चार्जिंग हब में निजी इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ शहर में चलने वाली इलेक्ट्रिक बसों को भी चार्ज करने की सुविधा होगी। इससे ईवी चालकों को चार्जिंग के लिए दूसरे क्षेत्रों में जाने की जरूरत कम होगी। नगर निगम के सहायक अभियंता निर्माण विभाग गणेशी लाल ने बताया कि करहेड़ा में चार्जिंग पॉइंट विकसित करने की योजना है।

पंजाब सीएम के कार्यालय से जुड़े निजी लोगों पर भ्रष्टाचार का आरोप, पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपी जांच

चंडीगढ़ , एजेंसी। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को जांच सौंपने का फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने सीबीआई को दो महीने में जांच पूरी करने का भी निर्देश दिया है। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को लिखे गए पत्रों से जुड़ा है। इसको लेकर वकील निखिल सराफ ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी, जिस पर हाईकोर्ट ने सोमवार को अपना फैसला सुनाया। गौरतलब है कि ईडी ने पंजाब के डीजीपी को तीन चिट्ठियां लिखी थीं, जिनमें यह कहा गया था कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन और कुछ अन्य लोग (नितिन गोहल और बीर देविंदर भी शामिल) भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। इन पत्रों में आरोपों के सिलसिले में कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया था। मांग की गई थी कि उन लोगों पर एफआईआर दर्ज की जाए। ईडी के मुख्य आरोपों के अनुसार, मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन कथित तौर पर अधिकारियों, जिनमें आईएएस और आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं, के ट्रांसफर और पोस्टिंग से जुड़े रैकेट को चला रहे थे। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि वे प्रशासनिक तबादलों और पोस्टिंग के साथ-साथ सरकारी टेंडरों में भी दखल दे रहे थे। यह मामला तब हाईकोर्ट पहुंचा, जब पंजाब पुलिस ने कथित तौर पर ईडी की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की थी। वकील निखिल सराफ ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की, जिसमें मामले को सीबीआई को सौंपने की मांग की गई थी। याचिका में सराफ ने कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय के पत्र में पंजाब मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सराफ ने तर्क दिया कि मामलों को 'निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच' के लिए सीबीआई को सौंपा जाना चाहिए, जो 'पंजाब पुलिस और पंजाब विजिलेंस के प्रभाव से मुक्त' हो।

इसके बाद सोमवार को अपने फैसले में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया।

जयपुर में 60 मकान-दुकानों पर चला जेडीए का बुलडोजर

जयपुर, एजेंसी। जयपुर में सोमवार की सुबह न्यू सांगानेर रोड पर रोज की तरह दुकानें खुलीं, लेकिन कुछ देर बाद माहौल बदल गया। सड़क पर पुलिस का जाब्ता पहुंचा और जेडीए के बुलडोजर गरजने लगे। देखते ही देखते दुकानों के बाहर बने रैंप, चबूतरे, रेलिंग, सीढ़ियां और टिनशेड टूटने लगे। इसी दौरान एक दुकान के अंदर खड़ा व्यापारी बार-बार बाहर आने के लिए कहे जाने के बावजूद वहीं डटा रहा। बाहर बुलडोजर था और अंदर उसकी दुकान...। जयपुर विकास प्राधिकरण ने न्यू सांगानेर रोड पर गुर्जर की थड़ी चौराहे से सोडाला तिराहे तक अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की है। सोमवार को गुर्जर की थड़ी से लजीज रेस्टोरेंट तक करीब एक किलोमीटर के हिस्से में 60 से ज्यादा मकान-दुकानों के सड़क सीमा में आ रहे निर्माण हटाए गए।

मुझे लगा एआई का कमाल है... कोटा रिवर फ्रंट की तस्वीरों पर आनंद महिंद्रा हुए फिदा

कोटा एजेंसी। राजस्थान का कोटा... नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में कोचिंग, लाखों स्टूडेंट्स और पढ़ाई का दबाव आता है। लेकिन इसी कोचिंग सिटी में एक ऐसी जगह भी है, जिसकी तस्वीरें देखकर देश के जाने-माने उद्योगपति आनंद महिंद्रा तक हैरान रह गए। उन्हें पहली नजर में लगा कि ये नजारा शायद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई से तैयार किया गया है। जब हकीकत पता चली तो उनका रिएक्शन था- 'अरे वाह... ये तो असली है!' दरअसल, आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर कोटा के चंबल हेरिटेज रिवर फ्रंट की तस्वीरें देखीं। तस्वीरों में नदी के किनारे बना भव्य कॉरिडोर, घाट और विशाल स्थापत्य देखकर उन्होंने इसकी खूबसूरती की तारीफ की। साथ ही उन्होंने सवाल भी किया कि क्या यह जगह असल जिंदगी में भी तस्वीरों जितनी शानदार है? आनंद महिंद्रा ने अपनी पोस्ट में बताया कि चंबल रिवर फ्रंट की तस्वीर देखने के बाद उनका पहला रिएक्शन यही था कि शायद यह एआई से बनाई गई तस्वीर है। लेकिन जब उन्होंने तस्वीर को ध्यान से देखा और पता चला कि यह जगह वास्तव में मौजूद है, तो वे चकित रह गए। उन्होंने कहा कि कोटा का नाम सुनते ही आमतौर पर लोगों को वहां की बड़ी कोचिंग इंडस्ट्री और स्टूडेंट्स पर पड़ने वाले भारी दबाव से जुड़ी खबरें याद आती हैं। लेकिन कोटा की एक ऐसी पहचान भी है, जिसके बारे में देश के बहुत से लोग शायद अब तक नहीं जानते। आनंद महिंद्रा ने चंबल हेरिटेज रिवर फ्रंट को अपनी वंडरर लिस्ट में शामिल करने की बात कही। यानी वे भविष्य में इस जगह को खुद देखने की इच्छा रखते हैं। उन्होंने लोगों से यह भी अपील की कि अगर कोई वहां जा चुका है तो रिवर फ्रंट की वास्तविक तस्वीरें साझा करे। उन्होंने पूर्व यूडीएच मंत्री और कोटा उत्तर विधायक शांति धारीवाल, कोटा विकास प्राधिकरण और आर्किटेक्ट अनूप भरतरिया के विजन और काम की भी तारीफ की।

ईरान के साथ टकराव ट्रंप के कार्यकाल के बाद भी रह सकता है जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में मिडिल ईस्ट से जुड़े मामलों के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ब्रेट मैकगर्क ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ चल रहा टकराव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाकी कार्यकाल के दौरान जारी रह सकता है और अगली अमेरिकी सरकार को भी इससे निपटना पड़ सकता है। वहीं, ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वह ईरान पर कूटनीतिक और सैन्य दोनों तरह का दबाव बनाए हुए है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका के कोऑर्डिनेटर रहे ब्रेट मैकगर्क ने कहा कि उन्हें ईरान के साथ किसी बड़े और पूरी तरह समाधान वाले समझौते का फिलहाल कोई साफ रास्ता नजर नहीं आ रहा। उन्होंने लंबे समय तक आर्थिक दबाव, बीच-बीच में सैन्य टकराव और कुछ समय के लिए सीजफायर होने की संभावना जताई। मैकगर्क ने सीएनएन के फरीद जकारिया से कहा, 'अगर मुझे अनुमान लगाना हो, तो यह मामला ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के आखिर तक चलता रहेगा और फिर अगले राष्ट्रपति को भी ईरान की इस पुरानी समस्या से निपटना होगा। जिमी कार्टर के समय से ही लगभग हर अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान की इस व्यवस्था से जुड़ी चुनौती का सामना किया है। '

उन्होंने कहा, 'यह लंबे समय से चली आ रही समस्या है। मैंने खुद अलग-अलग सरकारों के दौरान इससे जुड़े मामलों पर काम किया है। '

मैकगर्क के मुताबिक, सात अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास के हमले के बाद से मिडिल ईस्ट में ताकत का संतुलन 'बुनियादी तौर पर' बदल गया है। उन्होंने इसके बाद ईरान से जुड़े दो सैन्य अभियानों का जिक्र किया। इनमें ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' और इस साल 28 फरवरी से शुरू हुआ मौजूदा संघर्ष शामिल है। मैकगर्क ने कहा कि उनकी एक चिंता यह है कि हालिया संघर्ष की शुरुआत ऐसे मकसद से हुई, जिसमें सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य साफ तौर पर खुला रखा गया था।

उन्होंने कहा, 'एक बार जब आप इस रास्ते पर आगे बढ़ जाते हैं, तो फिर यह तय करना बहुत मुश्किल हो सकता है कि इस टकराव को आखिर खत्म कैसे किया जाए।' मैकगर्क ने कहा कि उन्हें तब तक इस संघर्ष

का कोई साफ अंत नजर नहीं आता, जब तक ईरान की राजनीतिक व्यवस्था अपने तौर-तरीकों और नीतियों में बड़ा बदलाव नहीं करती या फिर यह व्यवस्था किसी समय बिखर नहीं जाती। उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति आने में अभी काफी समय लगेगा।' फिलहाल मैकगर्क ने लंबे समय तक टकराव जारी रहने की संभावना जताई।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम ऐसे दौर में हैं, जो कुछ समय तक चलने वाला है। ईरान पर भारी आर्थिक दबाव रहेगा। बीच-बीच में दोनों तरफ से सैन्य कार्रवाई हो सकती है। कभी-कभी कुछ समय के लिए सीजफायर या अंतरिम समझौते भी हो सकते हैं। '

मैकगर्क के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कोई बड़ा समझौता होना और भी मुश्किल नजर आता है। उन्होंने कहा कि तेहरान में फैसले लेने वाले अधिकारी शायद ईरान के परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंचने की स्थिति को अपने लिए सबसे बड़ी सुरक्षा गारंटी के तौर पर देख रहे होंगे। उन्होंने कहा, 'इसलिए परमाणु मुद्दे पर समझौता हासिल करना बेहद मुश्किल होने वाला है। '

मैकगर्क का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने अलग से कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के मामले में सैन्य और कूटनीतिक दोनों रास्ते खुले रखे हुए है। सीबीएस न्यूज के कार्यक्रम 'फेस द नेशन' में राइट से उन खबरों के बारे में पूछा गया, जिनमें कहा गया है कि अमेरिका खाड़ी देशों में तेल से जुड़े ठिकानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त रक्षा उपकरण भेज रहा है और तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। राइट ने कहा, 'देखिए, राष्ट्रपति ने साफ और कड़ा रुख अपनाया है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता और उसे इसकी इजाजत नहीं दी जाएगी।' उन्होंने आगे कहा, 'इसलिए हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर रास्ते पर विचार कर रहे हैं। आर्थिक स्तर पर भी और जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार रहने के लिहाज से भी।' राइट ने कहा, 'हम अगली सरकार के लिए परमाणु हथियारों से लैस ईरान छोड़कर नहीं जा सकते। ' जब उनसे पूछा गया कि क्या ट्रंप ने चुनाव के दिन के बाद सैन्य कार्रवाई बढ़ाने का फैसला किया है, जब तीसरे कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के क्षेत्र में पहुंचने की उम्मीद है, तो राइट ने राष्ट्रपति की योजनाओं के बारे में जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं राष्ट्रपति की योजनाओं या नीतियों के बारे में उनसे पहले बिल्कुल कुछ नहीं कहूंगा।'

मिसौरी में सड़क हादसे में तेलंगाना की महिला की मौत, दोस्त घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिसौरी राज्य के सेंट लुइस इलाके में शनिवार देर रात सड़क हादसे में तेलंगाना की 31 वर्षीय महिला की जान चली गई। तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी।

मृतका की पहचान दराम सुप्रिया के रूप में हुई है, जो तेलंगाना के महबूबाबाद जिले के मरीपेड़ा की मूल निवासी थीं। परिजनों के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब सुप्रिया अपना रेस्टोरेंट बंद कर घर लौट रही थीं।

हादसे में सुप्रिया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ कार में सवार उनकी सहेली गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल सहेली तेलंगाना के सूर्यापेट जिले के कोडाद की रहने वाली हैं। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

हादसे के बाद परिवार गहरे सदमे में है। खम्मम के नायडू पेटा सर्कल के पास रहने वाले सुप्रिया के पिता डी. श्रीनिवास ने बताया कि हमारे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं, हम पूरी तरह स्तब्ध हैं।

उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर बेटी के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए भारत वापस लाने में सरकार से मदद मांगी है। उनके अनुसार, यह दुर्घटना देर रात करीब 1:40 बजे हुई।

सुप्रिया अपने पति कोडुमुरि रंजीत के साथ मिसौरी के वेंट्जविले में रहती थीं। सुप्रिया वहां एक रेस्टोरेंट चलाती थीं, जबकि उनके पति रंजीत सॉफ्टवेयर सेक्टर में काम करते हैं।

दंपति की शादी करीब पांच साल पहले हुई थी और उनका ढाई साल का एक बेटा भी है। सुप्रिया की मौत की खबर रंजीत ने तेलंगाना में दोनों परिवारों को दी। सुप्रिया के रिश्तेदारों और परिचितों ने सोशल मीडिया के जरिए भी पुलिस और जनप्रतिनिधियों से संपर्क साधा है। खम्मम पुलिस कमिश्नर और स्थानीय नेताओं को टैग करते हुए परिवार ने पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाने और जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कराने में सहयोग की अपील की है।

9/11 जैसे हमले की फिराक में था फ्लाईदुबई का को-पायलट, प्लेन को ऊंची इमारत से टकराने की बनाई थी योजना

दुबई , एजेंसी। फ्लाईदुबई के विमान को हाईजैक करने और फिर उसे क्रैश करने की नाकाम कोशिश में को-पायलट हम्माम अल-हम्मानी से बड़ी जानकारी प्राप्त हुई है। जांचकर्ताओं के मुताबिक फ्लाईदुबई का को-पायलट 9/11 जैसे बड़े हमले की फिराक में था और उसे प्लेन को ऊंची इमारत से टकराने की योजना बनाई थी। इजराइल की शुरुआती जांच में यह बात भी सामने आई है कि 29 वर्षीय ओमान के नागरिक ने इस हमले को अकेले ही अंजाम दिया था। इतालवी अखबार कोरिएरे डेला सेरा ने रिपोर्ट दी कि अल-हम्मानी ने चुपके से मच्छर को मारने, विमान के इंजन बंद करने और 30 सितंबर को तेल अवीव में एक इमारत से प्लेन टकराने की योजना बनाई थी। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अल-हम्मानी, जिसे ्श्व में गिरफ्तार किया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है, ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसका इरादा कैप्टन को ठिकाने लगाने और लैंडिंग की मंजूरी मिलने के बाद भी फ्लाइट 1073 को सामान्य रूप से जारी रखने का था, और फिर तेल अवीव के पास बेन गुरियन एयरपोर्ट पर विमान को किसी इमारत या दूसरे प्लेन से टकराने का था। को-पायलट ने नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश करने से पहले विमान के जॉर्डन के ऊपर पहुंचने का इंतजार करने की योजना बनाई थी, ताकि अलार्म न बजे और उसे हमले को अंजाम देने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार उसने जुलाई में हमला करने की योजना बनाई थी लेकिन आखिरी समय में इसे छोड़ दिया क्योंकि वह क्रू के एक सदस्य का दोस्त था। भारतीय पायलट मच्छर पर क्रैश एक्स (आपातकालीन कुल्हाड़ी) से हमला किया और फ्लाइट पर नियंत्रण करने की कोशिश की। संघर्ष के दौरान बोइंग 737 मैक्स 8 विमान लगभग दो मिनट में 36,000 फीट से नीचे गिरकर लगभग 17,000 फीट पर आ गया जिससे विमान के ढांचे पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ा और विमान के रडर (दिशा-नियंत्रक) के कुछ हिस्से उखड़ गए। विमान में 174 यात्री सवार थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,